3 | राजधानी
शस्त्र लाइसेंस लेना होगा आसान

6 | अभिमत
सुशासन का मानक है राम राज्य

10 | राष्ट्रीय
कॉरपोरेट घराने भी राम मंदिर के जश्न में शामिल

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 77
नई दिल्ली, सोमवार, 22 जनवरी, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

अयोध्या का बेटा सूरज के स्वागत को तैयार

दीपक कुमार झा। अयोध्या

साकेत या अजोधिया का प्राचीन शहर जो अब अयोध्या है और लगभग पांच शताब्दियों के इंतजार के बाद सोमवार को भगवान राम की विरासत को बहाल करने के लिए तैयार है, आज 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की कहानी सुनाता है जो वैचारिक रूप से वर्तमान के साथ समन्वयित है। राम मंदिर अयोध्या में सिर्फ एक स्मारक नहीं है; यह विश्वास की एकीकृत शक्ति का एक जीवित प्रमाण है। हर पत्थर, हर नक्काशी, हर घंटी, हर कपड़ा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की कहानी कहता है जो भौगोलिक सीमाओं को पार करता है और सामूहिक आध्यात्मिक यात्रा में दिलों को जोड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल इस धारणा के साथ गहराई से मेल खाती है और उस अटूट विश्वास और उदारता का प्रमाण है जो राज्य की सीमाओं को पार कर एक मंदिर के लिए तीर्थयात्रा में एक राष्ट्र को एकजुट करती है।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक राम के नाम की गूँज ने पूरे भारत में भक्ति का ताना-बाना बुन दिया है। राजसी मंदिर भारत की एकता और भक्ति के प्रतीक के रूप में खड़ा है, न केवल भव्यता में बल्कि राज्यों और सीमाओं के पार बुने गए योगदान में भी। मंदिर का मुख्य भाग राजसी है, जो राजस्थान के मकराना संगमरमर की प्राचीन सफेद शोभा से ढका हुआ है। जब

अयोध्या में रविवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के अंदर का भव्य और दिव्य दृश्य। आज यहां शुभ मुहूर्त में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में होगी प्राण प्रतिष्ठा

देवताओं की उत्कृष्ट नक्काशी की बात आती है तो कर्नाटक का चार्माउथी बलुआ पत्थर केंद्र में आ जाता है। जबकि प्रवेश द्वार की भव्य आकृतियों में राजस्थान के बंसी पहाड़पुर के गुलाबी बलुआ पत्थर का उपयोग किया गया है।

योगदान निर्माण सामग्री से कहीं आगे तक जाता है। गुजरात की उदारता उस दिव्य धुन तक फैली हुई है जो इसके हॉलों में गूँजेगी, एक राजसी 2100 किलोग्राम की अष्टधातु घंटी उपहार में दी गई है। इस दिव्य घंटी के साथ, गुजरात अखिल भारतीय दरबार समाज द्वारा तैयार किया गया एक विशेष नगाड़ा ले जाने वाला 700 किलोग्राम का रथ भी प्रस्तुत करता है। भगवान राम की मूर्ति के लिए इस्तेमाल किया गया काला पत्थर कर्नाटक से आया है। हिमालय की तलहटी से, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा ने जटिल नक्काशीदार लकड़ी के दरवाजे और हस्तनिर्मित कपड़े पेश किए गए हैं, जो दिव्य क्षेत्र के प्रवेश द्वार के रूप में खड़े हैं। योगदान की सूची पीतल के बर्तनों के साथ समाप्त नहीं होती है, जो उत्तर प्रदेश से आते हैं, जबकि पॉलिश की गई सागौन की लकड़ी महाराष्ट्र से आती है। राम मंदिर की कहानी सिर्फ सामग्री और भौगोलिक उत्पत्ति के बारे में नहीं है। यह उन अनगिनत हजारों प्रतिभाशाली कारीगरों और कारीगरों के बारे में है जिन्होंने इस पवित्र प्रयास में अपना दिल, आत्मा और कौशल डाला है। मंदिर को आईआईटी जैसे अन्य संस्थानों से कुछ इनपुट के अलावा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत सीएसआईआर (वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद) इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) के और डीएसटी (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग) के रूप में कम से कम चार प्रमुख राष्टीय संस्थानों द्वारा तकनीकी रूप से सहायता प्रदान की गई है। सीएसआईआर-सीबीआरआई रुड़की ने राम मंदिर निर्माण में प्रमुख योगदान दिया है; सीएसआईआर-एनजीआरआई हैदराबाद ने नींव डिजाइन और भूकंपीय सुरक्षा पर महत्वपूर्ण इनपुट दिए; डीएसटी-आईआईए बेंगलुरु ने सूर्य तिलक के लिए सन के पथ पर तकनीकी सहायता प्रदान की और सीएसआईआर-आईएचबीटी पालमपुर ने दिव्य राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए ट्यूलिप खिलाए हैं।

एक अनूठी विशेषता सूर्य तिलक तंत्र है, जिसे इस तरह से डिजाइन किया गया है कि हर साल श्रीराम नवमी के दिन दोपहर 12 बजे लगभग 6 मिनट के लिए सूर्य की किरणें भगवान राम की मूर्ति के माथे पर पड़ेंगी। (शेष पेज 9)

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले कार्यक्रम पेश करते कलाकार

जन्मस्थान में गूंज रहा जय श्रीराम

बिस्वजीत बनर्जी। अयोध्या

अयोध्या के पवित्र आलिंगन में एक दिव्य संगीतमयता प्रकट होती है क्योंकि शहर राम लला के ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा समारोह की प्रतीक्षा कर रहा है। 'जय श्री राम' की गूँज पवित्र परिसर में गूंजती है, जो इस मंदिर शहर की आत्मा को दिव्य प्रत्याशा से भर देती है। सुदर्शन अय्यर ने राम पथ पर चलते हुए कहा, 'जय श्री राम के हर उद्घोष में अयोध्या एक नए युग की शुरुआत की झलक दिखाती है, जहां भक्ति और प्रगति दैवीय सद्भाव में नृत्य करती है।' देश और दुनिया भर के विभिन्न कोनों से एकत्रित होकर हजारों समर्पित रामभक्त इस दिव्य यात्रा में भाग लेने के लिए पवित्र तीर्थयात्रा पर निकलते हैं। मंदिर कीर्तन, भजन और रामायण और रामचरितमानस के भावपूर्ण पाठ के सामंजस्यपूर्ण ताल से गूंजते हैं, जिससे एक अलौकिक माहौल बनता है जो सांसारिक दायरे से परे होता है। जैसे ही भंडारे धार्मिक दावतों की याद दिलाते हैं जीवंत हो उठते हैं सड़कें 'श्री राम' के लयबद्ध मंत्रोच्चार से गूंज उठती हैं, जिससे आध्यात्मिक एकता का माहौल बन जाता है। वडोदरा के एक तीर्थयात्री राम चंद्र देसाई गहन ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाते हैं, 'हमारे पूर्वज लगभग पांच शताब्दियों पहले मंदिर के विध्वंस और उसके बाद राम मंदिर के ऊपर एक मस्जिद के निर्माण के गवाह थे। मेरे पिता ने मस्जिद के विध्वंस को देखा और अब मैं राम मंदिर के निर्माण का गवाह बनने के लिए खुद को भाग्यशाली मानता हूं।' 28 साल की उम्र में देसाई ने इस महत्वपूर्ण अवसर का हिस्सा बनने के लिए सात दिनों में अपनी साइकिल पर 2000 किलोमीटर से अधिक की यात्रा करके एक उल्लेखनीय तीर्थयात्रा की। जैसे ही वह लता मंगेशकर चौक पर पत्रकारों को देखकर हाथ हिलाते हैं, कहते हैं, 'जो राम का नहीं, वो किसी काम का नहीं' और 'जय श्री राम' नारा लगाते हुए चले जाते हैं। (शेष पेज 9)

क्विक न्यूज

एम्स में ओपीडी सेवा आज खुलेगी

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर 22 जनवरी को बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) सेवाएं अपराह्न 2:30 बजे तक बंद रखने के अपने फैसले को वापस ले लिया है। अब सोमवार को ओपीडी खुली रहेगी। एम्स ने बताया कि अस्पताल की ओपीडी निर्धारित तिथि पर अस्पताल आने वाले मरीजों की देखभाल के लिए खुली रहेगी ताकि उन्हें किसी भी तरह की असुविधा न हो और चिकित्सकों की सुविधा मिल सके। ज्ञापन में कहा गया कि सभी जरूरी नैदानिक देखभाल सेवाएं भी चालू रहेंगी।

पश्चिम बंगाल में इंडिया गठबंधन में बढ़ी दरार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के ताजा बयानाबजी के बाद दरारें बढ़ गई हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद में पार्टी की एक आंतरिक बैठक में तृणमूल कांग्रेस कैडरों को राज्य की सभी 42 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू करने और बेहरामपुर से पांच बार के सांसद चौधरी को हराने की तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। इस पर बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर चौधरी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए संवाददाताओं से कहा, मुझे किसी की परवाह नहीं है।

आध्यात्मिक नगरी के केंद्र में उत्साह

पायनियर समाचार सेवा। अयोध्या

इतिहास और आध्यात्मिकता से सराबोर शहर अयोध्या के केंद्र में हवा उत्साह से भरी हुई है क्योंकि राम लला की अपने दिव्य निवास में बहुप्रतीक्षित वापसी केवल कुछ घंटे दूर है। स्थानीय निवासी सुनीता दुबे कहती हैं, 'कल राम लल्ला घर वापस आएंगे' शहर के हर कोने में सामूहिक उत्साह की गूंज सुनाई दे रही है। 16 जनवरी को शुरू हुआ चल रहा प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान आज शाम नवनिर्मित राम मंदिर में रामलला की पुरानी मूर्ति की वापसी के साथ समाप्त हो गया। जुलूस, जिसमें रामलला के साथ उनके तीन भाई, हनुमान और शालिग्राम शामिल थे, ने 22 जनवरी को भव्य समारोह तक पहुंचने वाली आध्यात्मिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित किया।

मुख्य पुजारी सत्येन्द्र दास ने घोषणा की कि प्रतिष्ठित पुरानी राम लला की मूर्ति को आज शाम नवनिर्मित मंदिर में अपना स्थायी स्थान मिलेगा। पुराने मंदिर का यह प्रतीकात्मक समापन प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों को 22 जनवरी को दर्शन का एक अनूठा अवसर प्रदान करने से पहले एक मार्मिक विराम के रूप में कार्य करता है। सुरक्षा उपायों के हिस्से के रूप में 20 जनवरी को अयोध्या की सीमाओं को सील कर दिया गया है,

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह की पूर्व संध्या पर अयोध्या में हर्षोल्लास से भरे श्रद्धालु

यह सुनिश्चित करते हुए कि केवल उचित पास वाले आमंत्रित अतिथियों को ही 23 जनवरी तक प्रवेश मिलेगा। 22 जनवरी को प्रतिष्ठा समारोह के बाद शाम को अयोध्या 10 लाख दीयों की रोशनी से जगमगा उठेगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर घरों, दुकानों, धार्मिक स्थलों और ऐतिहासिक स्थलों से 'राम ज्योति' निकलेगी, जो एकता और भक्ति का शानदार प्रदर्शन करेगी।

स्वामी महितेश्वरानंद सांस्कृतिक महत्व पर जोर देते हुए कहते हैं, 'पहले, जब भगवान राम वनवास से लौटे थे तो अयोध्या में दीये जलाकर दिवाली मनाई गई थी। अब, प्रतिष्ठा समारोह पूरा होने के बाद, 'राम ज्योति' जलाकर फिर से दिवाली मनाई जाएगी।' यह उत्साह आध्यात्मिक गुरुओं से आगे बढ़कर सड़क पर आम आदमी तक भी पहुंच रहा है। साकेत डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. परेश पांडे स्थानीय समुदाय की सामूहिक भावना को व्यक्त करते हुए कहते हैं, 'अयोध्या राम की है, और यह शहर अब राममय है। ऐसा लगता है कि हमें अपनी पहचान वापस मिल गई है।' विशिष्ट अतिथि 22 जनवरी को भव्य कार्यक्रम का गवाह बनेंगे, नियमित भक्त 23 जनवरी से शुरू होने वाले नए मंदिर में रामलला के दर्शन का उत्सुकता से इंतजार कर सकते हैं। यह उत्सव मंदिर परिसर के बाहर भी फैल गया, राम मंदिर, राम की पैड़ी, कनक भवन, हनुमान गढ़ी, गुप्तार घाट, सरयू घाट, लता मंगेशकर चौक, मणिराम दास छावनी सहित 100 मंदिरों, प्रमुख (शेष पेज 9)

दिल्ली में बैंड बाजा, कैटरर सब पहले से बुक

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन लोगों को बुकिंग के लिए करना पड़ रहा संकट का सामना

राजेश कुमार। नई दिल्ली

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से देश भर के नागरिकों में उत्साह ला दिया है, लेकिन इससे शादी के सीजन में बैंड वालों, डीजे, संगीत मंडली, कैटरर्स, भजन-कीर्तन गायकों को बुक करने में लोगों को संकट का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर उनके लिए जिनकी शादी 22 जनवरी को होनी है। राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के दिन सोमवार को मंदिर संगठनों, बाजार संघों, आरडब्ल्यूए द्वारा भंडारों के लिए बुक करने से कैटरर्स भी उपलब्ध नहीं हैं। वहीं भक्ति गीत और भजन प्रस्तुत करने के लिए संगीत मंडली पूरे दिन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार व्यस्त हैं। अनुमान है कि दिल्ली में 2000 से अधिक कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है और यहां के 1000 छोटे और बड़े बाजारों में लगभग 25 लाख दीये जलाए जाएंगे। बैंडवालों और इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों को नियमित सीज़न

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर चांदनी चौक में शोभायात्रा निकालते रामभक्त

की तुलना में कहीं अधिक बुकिंग मिल रहे हैं। विशेष रूप से, अयोध्या उत्सव को लेकर न केवल दिल्ली एनसीआर में बल्कि पूरे देश में शादी के मौसम की शुरुआत से मेल खाता है। अपने बेटे की 22 जनवरी को शादी तय करने वाले पूर्वी दिल्ली के यमुना विहार निवासी रामलाल ने कहा, मैं अपने बेटे की शादी के लिए बैंडवालों, संगीत मंडलियों को बुक करने में मुश्किल का सामना करना पड़ा है। उनका कहना है कि अपने सभी कार्यक्रम के प्रबंधन के लिए रोहतक जा रहा हूं।

एक मंदिर में प्रदर्शन करने के लिए तैयार जनता बैंड समूह से जुड़े एक ढोल वाले ने कहा कि वे आरती के दौरान वाद्ययंत्र बजाएंगे और भजन और कीर्तन की एक विशेष प्लेलिस्ट तैयार कर रहे हैं। इसी तरह, अशोक बैंड समूह, ओरिजिनल नवीन बैंड, आशा बैंड भी भगवान राम और भगवान हनुमान को समर्पित धार्मिक गीत प्रस्तुत करने के लिए कमर कस रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि राम मंदिर के अभिषेक के दिन एक घंटे तक इन बैंड समूहों और ढोलवालों का चार्ज दोगुना-तिगुना हो गया। एक विवाह बैंड के मालिक जस करण ने कहा कि तारीखों के टकराव के कारण संगीत समूहों को सदस्यों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। आमतौर पर विवाह गीत प्रस्तुत करने वाले बैंड के सदस्य अब भगवान राम की स्तुति में भक्ति गीत बजाने की तैयारी कर रहे हैं। दिल्ली रॉयल बैंड के एक बैंडवाला ने कहा, इस साल राम बारात निकाले जाने के कारण ढोल और बैंड, बाजा की मांग में काफी वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा कि उन्होंने 21 और 22 जनवरी के अनुरोधों को संभालने के लिए बैंड सदस्यों को छोटी टीमों में विभाजित किया है। उन्होंने कहा, इस साल शादी के बैंड की मांग में 50-60 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा, महत्वपूर्ण कार्यक्रम के कारण हम पूरी तरह से बुक हैं। हम दिन के लिए विशेष गीतों का अभ्यास कर रहे हैं। कलाकार लोकप्रिय भजन 'राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी' और आरती के दौरान विशेष ढोल बजाने की तैयारी कर रहे हैं। उस दिन बैंड के सदस्य विशेष भगवा रंग की वर्दी पहनेंगे।

इसी तरह, अशोक बैंड समूह भगवान राम और भगवान हनुमान की स्तुति में धार्मिक गीत बजाने की तैयारी कर रहा है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के अध्यक्ष ब्रिजेश गोयल ने कहा कि प्रतिष्ठा समारोह के दिन और उससे पहले मंदिरों, समाजों, बाजारों और समुदायों सहित दिल्ली भर में 1,500 से अधिक कार्यक्रम होंगे। हीरा बैंड समूह के एक सदस्य सलीम ने कहा कि उन्हें 21 और 22 जनवरी को शादियों और कई कार्यक्रमों के लिए बुक किया गया है। (शेष पेज 9)

बाधाएं तोड़ अयोध्या पहुंची केरल की बेगम नुजरथ

कुमार चेलप्पन। कोच्चि

केरल के कोझिकोड की बेगम नुजरथ जहां ने हमेशा अपने साथियों या अपने कुलीन और रूढ़िवादी मुस्लिम परिवार के अन्य सदस्यों से अलग रुख अपनाया है। वह एक उत्साही पाठक हैं, विशेषकर भारतीय और पश्चिमी क्लासिक किताबों की। सोमवार को वह अयोध्या में राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा देखने के लिए चुने गए कुछ (उनके अपने शब्दों में दयालु अल्लाह द्वारा चुने गए) में से एक होंगी। शनिवार शाम को अयोध्या पहुंचने वाली नुजरथ जहां ने फोन पर कहा, 'भगवान राम मेरे भी भगवान हैं और मैं प्रभु और मां सीता की पूजा करती हूं।' राम नगरी पहुंचने से पहले उन्होंने कई प्रसिद्ध साधु-संतों से मुलाकात की। उन्होंने कहा, 'यह मेरे जीवन का सबसे दुर्लभ अवसर है। अल्लाह ने किसी को भी भगवान राम की पूजा करने से मना नहीं किया है।'

नुजरथ जहां जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए समान अधिकारों के लिए प्रयासरत केरल के बौद्धिक हलकों में एक जाना-पहचाना चेहरा हैं। उन्हें समान नागरिक संहिता लागू करने और संपत्ति

की विरासत में महिलाओं के लिए समान अधिकारों की मांग को लेकर राज्य भर में आयोजित सेमिनारों की श्रृंखला के मुख्य आयोजक के रूप में श्रेय दिया जाता है। पूर्व विमानन विशेषज्ञ नुज़रथ जहां ने कहा, 'मैं मुस्लिम महिलाओं के लिए कोई विशेष विचार नहीं चाहती। लेकिन उन्हें पुरुषों के समान अवसर और दर्जा मिलना चाहिए। भारत में प्रचलित मुस्लिम कानून महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण हैं। इसे ख़त्म करना होगा।' वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रबल समर्थक हैं। ट्रिपल तलाक प्रणाली का उन्मूलन और अनुच्छेद 370 को निरस्त करना ऐतिहासिक घटनाएं हैं जो मोदी शासन को चिह्नित करती हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री एक ऐसे समाज की स्थापना के मिशन पर हैं जहां सभी भारतीयों को समान अधिकार और दर्जा मिले। वह एक अद्वितीय नेता हैं और मैं उन्हें भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्रियों में से एक मानती हूं। जब उनसे पूछा गया कि क्या प्रधानमंत्री के लिए उनका समर्थन उनके समुदाय के रुख के खिलाफ नहीं है, तो उन्होंने जवाब दिया, 'मुझे नहीं पता कि मुसलमानों का प्रधानमंत्री के प्रति कोई अलग दृष्टिकोण है या नहीं। लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद से उन्होंने जो कुछ भी किया वह मुस्लिम महिलाओं की स्थिति को ऊपर उठाने के लिए किया। जो लोग चाहते हैं कि मुस्लिम महिलाएं हमेशा के लिए गुलाम बनी रहें, वे उन्हें पसंद नहीं करेंगे, लेकिन यही उनकी किस्मत है।'

घर से सड़क तक रामध्वज से पटी राजधानी

संजय राय। नई दिल्ली

पूरे देश में इस समय अलग माहौल है। सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा होना है, जिसका जश्न मनाने में कोई पीछे नहीं रहना चाहता, हालांकि खुशी जताने का सबका अलग अलग तरीका हो सकता है। हमेशा व्यस्त रहने वाली राष्ट्रीय राजधानी में भी समय ठहर सा गया है और हर कोई इस महान पल का गवाह बनना चाहता। कुल मिलाकर यहां दीपावली जैसा माहौल है। घर से लेकर सड़क तक रामध्वज लहरा रहे हैं। राम भक्त कहीं हवन-भंडारे कर रहे, कहीं शोभा यात्रा निकाल रहे हैं। प्राण प्रतिष्ठा से पहले दिल्ली वालों में गजब का उत्साह है। रंग बिरंगी रोशनियों से शहर के मंदिरों, शिवालयों की भव्य सजावट की गई है। लोगों ने अपने घरों और वाहनों पर जिसमें ऑटो रिक्शा से लेकर मोटरसाइकिल

भगवाध्वज, गुब्बारों से सजा दिल्ली का चाँदनी चौक बाजार फोटोः रंजन डिमरी

और साइकिल शामिल हैं, पर भगवान रामध्वज लगवा रहे हैं। सड़कों पर पहले पेन, पेंसिल, टिश्यू, किताब या अन्य सामान बेचने वाले अब राम नाम का भगवा झंडा बेच रहे हैं। अयोध्या में प्रभु श्री राम के मंदिर को लेकर दिल्ली समेत देश भर में राममय का माहौल बन गया है। बाजारों में झंडों, राम मंदिर मॉडल , पोशाक आदि की मांग चार गुना बढ़ गई। सदर बाजार, किनारी बाजार, चावड़ी बाजार में राम मंदिर से जुड़े सामानों की किल्लत हो गई।

शहर में जगह, जगह 'मेरी कुटिया के भाग्य आज खुल जाएंगे, हमारे साथ श्रीरघुनाथ तो किस बात की चिंता हमें, तेरी मंद-मंद मुस्कनियां से बलिहार जाऊं, जनम-जनम की खोज बताए राम से चल के राम पर आए, मंगल भवन अमंगल हारी, द्रबहु सो दशरथ अजिर बिहारी, राम सिया राज, तैरी चौखट पर आज चारो धाम आएं है बजाओ ढोल स्वागत में मेरे घर राम आए हैं' समेत रामायाण की तमाम चौपाईयों की धुन से वातावरण राममय हो गया है। इसके अलावा 22 जनवरी को श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक प्रतिष्ठान अपने-अपने स्तर पर इस दिन को ऐतिहासिक भव्य और दिव्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं। सोमवार को होने वाले प्राण प्रतिष्ठका कार्यक्रम को लेकर लोगों में उत्साह, उमंग और जुनून देखने को मिल रहा है। विश्व प्रसिद्ध लव कुश रामलीला ने पुरानी (शेष पेज 9)

नोएडा में सुदरकांड का पाठ तो कहीं निकाली शोभायात्रा

अयोध्या में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा से पहले विभिन्न सेक्टरों में हुआ धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन

पायनियर समाचा सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश की धर्म नगरी में श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा समारोह का रविवार को छठां दिन है। सोमवार को पीएम मोदी विशेष आयोजन के साथ ही अयोध्या में नवनिर्मित श्रीराम मंदिर का उदघाटन करेंगे। इसके साथ ही नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। पूरा नोएडा राममय हो रहा है।

नोएडा के सेक्टर 151 स्थित जेपी अमन सोसायटी में स्थित मंदिर में रविवार को सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। आपको बता दें कि 22 जनवरी को अयोध्या में हो रहे प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की सफलता को लेकर यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

रविवार की सुबह भव्य शोभायात्रा एवं कलश यात्रा निकाली गई। दोपहर बाद सुंदरकांड पाठ किया गया। कार्यक्रम के आयोजक भाजपा नेता योगेश सिंह ने बताया कि 22 जनवरी को भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा। नोएडा सेक्टर 11 में रविवार की सुबह रामदूत शोभा यात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा सेक्टर 11 के सामुदायिक केंद्र से शुरू हुई, जो विभिन्न स्थानों पर होती हुई सेक्टर 11 के एल ब्लॉक स्थित हनुमान मंदिर पर समाप्त हुई। इस अवसर पर फोनरवा के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, गौरव शर्मा, इंदु शर्मा, तरुण, अशोक रस्तोगी, प्रदीप, जयरथ, सुनील गुप्ता, रिचा गुप्ता, संजय गुप्ता, राजीव चावला, सुनीता अग्रवाल, रितु दुग्गल, हीरालाल गुप्ता, अनुज गुप्ता समेत सेक्टर तथा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सैकड़ों पदाधिकारी तथा सदस्य आदि शोभायात्रा में शामिल रहे।

नोएडा में रविवार की सुबह भव्य शोभायात्रा एवं कलश यात्रा निकाली गई।

गाजियाबाद में निकाली गई भगवान श्रीराम लक्ष्मण और माता सीता की झांकी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में रविवार को कई स्थानों पर श्रीराम शोभायात्राएं निकाली गईं। इसमें श्रद्धा का सैलाब उम ? प ?ा। बच्चों ने श्रीराम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान का रूप धारण किया। रास्तेभर पुष्पवर्षा हुई। श्रीराम के भजनों पर भक्तों ने खूब नृत्य किया। जयश्रीराम के जयकारों से पूरा शहर गुंजायमान हो उठा। राजनगर एक्सटेंशन में दोपहर एक बजे रामलीला ग्राउंड से शोभायात्रा प्रारंभ हुई। ये यात्रा आशियाना चौक, ब्रेव हर्टस चौराहा, कृष्णा अपार्टमेंट रेजिडेंसी, रिवर हाइट्स होते हुए पिपलेश्वर महादेव मंदिर पर पहुंचकर संपन्न हुई। इस यात्रा में क्षेत्र के हजारों रामभक्त शामिल हुई। महिलाओं की मंडली ने भजन-कीर्तन किए। एक बग्गी में राम दरबार की झांकी सजी हुई थी, जिस पर लोग फूलों की बारिश कर रहे थे। उधर, विश्व हिन्दू परिषद और बजरंगदल ने गांव कनावनी में राम बारात निकाली। इसमें भी सैकड़ों रामभक्त शामिल हुए। इंदिरापुरम में भी श्रीराम शोभायात्रा निकाली गई। नगर निगम मुख्यालय पर जलेंगे 5100 दीपउधर, गाजियाबाद नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी रविवार को सभी मंदिरों, मुख्य मार्गों, निगम के कार्यालयों को सजाने में जुटे रहे। दूधेश्वर नाथ मंदिर व अन्य मुख्य धार्मिक स्थलों पर झंडे भी लगाए गए हैं।

एनईए के विजयी पदाधिकारियों को वितरित किए प्रमाण पत्र

- पूरे पैनल की निर्विरोध जीत से अब जिम्मेदारी और ज्यादा बढ़ जाती हैः विपिन

पायनियर समचार सेवा। नोएडा

नोएडा एंटरप्रिनियोर्स एसोसिएशन के चुनाव निर्विरोध निर्वाचित हुए विपिन कुमार मल्हन एवं वीके सेठ पैनल के सभी पदाधिकारियों को शनिवार को एसोसिएशन के चुनाव अधिकारी योगेश आनन्द, राकेश कत्याल, अनिल अग्रवाल एवं श्रीमती झुमा विश्वास नाग द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

शनिवार को नोएडा के सेक्टर 6 के बी-110ए स्थित एनईए भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र वितरण के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन ने कहा कि इस बार चुनाव में प्रत्याशियों के लिए फीस लगभग 80 प्रतिशत तक कम कर दी गई थी, परंतु फिर भी कोई अन्य पैनल मैदान में नहीं आया।

ये उद्यमियों की एकता एवं हमारे पैनल के प्रति उद्यमियों के विश्वास का प्रमाण है, जिसे हम दिल से स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने विश्वास दिलाया कि हम उद्योगों की बेहतरी के लिए शासन व प्रशासन के सहयोग से काम करते रहेगें। कहा कि हम पूर्व की भांति अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

उन्होंने उपस्थिति सभी उद्यमी बंधुओं का दिल से आभार व्यक्त किया एवं धन्यवाद दिया। इस अवसर पर पैनल के सभी विजयी प्रत्याशियों का ग्रुप फोटो सेशन हुआ। कार्यक्रम में पैनल समर्थक उद्यमी बंधु उपस्थित रहे।

ग्रेनो से अयोध्या धाम के लिए शुरू हुआ बसों का संचालन

- एक बस में तैनात रहेंगे दो ड्राइवर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा से भी अयोध्या के लिए बसों का संचालन शुरू कर दिया गया है। ग्रेटर नोएडा के परी चौक से अयोध्या के लिए बसों का संचालन प्रारंभ किया जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा के परी चौक से अयोध्या जाने वाली बसों का संचालन 23 जनवरी से किया जाएगा। 23 जनवरी की शाम साढ़े पांच बजे अयोध्या जाने वाली बस को विधिवत रुप से रवाना किया जाएगा, जबकि अयोध्या से ग्रेटर नोएडा आने वाले यात्रियों के लिए दोपहर दो बजे बस चलेगी। आपको बता दें कि ग्रेटर नोएडा शहर से अयोध्या के लिए अभी कोई भी बस सेवा संचालित नहीं की जाती थी। 23 जनवरी से अयोध्या के लिए बस सेवा शुरू जाएगी। अयोध्या में भगवान श्रीराम लला की स्थापना से यात्रियों में अयोध्या जाने के लिए आस्था बढ़ रही है। इसी को देखते हुए यूपी रोडवेज के ग्रेटर नोएडा डिपो ने यह व्यवस्था की है। ग्रेटर नोएडा से अयोध्या तक की लंबी दूरी होने के कारण एक बस में दो ड्राइवर तैनात रहेंगे। यह दोनों ड्राइवर सुविधा के अनुसार बस का संचालन करेंगे। इसके अलावा इन बसों में भजन और रामधुन बजाने की व्यवस्था की गई, जिससे बस का माहौल राममय हो जाए। इसी बीच अब बस अड्डे पर अयोध्या धाम जाने वाली बसों की जानकारी के लिए बस अड्डे पर हेल्प डेस्क बनाई गई है। अयोध्या जाने के लिए संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए एक कर्मचारी की भी ड्यूटी लगाई गई है। ग्रेटर नोएडा डिपो से एक बार टैंक फुल कराने पर एक सीएनजी बस 500 किमी. तक की ही दूरी तय कर सकती है, इसलिए बस रेंज के अनुसार एक रूट चार्ट बनाया गया है, क्योंकि रोडवेज बसों को अनाधिकृत ईंधन स्टेशनों से सीएनजी भरने की अनुमति नहीं है। ग्रेटर नोएडा से अयोध्या की दूरी लगभग 650 किमी. है।

ग्रेटर नोएडा डिपो के प्रभारी एआरएम अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि ग्रेटर नोएडा डिपो की दो बसें अयोध्या धाम के परी चौक से होते हुए जाएंगी। 23 जनवरी से बसों का संचालन किया जाएगा। यात्रियों को कोई परेशानी न हो इसके लिए हेल्प डेस्क बनाई जा रही है।

पहले चाकू मारा फिर बाइक से बांधकर गांव में घसीटा

युवक की मौत के बाद गांव में तनाव व्याप्त, पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो अरोपियों को धरा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के गांव बरौला में एक युवक को पहले चाकू मारकर घायल कर दिया गया और फिर बाइक से बांधकर गांव में घसीटा गया। इतना करने के बाद हमलावर घायल युवक को पुलिस चौकी के सामने फेंक दिया तथा थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया। उपचार के दौरान घायल की मौत हो गई।

मामला शनिवार की देर रात 11 बजे का है। नोएडा के थाना सेक्टर 49 क्षेत्रांतर्गत गांव बरौला से लेकर पुलिस चौकी तक अफरा तफरी मच गई। गांव वालों ने खौफनाक वारदात पर रोष जाहिर करते हुए पुलिस चौकी में तोड़फोड़ करने का प्रयास किया। चाकू मारने और गांव में घसीटने की वारदात की जानकारी मिलने पर पुलिस अधिकारियों में हड़कंप मच गया। आनन फानन में पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे।

जानकारी के अनुसार, गांव बरौला निवासी अनुज एक प्राइवेट अस्पताल में काम करता है और उसका चचेरे भाई नितिन का दूध का काम है। अनुज और नितिन की गांव के रहने वाले मेहंदी हसन से शनिवार रात करीब 11 बजे को कहासुनी हो गई। अनुज और नितिन ने मेहंदी हसन को चाकू मार दिया और बाइक में बांधकर पूरे गांव में घसीटा।

इसके बाद दोनों मेहंदी हसन को घसीटते हुए बरौला पुलिस चौकी पहुंचे, तब तक वहां काफी संख्या में लोग भी इकट्ठा हो गए थे। पुलिस चौकी में तोड़फोड़ का प्रयास किया गया। इस घटना के बाद पुलिस चौकी के आसपास अफरा-तफरी मच गई और घायल मेहंदी हसन को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

नोएडा के एडिशनल डीसीपी मनीष मिश्रा ने बताया कि वर्ष 2018 में मेहंदी हसन ने अनुज के पिता को चाकू मारकर घायल कर दिया था। मेहंदी हसन के खिलाफ स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। तब से अनुज मेहंदी हसन से रंजिश रखता था। हाल के दिनों में कोर्ट से मेहंदी हसन के खिलाफ वारंट भी जारी होने की बात कही गई है। मेहंदी हसन और अनुज के बीच कई बार कहासुनी हुई थी। इसी को लेकर दोनों में तनातनी चल रही थी।जानकारी के मुताबिक, यह मुठभेड़ पुलिस हिरासत के दौरान हुई। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था और इनको आला कत्ल की बरामद के लिए पुलिस टीम लेकर के जा रही थी। इसके बाद आरोपियों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इस दौरान पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग की, जिसमें दोनों अभियुक्त अनुज और नितिन घायल हुए। दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने दोनों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में अभियुक्त पंजीकृत किया है। रविवार की तड़के थाना सेक्टर-49 पुलिस और हत्यारोपी अनुज और नितिन से बरौला पुलिया के पास मुठभेड़ हुई। इसमें दोनों बदमाश अनुज और नितिन घायल हो गए।

हिरासत के दौरान फरार होने फिराक में लगे आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल हुए।

बरौला गांव में दहशत का माहौल

अपने पिता के ऊपर हुए कातिलाना हमले के बाद बदला लेने के लिए अनुज ने मेहंदी हसन को बाइक के पीछे रस्सी से बांधकर पूरे गांव में घुमाया तो गांव में हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि उसे तब तक बाइक में बांधकर घुमाया गया जब तक उसकी जान नहीं चली गई। हालांकि पुलिस का कहना है कि उसे घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

संक्षिप्त समाचार

साइक्लोथॉन में बड़ी संख्या में राइडर्स ने हिस्सा लिया।

साइक्लोथॉन से दिया स्वस्थ रहने का संदेश

नोएडा। डीएलएफ मॉल ऑफ़ इंडिया की एक्टिव नोएडा पहल के तहत रविवार को साइक्लोथॉन का आयोजन किया। साइक्लोथॉन में बड़ी संख्या में राइडर्स ने हिस्सा लिया और लोगों को स्वस्थ रहने का संदेश दिया। डीएलएफ मॉल ऑफ़ इंडिया ने अपनी इस पहल को राइड विद प्राइड का नाम दिया है। इस दौरान रविवार सुबह 15 किलोमीटर लंबी साइकिल राइड का आयोजन किया गया। इस दौरान स्लो साइकलिंग कंपटीशन भी हुआ। साइकिल राइडर्स ने स्लो साइकिलिंग करते हुए पूरे नोएडा को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। राइडर्स ने डीएलएफ मॉल ऑफ़ इंडिया से नोएडा बाईपास फ़्लाइओवर के नीचे से होते हुए वापस डीएलएफ मॉल तक साइकलिंग की।

भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने की चाय पर चर्चा

नोएडा। नोएडा के भाजपा महिला मोर्चा से जुड़ी भाजपा कार्यकत्रियों ने नोएडा शहर की साहित्यकार व पत्रकार महिलाओं के साथ चाय पर चर्चा की। इस दौरान वर्तमान राजनीति में महिलाओं का योगदान विषय पर बातचीत की गई। इस अवसर पर महिला पत्रकारों और साहित्यकारों को सम्मानित भी किया गया। नोएडा के सेक्टर 26 स्थित विधायक कैंप कार्यालय में शारदा वाजपेई के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में शारदा चतुर्वेदी अध्यक्षा, महिला मोर्चा, भारतीय जनता पार्टी, नोएडा महानगर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। सम्मानित होने वाली महिलाओं में अर्चना चतुर्वेदी, शशि पांडे, कुमकुम झा, मधु मोहिनी, मनी मोहिनी, सपन दत्ता, भावना तिवारी, संगीता चौधरी, नीलम भागी, सुमन सिंह, सुनैना सिंह, दिप्ती श्रीवास्तव, आशु नैथानी, प्रीति बजाज, सुमन चौधरी आदि रही। कार्यक्रम में प्रदेश सोशल मीडिया प्रमुख सुचित्रा कक्कड़ अलावा भाजपा महिला मोर्चा नोएडा महानगर मीडिया प्रभारी नीता बाजपेई टीम के साथ-साथ मंडल अध्यक्ष तथा उनकी पूरी टीम उपस्थित रही।

मनीष शर्मा बने प्रदेश संगठन मंत्री

नोएडा। किसानों के संगठन भारतीय किसान यूनियन ने संगठन का विस्तार करते हुए नोएडा निवासी मनीष शर्मा को प्रदेश संगठन मंत्री मनोनीत किया है। नव नियुक्त प्रदेश संगठन मंत्री मनीष शर्मा ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पहलवान मुनेंद्र गुर्जर एवं राष्ट्रीय महासचिव गजेंद्र मुदगल का आभार व्यक्त किया और कहा कि मुझे संगठन ने जो जिम्मेदारी दी है मैं उसको पूरी निष्ठा से निभाऊंगा और सभी किसान भाइयों की समस्याओं का समाधान कराने के लिए प्रयासरत रहूंगा और उनके लिए हमेशा उपलब्ध रहूंगा।

समाधान दिवस में पहुंचकर डीएम ने सुनी समस्याएं

नोएडा । जन सामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित गति के साथ निस्तारण कराने के उद्देश्य से नोएडा (गौतमबुद्धनगर जनपद) की तीनों तहसीलों में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जनपद की तीनों तहसीलों में कुल 112 शिकायतें दर्ज हुई, लेकिन मात्र दस शिकायतों का ही निस्तारण हो सका। डीएम मनीष कुमार वर्मा ने जेवर तहसील पहुंचकर समाधान दिवस की अध्यक्षता की। इस अवसर पर डीएम मनीष कुमार वर्मा ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार एवं शासन गंभीर है। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जिन विभागों से संबंधित जनता की शिकायतें दर्ज हो रही हैं। सभी संबंधित अधिकारीगण गंभीरता के साथ तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें और मौके पर जाकर संबंधी शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित कराएं ताकि संबंधित पोर्टल पर शिकायतों को ऑनलाइन किया जा सके।

हाउस टैक्स वृद्धि को वापस लेने के लिए दिया अल्टीमेटम

पायनियर समचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में डीएम सर्किल रेट से हाउस टैक्स वृद्धि का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। काजीपुरा में रविवार को आनंद चौधरी के आवास पर एक पंचायत हुई। इसमें कई पार्षद शामिल हुए। सभी ने हाउस टैक्स वृद्धि का विरोण किया और 31 जनवरी तक इसे वापस लेने के लिए मेयर से कहा।

दरअसल, पिछले दिनों शासन द्वारा डीएम सर्किल रेट के आधार पर हाउस टैक्स में वृद्धि के बाबत नगर निगम ने सर्किल रेट की सूची का प्रकाशन किया था, ताकि आपत्तियां प्राप्त हो सकें। पूर्व में हाउस टैक्स में 10 फीसदी की वृद्धि की गई थी। इसके बाद हर साल पांच फीसदी टैक्स ब ?ाया जाता रहा। ऐसे में अब लोग फिर से हाउस टैक्स बढ़ाने का विरोध कर रहे हैं। बैठक में बसपा के महानगर अध्यक्ष आनंद चौधरी, पूर्व पार्षद मनोज चौधरी, जाकिर सैफी, नरेश जाटव, पार्षद मोहम्मद कल्याण, पार्षद माया, चेतन यादव, सोनवीर, रजनीश चौधरी, हिमांशु लव, मुकेश गौतम आदि मौजूद रहे।

20 बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराया गया

नोएडा । नोएडा में पुलिस और श्रम विभाग ने एक संयुक्त अभियान के दौरान 20 बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराया।

पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस आयुक्त कार्यालय की मानव तस्करी इकाई और श्रम विभाग द्वारा संयुक्त रूप से चलाए गए बालश्रम उन्मूलन अभियान के तहत 20 बच्चों को मुक्त कराया गया।

उन्होंने बताया कि पुलिस एवं श्रम विभाग की संयुक्त टीम ने सेक्टर-18, सेक्टर-16 कार मार्केट, अट्टा आदि स्थानों पर ढाबों, होटलों, दुकानों में काम कर रहे 20 बच्चों की पहचान की और फिर उन्हें उनके परिजनों के सुपुर्द कर भविष्य में बालश्रम न कराने की हिदायत दी।

नवाब सिंह नागर को फिर मिली सहारनपुर लोस प्रभारी की जिम्मेदारी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री रहे नवाब सिंह नागर को पार्टी हाईकमान ने एक बार फिर सहारनपुर लोकसभा प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी है। मालूम हो कि वह इसके पूर्व भी प्रभारी के तौर पर इस जिम्मेदारी का निर्वहन कर चुके हैं। नवाब सिंह नागर को यह जिम्मेदारी मिलने पर भाजपा कार्यकर्ताओं तथा उनके प्रशंसकों में हर्ष की लहर व्याप्त है।

आपको बता दें कि नवाब सिंह नागर नोएडा के ऐसे नेताओं शामिल है जिन्होंने नोएडा शहर में भारतीय जनता पार्टी का पौधारोपण किया था। इसी वजह से पार्टी के अधिकांश कार्यकर्ता नवाब सिंह नागर को नोएडा में भाजपा के चमन का बागवा भी कहते हैं। उनकी सक्रियता तथा कर्मठता को देखते हुए पार्टी ने उन्हें नोएडा विधानसभा से दो बार टिकट दिया तथा वे यहां से दो बार विधायक बने। सरकार ने उनको उत्तर प्रदेश का सिंचाई मंत्री भी बनाया था। इसके अलावा वें भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। नागर उनकी सबसे बड़ी खासियत भाजपा के प्रति उनकी निष्ठा तथा समर्पण है। हालांकि बीच में विभिन्न राजनीतिक दल उन्हें अपने दलों से टिकट देने की बात भी करते रहे।

नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने सेक्टर-22 में स्थित शिव दुर्गा धाम मंदिर में राम भक्तों के साथ श्रमदान किया।

शिल्प हाटः गौतमबुद्धनगर में निवेश एवं रोजगार पर होगा फोकस

- तीन दिवसीय आयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों से लेकर अन्य आयोजन की झलक भी नोएडावासियों को देखने को मिलेगी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस यानि यूपी दिवस के अवसर पर नोएडा में एक खास आयोजन होने वाला है। आगामी 24 से लेकर 26 जनवरी तक नोएडा के शिल्प हॉट में होने वाला यह आयोजन बेहद ही खास होने वाला है। तीन दिवसीय आयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों से लेकर अन्य आयोजन की झलक भी नोएडावासियों को देखने को मिलेगी।

यूपी दिवस के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम को लेकर रविवार को डीएम मनीष कुमार वर्मा ने नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम के साथ बैठक की। बैठक की अध्यक्ष डॉ. लोकेश एम ने की। नोएडा शिल्प हॉट परिसर में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए डीएम मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि इस भव्य आयोजन को सकुशल संपन्न कराने के लिए जनपद के समस्त विभाग अपने साथ जन सहयोगिता निश्चित करें। निवेश एवं रोजगार पर आधारित संगोष्ठियां, उद्यमी सम्मेलन आदि कार्यक्रम करना सुनिश्चित करें। समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, डिजिटल उत्तर प्रदेश साइबर सुरक्षा व उन्नत प्राकृतिक कृषि विषयों पर प्रदर्शनी का आयोजन साथ ही विभिन्न लाभार्थी परक योजना संबंधी विभाग अपनी अपनी योजनाओं के सफल लाभार्थियों तथा विशिष्ट प्रतिभाओं की सक्सेज कहानी को भी फोटो, फिल्म, ब्रोशर के माध्यम से प्रदर्शित करना सुनिश्चित करेंगे। डीएम ने कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग, नगरीय विकास विभाग, ग्राम विकास विभाग, विभिन्न वित्त विकास निगम अन्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण अपने उद्यमियों व्यवसायी व स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनियों का आयोजन करेंगे।

कृषि विभाग से नवीन कृषि तकनीक पर आधारित प्रदर्शनी के अतिरिक्त मिलेट्स मोटे अनाज से बने खाद्य पदार्थों का प्रदर्शन किया जाना सुनिश्चित करेंगे। विभिन्न विभागों द्वारा अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए अपने-अपने विभाग में संचालित योजनाओं एवं परियोजनाओं की प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। बैठक में नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ संजय कुमार खत्री, सतीश पाल, सीडीओ जनार्दन सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट धर्मेंद्र सिंह, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम नोएडा शहर को स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में देश में पहले नंबर पर लाने के लिए कोई कोर कसर छोडऩा नहीं चाहते हैं। इसी उद्देश्य से अब उन्होंने जन सहभागिता तथा जन जागरूकता के लिए विभिन्न सेक्टर में जाकर अभियान चलाने का निर्णय लिया है। शनिवार को नोएडा प्राधिकरण ने अपने क्षेत्र के नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से जन जागरूकता अभियान की शुरूआत की। जिसमें उपस्थित लोगों को स्वच्छता सर्वेक्षण के मापदंड़ों से विभिन्न सेक्टरों के निवासियों को अवगत कराया गया। जागरूकता कार्यक्रम में प्राधिकरण के सीईओ ने विभिन्न सेक्टरों से आए लोगों को बताया कि घर और संस्थान से कूड़े को 5 भागों में सैग्रिगेट करने एवं कूड़ा एकत्रित करने वाली एजेंसी को अलग-अलग डिब्बों में देने के लिए प्रेरित किया। जिसमें कूड़े को पांच भागों यानी गीला कूड़ा, सूख कूड़ा, ई वेस्ट, हैजारडस वेस्ट, सेनिटेशन वेस्ट को लेकर जानकारी दी गई। इस कूड़े को फेंकने के लिए डोर टू डोर कलेक्शन करने वाली गाड़ी में पांच हिस्से बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस बार आरआरआर (रिड्यूस, रियूज, रिसाइकिल) कांसेप्ट के जरिए सूखे और गीले कूड़े के निस्तारण की थीम अपनाई गई है। आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों ने डोट टू डोर गार्बेज कलेक्शन वाहनों का संचालन सुबह और शाम की शिफ्ट करने का सुझाव दिया। जिस पर नोएडा प्राधिकरण द्वारा व्यवसायिक क्षेत्रों में दो शिफ्ट में डोट टू डोर गार्बेज कलेक्शन का आश्वासन दिया गया।

डॉ. लोकेश एम

रामराज्य की प्रेरणा से चला रहे सरकार : केजरीवाल

बोले- कोई भूखा न सोए, गरीब को मुफ्त राशन मिले, जनता को सुरक्षा मुहैया कराने की कोशिश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि रामराज्य से प्रेरणा लेकर सरकार चला रहे हैं। उनकी कोशिश है कि दिल्ली में कोई भूखा न सोए, हर गरीब को मुफ्त राशन और हर नागरिक को सुरक्षा, हर व्यक्ति को 24 घंटे बिजली व पानी और सम्मान मिले। केजरीवाल ने यह बात दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति और भाषा विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय रामलीला के दौरान की। शनिवार को शुरू हुए इस कार्यक्रम का समापन अयोध्या में राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह के साथ होगा।

अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दिल्ली वालों के साथ बैठकर भव्य रामलीला का मंचन देखा। इससे पहले उन्होंने दीप प्रज्वलित कर विधि विधान के साथ रामलीला मंचन की शुरूआत की और भगवान श्रीराम, सीता मैया व लक्ष्मण की आरती कर देश व दिल्ली की समृद्धि, शांति और विकास के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर केजरीवाल ने कहा कि सभी को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन से सीख लेनी चाहिए। अपने माता-पिता का कहना मानना चाहिए और हमेशा सत्य का साथ देना चाहिए। सीएम ने कहा कि सोमवार को अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा है। बहुत सारे लोग चाहकर भी इस दिन अयोध्या नहीं जा पाएंगे।

उन्हें खुशी है कि दिल्ली के लोगों के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार ने भव्य रामलीला का आयोजन किया है। इस मौके पर जब भगवान श्रीराम की भक्ति कर रहे हैं तो हमें उनके जीवन, विचारों और शब्दों से प्रेरणा लेने की जरूरत है। एक तरफ हमें भगवान राम से प्रेरणा लेनी है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम अपने पिताजी की एक आज्ञा पर अपना राजपाठ छोड़कर 14 साल के लिए वनवास चले गए। यह कोई छोटी बात नहीं हैं। वनवास जाने के अगले दिन ही उनका राज्याभिषेक होने वाला था और वो अयोध्या के राजा बनने वाले थे।

शाम के वक्त पिता राजा दशरथ ने भगवान राम को बुलाया। उस दौरान माता कैकेई भी वहीं पर थीं। माता कैकेई ने कहा कि आपके पिताजी का आदेश है, आपको 14 वर्ष के लिए वनवास जाना पड़ेगा। वनवास जाने का आदेश सुनकर भगवान श्रीराम के चेहरे पर जरा सी सिकन तक नहीं आई।

अपने माता-पिता के आदेश को सिर माथे पर रखकर, चेहरे पर मुस्कान लिए भगवान श्रीराम अगले दिन सुबह-सुबह वनवास के लिए निकल गए। केजरीवाल ने कहा कि भगवान राम अयोध्या के शासक थे। उन्होंने जो शासन दिया, उसे पृथ्वी पर एक आदर्श शासन माना जाता है कि अगर शासन हो तो ऐसा हो। रामराज्य की अवधारणा से प्रेरणा लेकर हम अपनी सरकार चलाने की कोशिश कर रहे हैं। रामलीला मंचन के दौरान पूरा ऑडिटोरियम भगवान श्रीराम के जयकारे से राममय हो गया। इस दौरान सीएम ने भी जय श्रीराम के जयकारे के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की और संबोधित किया। रामलीला मंचन के दौरान बीच-बीच में भगवान श्रीराम के जयकारे का जयघोष होता रहा। लोगों ने पूरी रामलीला का आनंद श्रद्धा के साथ लिया। रामलीला का मंचन देने के बाद सीएम ने सुंदरकांड पाठ भी किया।

राजधानी में रामलीला मंचन से पहले प्रभु श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण की आरती करते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल।

पांच लाख दीयों से रोशन होंगे 700 बाजार

नई दिल्ली। अयोध्या में सोमवार को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर दिल्ली के 700 बाजारों में पांच लाख से अधिक दीए जलाए जाएंगे। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने रविवार को बताया कि प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सभी दुकानदार उत्साहित हैं। शहर के हर कोने में उत्साह देखा जा सकता है। सदर बाजार, चांदनी चौक, मालीवाड़ा, किनारी बाजार, करोल बाग, गांधी नगर और टैंक रोड जैसे प्रमुख बाजारों से सामान दूसरे शहरों में भेजा जा रहा है।

राममयी होगी दिल्ली शोभायात्रा, भंडारा आज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली को भी राममयी बनाने की तैयारी कर ली है। इसके लिए 22 को सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में सुंदरकांड, शोभायात्रा, आरती, प्रसाद वितरण समेत कई तरह के आयोजन किए जाएंगे। आम आदमी पार्टी के विधायक दिलीप पांडे ने बताया कि जहां पूरा देश भगवान राम के स्वागत की तैयारी कर रहा है। वहीं दिल्ली वाले भी पीछे नहीं है। वहीं शोभायात्रा के लिए आप ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है।

संक्षिप्त समाचार

श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के उपलक्ष्य में रविवार शाम 4 बजे दिलशाद गार्डन के ए ब्लॉक कॉलोनी के मंदिर से लेकर राधा कृष्ण मंदिर तक रामभक्ति यात्रा निकालकर एकता संदेश दिया गया। इस यात्रा का संयोजन व संचालन दिलशाद गार्डन के एक ब्लॉक के अध्यक्ष जय प्रकाश राय सिंघानी ने किया।

शीतलहरी जारी, न्यूनतम पारा 5 डिग्री से कम रहा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को अधिकतम तापमान 15.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत अधिकतम तापमान से पांच डिग्री कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी के मुताबिक दिल्ली में न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री सेल्सियस और शाम पांच बजकर 30 मिनट पर आर्द्रता 71 प्रतिशत दर्ज की गई रेलवे के अनुसार, कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली 11 रेलगाड़ियां रविवार को चार घंटे की देरी से चल रही हैं। मौसम कार्यालय ने 22 जनवरी को घने कोहरे और ठंड का पूर्वानुमान लगाया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, वायु गुणवत्ता सूचकांक शाम छह बजे 344 दर्ज किया गया जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

पंच प्यारे के नेतृत्व में निकाला नगर कीर्तन

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह साहिब के प्रकाश उत्सव के उपलक्ष्य में रविवार सुबह गुरुद्वारा बेबे नानकी से नगर पंच प्यारे के नेतृत्व में एक विशाल नगर कीर्तन निकाला गया। इस विशाल नगर कीर्तन में जिसमें की मुखिया प्रीतपाल सिंह चावला, हरजीत बजाज, करण, जस्सी, हरमिंदर सिंह आदि सभी के सभी संगत और लंगर में शामिल हुए सभी आए हुए लोगों का स्वागत भी किया गया, जिसमें गुरु ग्रंथ साहिब सर्व धर्म सेवा समिति के सदस्य भी शामिल थे। गोबिंद साहिब ने अपने पूरे परिवार का बलिदान दिया देश और अन्य धर्मों को बचाने के लिए हंसते-हंसते कर दिया था। नगर कीर्तन में शामिल हुए गडमान्य लोगों ने सभी को गुरु जी के बताए हुए मार्गों पर चलने का आवाहन किया।

दो करोड़ की अवैध आयातित सिगरेट जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली में सीमा शुल्क अधिकारियों ने दो करोड़ रुपये मूल्य की अवैध रूप से आयातित 12.22 लाख विदेशी सिगरेट जब्त की हैं। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, दिल्ली सीमा शुल्क निवारक ने जब्ती के बाद 20-21 जनवरी को विदेशी सिगरेट को अवैध रूप आयातातस्करी और कब्जे में रखने का मामला दर्ज किया। दिल्ली-06 में नयाबांस के कटरा बैरियान इलाके में दो दुकानों और तीन गोदामों पर छापेमारी की गई थी। बयान के अनुसार ईएसएसई, मोंड, डनहिल, डेविडॉफ, गुडांग गरम, प्लैटिनम सेवन आदि ब्रांड की कुल 12.22 लाख सिगरेट जब्त की गईं।

महिला से मोबाइल छीनने वाले दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के शाहदरा इलाके के दुर्गापुरी में एक महिला से मार पीट कर उसका मोबाइल छीनने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने दो लुटेरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने अधिकारी ने बताया कि आरोपियों में से एक डकैती और चोरी समेत 28 विभिन्न आपराधिक वारदात में शामिल रहा है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सैफ अली (28) और सलमान (25) के रूप में हुई है। पेशे से मेकअप आर्टिस्ट महिला ने पुलिस को बताया कि घटना रविवार को उस समय हुई, जब वह दुर्गापुरी चौक के पास अपना काम खत्म करने के बाद अपने परिवार के लोगों के साथ बात कर रही थी।पुलिस उपायुक्त (डीसीपी), शाहदरा, सुरेंद्र चौधरी ने बताया आरोपी सैफ अली पहले से 28 मामलों में शामिल है। एक अन्य आरोपी सलमान पहले भी चोरी के एक मामले में शामिल था।

राम मंदिर के साथ सेल्फी का क्रेज

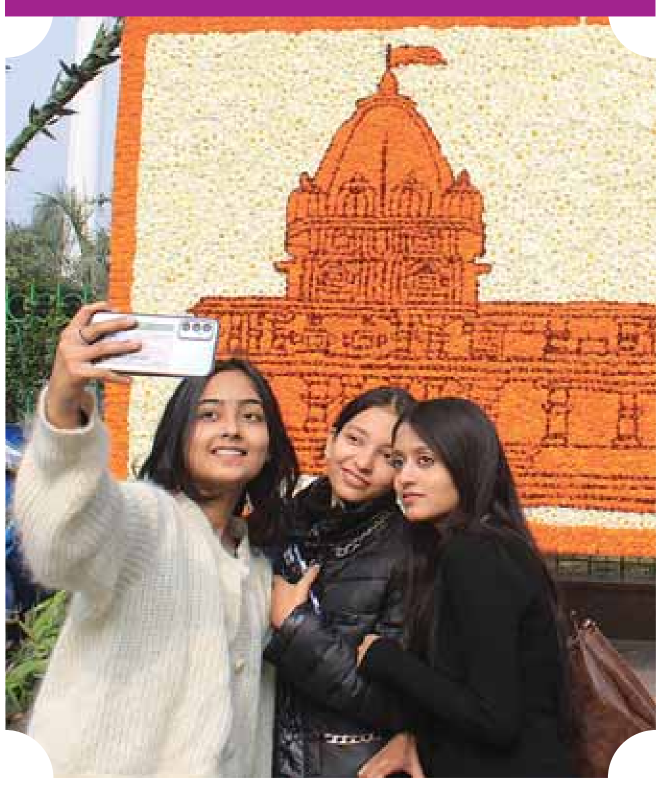

रविवार को नई दिल्ली के चांदनी चौक में श्री राम जन्मभूमि मंदिर प्रतिष्ठा समारोह से पहले महिलाओं ने कलश यात्रा में हिस्सा लिया। फोटो: रंजन डिमरी

खड़गे 3 को करेंगे लोस चुनाव अभियान का आगाज

- अरविंदर लवली ने गीता कॉलोनी में कांग्रेस की रैली का किया ऐलान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस की दिल्ली इकाई आगामी लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले राष्ट्रीय राजधानी के मतदाताओं को लुभाने के लिए तीन फरवरी को गीता कालोनी के रामलीला मैदान में एक रैली आयोजित करेगी। रैली में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे।

कांग्रेस की दिल्ली इकाई के प्रमुख अरविंदर सिंह लवली ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में उक्त जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी तीन फरवरी को गीता कॉलोनी के निकट रामलीला मैदान में एक रैली आयोजित करेगी। जहां राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पोलिंग बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से लेकर वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता सम्मिलित होंगे। इस मौके पर लवली ने दिल्ली के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को रैली की तैयारी करने और इसमें शामिल होने के लिए आह्वान किया ।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीट पर हार का सामना करना पड़ेगा। आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस, दोनों विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के साझेदार हैं और वे दिल्ली सहित अन्य राज्यों के लिए सीट बंटवारे पर बातचीत कर रहे हैं।

मानदेय में देरी से अल्पसंख्यक शोधार्थियों का भविष्य अधर में

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के पीएचडी शोधार्थी जुनैद (बदला हुआ नाम) को अपने घर का किराया चुकाने के लिए अपनी पत्नी के सोने के गहने बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि मौलाना आजाद राष्ट्रीय फैलोशिप (एमएएनएफ) के तहत मिलना वाला उनका मानदेय एक वर्ष से अधिक समय से लंबित है, जिसकी वजह से वह कर्ज के चंगुल में फंस चुके हैं।

जुनैद उन 103 शोधार्थियों में से एक हैं, जो अल्पसंख्यक विद्यार्थियों के लिए एमएएनएफ के फेलोशिप अनुदान के तहत राष्ट्रीय राजधानी के विश्वविद्यालयों में शोध कर रहे हैं।

मानदेय के भुगतान में विलंब के कारण इनमें से कई विद्यार्थियों को अपने मासिक खर्चों को पूरा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एमएएनएफ के अंतिम बैच (2022-27) के लाभार्थी अब्दुल नासिर दिल्ली उच्च न्यायालय में मुकदमा जीतने के बाद भी मानदेय के अनियमित भुगतान की परेशानी से जूझ रहे हैं। अपने किसान परिवार के पहले शोधार्थी नासिर ने एक ऐसे उम्मीदवार को फेलोशिप देने के मामले में अदालत का रुख किया था।

राजधानी में शस्त्र लाइसेंस लेना होगा आसान

- उपराज्यपाल ने कहा, दिल्ली पुलिस प्रख्यात निशानेबाजों को शस्त्र लाइसेंस जारी करें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी में लाइसेंसिंग प्रक्रिया को तर्कसंगत और आसान बनाने के उपराज्यपाल के निर्णायक प्रयास के बाद दिल्ली पुलिस ने हथियार लाइसेंस देने में बड़ा सुधार किया गया है। वहीं उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया है कि वह प्रख्यात निशानेबाजों को केवल दिल्ली के बजाय अखिल भारतीय स्तर पर वैधता वाले नए शस्त्र लाइसेंस जारी करे। राजनिवास के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह निर्देश इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए दिया गया है कि निशानेबाजों को विभिन्न खेल आयोजनों में हिस्सा लेने के लिए अक्सर देशभर में यात्रा करनी होती है। उन्होंने बताया कि उनके कारतूस खरीदने का कोटा भी सालाना 20 से बढ़ाकर 10,000 कर दिया गया है। अब खिलाड़ी एक बार में 10 के बजाय 1,000 कारतूस खरीद सकेंगे। एक अधिकारी ने कहा, उपराज्यपाल द्वारा लाइसेंसिंग प्रक्रिया को तर्कसंगत और आसान बनाने के निर्णायक प्रयास के बाद दिल्ली पुलिस ने हथियार लाइसेंस देने में बड़ा सुधार किया है जिसपर अब तक पक्षपात, भ्रष्टाचार और मनमानी के आरोप लगते थे। इस फैसले से आवेदकों को राहत मिलेगी खासतौर पर निशानेबाजी के खेल वाले खिलाड़ियों को।

लंबित आवेदनों के शीघ्र निपटान के अलावा यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि नए आवेदनों का निपटारा एक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से समयबद्ध तरीके से किया जाए, जिसे इस उद्देश्य के लिए विशेष रूप से संशोधित किया जाएगा। उपराज्यपाल ने हथियार लाइसेंस के नवीनीकरण को तर्कसंगत बनाने का भी निर्देश दिया है। अबतक ऑनलाइन पोर्टल हथियार लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं के लिए कोई समयसीमा निर्धारित नहीं करता था।

प्रदूषण से रोजगार के साथ श्रमिकों का स्वास्थ्य भी दांव पर लगा

- राजधानी में असंगठित क्षेत्र के कामगारों के पर पड़ रही है दोहरी मार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में वायु प्रदूषण के बढ़ते संकट के बीच असंगठित क्षेत्र के श्रमिक नौकरी छूटने और स्वास्थ्य संबंधी खतरों से जूझ रहे हैं। बक्करवाला लैंडफिल साइट (कचरा एकत्र किए जाने का स्थान) के निकट रहनी वाली 55 वर्षीय निर्माण श्रमिक सरोज दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण संकट के बीच असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के समक्ष आने वाले चुनौतियों का सामना कर रही हैं।

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए लगातार निर्माण प्रतिबंधों के मद्देनजर, सरोज को पिछले तीन महीनों से समय-समय पर बेरोजगार रहना पड़ा और गुजारा करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। उनके जैसे लोगों के लिए आय का प्राथमिक स्रोत निर्माण कार्य है और काम बंद होना उनके लिए एक गंभीर वित्तीय झटका है।

उन्होंने कहा, अक्टूबर (दिवाली) के बाद से कोई स्थिर निर्माण कार्य नहीं हुआ है और हम तीन महीने से घर पर बैठे हैं। ठेकेदार ने हमें सूचित किया है कि वायु प्रदूषण की स्थिति में सुधार होने पर कुछ महीनों में काम फिर से शुरू होगा। प्रदूषण के बावजूद निर्माण उद्योग में काम करना इन श्रमिकों के लिए एक मजबूरी बन गई है, जिससे उन्हें गंभीर स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है। प्रदूषण के लगातार संपर्क में रहने के कारण स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बारे में बताते हुए सरोज ने कहा, निर्माण स्थलों के निकट रहने और काम करने वाले लोगों में बुखार, खांसी, सर्दी और पेट की समस्याएं बहुत आम बात हैं। दिल्ली में 2023 में वायु गुणवत्ता के मामले में दिसंबर का महीना सबसे खराब दर्ज किया गया। इस महीने के लिए शहर का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 348 था, जो 2018 के बाद से सबसे अधिक है। वर्ष 2018 में यह 360 तक पहुंच गया था।

हेल्प दिल्ली ब्रीथ और महिला हाउसिंग ट्रस्ट द्वारा हाल में किए गए एक सर्वेक्षण से पता चला है कि सरोज जैसी असंगठित क्षेत्र की श्रमिकों और विशेष रूप से दिल्ली में लैंडफिल साइट के निकट रहने वाले श्रमिकों को प्रदूषण के प्रतिकूल प्रभावों का खामियाजा भुगतना पड़ता है। इन श्रमिकों को विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। जबरदस्त ठंड, वायु प्रदूषण, भीषण गर्मी, हरित स्थानों की कमी, अपशिष्ट जलाना और खुली जल निकासी जैसे मुद्दों के कारण असंगठित क्षेत्र की आजीविका प्रभावित होती है। सर्वेक्षण में शामिल लगभग 42 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि सरकार को नौकरियों के संरक्षण की अनिवार्यता पर जोर देते हुए प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों को बंद करने से बचना चाहिए। सर्वेक्षण में बक्करवाला, गोकुलपुरी, सावदा घेवरा, नंद नगरी और भलस्वा में असंगठित क्षेत्र के 590 श्रमिकों को शामिल किया गया।

सर्वेक्षण में शामिल विभिन्न बस्तियों के निवासियों में निर्माण श्रमिकों की संख्या 46.6 प्रतिशत थी, इसके बाद कचरा बीनने वाले 10.2 प्रतिशत और रेहड़ी-पटरी वाले 6.9 प्रतिशत थे। निर्माण स्थलों के बंद होने से न केवल नौकरियां चली गईं, बल्कि इन श्रमिकों के लिए अनिश्चितता का माहौल भी पैदा हो गया।सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 91 प्रतिशत लोगों ने खराब वायु गुणवत्ता के कारण बीमार पड़ने के बारे में जानकारी दी।

हेल्प दिल्ली ब्रीथ से जुड़ी गुरप्रिया सिंह ने कहा, दिल्ली में उच्च वायु प्रदूषण के दौरान निर्माण गतिविधियां रोक दी जाती हैं, इसलिए यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि यह असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की पहले से ही अनिश्चित आजीविका और वित्तीय सुरक्षा को कैसे प्रभावित करता है। महिला हाउसिंग ट्रस्ट की निदेशक बीजल ब्रह्मभट्ट ने दिल्ली के वायु प्रदूषण के कारण असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के सामने आने वाली गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों को रेखांकित किया। ब्रह्मभट्ट ने कहा, भलस्वा जैसी बस्तियों में कचरा बीनने वाले अतिरिक्त स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिनमें दूषित पानी, कचरा जलाने से निकलने वाला जहरीला धुआं और पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के बिना जहरीले कचरे से निपटना शामिल है।

दिल्ली पुलिस का रश्मिका मंदाना ने आभार जताया

- डीपफेक वीडियो बनाने वाले को एक दिन पहले किया था गिरफ्तार

पीएनएस। नई दिल्ली/हैदराबाद

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने उनका डीपफेक वीडियो बनाने वाले व्यक्ति की गिरफ्तारी पर दिल्ली पुलिस का आभार जताया है। पुलिस ने अभिनेत्री के डीपफेक वीडियो के सिलसिले में आंध्र प्रदेश से एक बी-टेक स्नातक को गिरफ्तार किया था। मंदाना का यह वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ था।

आरोपी की पहचान आंध्र प्रदेश के गुंटूर के रहने वाले 23 वर्षीय ईमानी नवीन के रूप में हुई, जिसने ब्रिटिश-भारतीय सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर जारा पटेल के वीडियो पर कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग कर मंदाना का चेहरा लगाया था। रश्मिका ने शनिवार को एक्स पर दिल्ली पुलिस की साइबर अपराध इकाई को टैग करते हुए यह पोस्ट लिखा। अभिनेत्री ने लिखा, डीसीपी आईएफएसओ (इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस) का हार्दिक आभार। आरोपी को पकड़ने के लिए धन्यवाद। अपना प्यार, समर्थन देने और मेरा बचाव करने के लिए वास्तव में सभी की आभारी महसूस कर रही हूं। मंदाना ने अपने पोस्ट में कहा, लड़कियों और लड़कों अगर आपकी सहमति के बिना कहीं भी आपकी तस्वीर का उपयोग होता है।

भारत-पाक के बीच जंग लड़ने वाले सूबेदार पूर्णमल ने डेरा से जुड़कर लोगों की बुराइयां भी छुड़ाई

वर्ष 1992 में पूज्य गुरुजी से ली थी नाम की दीक्षा

संजय कुमार मेहरा। नूंह/गुरुग्राम

सूबेदार (रिटायर्ड) पूर्णमल।

वर्षों तक देश की सेवा में बॉर्डर पर तैनात रहे भारतीय सेना के सूबेदार पूर्णमल सेवानिवृत होकर समाजसेवा में भी उसी तरह से सक्रिय रहे। डेरा सच्चा सौदा से जुड़कर, डेरा प्रेमी रोशन लाल इंसा के साथ उन्होंने ऐसे लोगों का जीवन संवारने का काम किया, जो या तो नशों की लत के शिकार थे या फिर अन्य बुराइयों में डूबे थे।

इन सब कार्यों को करते-करते रिटायर्ड सूबेदार पूर्णमल अब अपनी सांसारिक यात्रा पूरी करके मालिक के चरणों में जा विराजे हैं। सेना में रहते हुए उन्होंने 1971 में भारत-पाकिस्तान के बीच हुई जंग में जांबाजी दिखाई थी। गांव मालब निवासी 85 मेंबर नरेंद्र इंसा ने बताया कि उनके पिता श्री पूर्णमल ने भारतीय सेना में शामिल होकर देश की सेवा की। सूबेदार (एएमसी) के पद से वे सेवानिवृत हुए। वर्ष 1992 में उन्होंने डेरा सच्चा सौदा के गद्दीनशीन पूज्य गुरुजी संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इंसा से नाम की दीक्षा ली। सेवा के जुनून के चलते वे सदा ऐसे लोगों को डेरे की दहलीज तक लाते रहे, जो या तो नशों की लत के शिकार थे या अन्य बुराइयां के चंगुल में थे। एक-एक करके उन्होंने करीब 5000 लोगों को डेरा सच्चा सौदा ले जाकर पूज्य गुरुजी से नाम की दीक्षा दिलाई और उनकी जीवन संवारा। इतनी बड़ी संख्या में नशे व अन्य बुराइयां छुड़वाकर श्री पूर्णमल मानवता की सच्ची सेवा के वाहक बनें। मेवात व इसके साथ लगते राजस्थान के क्षेत्रों से भी वे लोगों को डेरा सच्चा सौदा लेकर जाते थे।

बीती 18 जनवरी 2024 को उन्होंने अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण की और मालिक की गोद में जा विराजे। उनके जीवन के किस्से अब कहानियां बनकर भावी पीढ़ियों को सुनाए जाएंगे। सेना में रहकर भी देश सेवा, सेना से आकर जनसेवा उनकी प्राथमिकताओं में रहा। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। हर कोई उनकी शौर्यता को याद कर रहा है। साथ ही समाजसेवा में उनके कार्यों की सराहना कर रहा है।

माता सीता के लिए गुरुग्राम से लखेरा समाज ने अयोध्या भेजा सुहाग चूड़ा

गुरुग्राम में माता सीता के लिए निकाली भव्य यात्रा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास पदाधिकारी को सुहाग चूड़ा सौपते हुए लखेरा समाज।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर गुरुग्राम के बादशाहपुर क्षेत्र से सीता माता के लिए सुहाग चूड़ा और श्रृंगार का सामान श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास पदाधिकारी को सौंपा गया। अखिल भारतीय लखेरा समाज की तरफ से माता सीता को सुहाग चूड़ा व श्रृंगार अर्पण किया गया।

लखेरा समाज के लोगों ने माता सीता के लिए जयपुर से तैयार कराए गये लाख का सुहाग चूड़ा सिर पर रखकर फूल इत्यादि से सजाकर क्षेत्र का भ्रमण कराया गया। माता सीता और भगवान श्रीराम के नारे लगाते हुए भव्य झांकी निकाली गई। जिसके बाद कस्बे के गोविन्द मन्दिर में इस यात्रा का समापन कर सुहाग चूड़ा एवं श्रृंगार का सामान श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास पदाधिकारियों को सौंपा। पदाधिकारियों द्वारा अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में यह श्रृंगार शामिल किया जाएगा।

लखेरा सेवा संगठन के पदाधिकारी नरेश चौहान, संतलाल गहलोत, राजबीर हरसरू, अजय राठौर, कृष्ण सिलानी समेत अनेक लोग, महिलाएं, बच्चे इस कार्यक्रम का हिस्सा बने। माता सीता और भगवान श्रीराम के नारों से पूरा क्षेत्र राममय हो गया। क्षेत्र के लखेरा समाज के लोगों ने बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ माता सीता के लिए यह लाख का सुहाग चूड़ा व श्रृंगार का सामान तैयार किया है। लखेरा समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि भगवान श्रीराम हमे अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है कि शुक्ल पौष द्वादशी को आप अपने नवनिर्मित भव्य भवन में प्रवेश कर रहे हैं। इस अवसर पर शिक्षाविद् डॉक्टर अशोक दिवाकर एवं संतलाल ने कहा कि सृष्टि के निर्माण से ही लखेरा समाज की उत्पत्ति हुई है, जिन्होंने माता पार्वती को भी उनकी शादी मे लखेरा समाज ने ही चूड़ी पहनाई थी।

देश मे सुहाग चूड़ी पहनाने का कार्य हिन्दू लखेरा समाज का कार्य है। जिसको ध्यान में रखते समस्त भारत देश के लखेरा समाज की तरफ से लखेरा सेवा संगठन द्वारा सुहाग चुड़ा एव श्रृंगार का सामान अयोध्या भेजा गया है। इस मौके पर प्रांत सेवा प्रमुख हरीश कुमार, मास्टर रतिराम, जगदीश ग्रोवर, सुभाष बोकन, कारसेवक ऋषि त्यागी, सेठ तरुण मंगला, विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री यशवंत शेखावत, राम भारद्वाज, सुरेंद्र तंवर, गगन, समाजसेवी पवन मलिक, पूर्व ब्लॉक समिति सदस्य जग्गी यादव, भाजपा नेता प्रवीण त्यागी, अनिल कश्यप, राजेन्द्र खांडसा, सुनील लछमन विहार, गौरव मानेसर, मुकेश राठौर, अनिल राठौर, धर्मबीर राठीवास मौजूद रहे।

विधायक सुधीर सिंगला ने राम मंदिर की कलाकृति में भरे रंग

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के राजीव चौक पर राम मंदिर की कलाकृति में रंग भरते विधायक सुधीर सिंगला।

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने यहां राजीव चौक पर बनाई जा रही राम मंदिर की कलाकृति में कूची से रंग भरकर सभी को राम मंदिर में राम लला प्राण प्रतिष्ठा की बधाई दी। उन्होंने जीएमडीए द्वारा कराए जा रहे इस कार्य को भी सराहा।

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि आज पूरा देश राममय है। कोई रंगों की कला से तो कोई गायन कला से, कोई रेत-मिट्टी से तो कोई अपने दिल की भावनाओं से भगवान राम की स्तुति कर रहा है। भगवान राम का स्मरण कर रहा है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम में जीएमडीए की ओर से भगवान राम को समर्पित जो पेंटिंग बनवाई हैं, वह काबिले तारीफ है। सार्वजनिक स्थलों पर बनाई गई पेंटिंग हर किसी के दिल में धार्मिक भावना उत्पन्न करेगी। उन्होंने कहा कि रंगों की भी अपनी एक भाषा होती है। वे इंसान की तरह बोल नहीं सकते, लेकिन बहुत कुछ समझा देते हैं। एक कलाकार अपनी कूची से जीवंत चित्र बनाता है। यहां बनाई गई राम मंदिर की कलाकृति भी जीवंत रूप की तरह ही है। बहुत ही बारीकी से इस पर काम किया गया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भी अनेक कलाकार अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। कोई पानी में पेंटिंग बना रहा है तो कोई पानी के बाहर पेंटिंग बनाकर भगवान राम के जीवन का चित्रण कर रहा है। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि जिस राम मंदिर का हमें करीब 500 साल से इंतजार था, आज वह इंतजार खत्म हो रहा है। हमारे और राम लला के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बीच सब बाधाएं दूर हो चुकी हैं। भव्य मंदिर बनकर तैयार है। राम लला विधि विधान के साथ सोमवार को मंदिर में प्रतिष्ठित हो जाएंगे।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या से ही दीयों से जगमग हुआ गुरुग्राम

घरों में परिवारों ने एकत्रित होकर जलाए दीये

हर घर में मनाई जा रही हैं खुशियां

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

राम लला प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर घर में दीये जलाते एक परिसर के सदस्य।

अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर ही द्रोण नगरी गुरुग्राम में दीये जलाकर खुशियां मनाई गई। लोगों ने तैयारी तो 22 जनवरी की रात को दीवाली मनाने की तैयारी की है, लेकिन काफी घरों में लोगों ने 21 जनवरी की रात को भी दीये जलाकर राम लला के आगमन का स्वागत किया। अशोक विहार फेज-3 निवासी विनय कुमार, पत्नी पूनम, बेटे निखिल और मितांश ने मिलकर दीयों से थाल सजाया। उसके साथ सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर शेयर करके लोगों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही भगवान राम और मंदिर की तस्वीर छपा विशाल ध्वज भी घर पर लगाया। उन्होंने कहा कि इस दिन का वर्षों से इंतजार था, जो खत्म हो गया है।

सत्यम और कुसुम ने कहा कि भगवान राम का अपने घर में शुभ आगमन हो रहा है। यह देश के हर हिन्दू के लिए खुशी की बात है। इस खुशी में घर भी सजाया है और दीये भी जलाएंगे। प्रभु श्री राम का अपने मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा होना इतिहास बना है। हम किस्मत वाले हैं कि इस दिन को देख पा रहे हैं। कई पीढ़ियां इस दिन का इंतजार करके बीत चुकी हैं।

अंकुश और सुनीता ने कहा कि भगवान राम का मंदिर बनकर उसमें राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में दीवाली मनाएंगे। घर में दीवाली मनाने की तैयारी की गई है। बच्चों में भी खुशी है। बच्चे तो भगवान राम के गीतों पर नाचते-गाते रहते हैं। हम सबके लिए यह खुशी का दिन आया है। इस खुशी को, इस दिन दीवाली मिलकर मनाएंगे। इसी तरह अन्य लोगों ने भी अपने घरों में दीये जलाकर, लड़ियां लगाकर भगवान राम का स्वागत किया।

करीब 500 साल के बाद अयोध्या में बने राम मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की तारीख तय होने के बाद से ही देशवासियों में खुशी का माहौल रहा। निर्धारित की गई 22 तारीख का बेसब्री से इंतजार था। हर उम्र के लोगों ने राम लला के आगमन पर खुशी मनाने की अपने हिसाब से तैयारी की। किसी ने अपने घर पर ध्वज लगाया तो किसी ने दीये जलाकर दीवाली मनाने की शुरुआत की।

गांवों में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकाली गईं शोभायात्रा

रविवार को भोंडसी में मंदिर का उद्घाटन करते हुए विधायक संजय सिंह।

सोहना। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर एक दिन पहले ग्रामीण क्षेत्र के कई गांवों में धूमधाम रही। गांवों में रैलियां, कलश यात्रा और झांकियां निकाली गई। सोहना विधायक संजय सिंह ने भोंडसी की मारुति कुंज कॉलोनी में मंदिर का उद्घाटन किया।

सोमवार को अयोध्या में होने वाले राम मंदिर में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा से एक दिन पहले गांव में भगवान राम के नाम पर झांकियां निकाली गई। घामडौज, भोंडसी समेत अन्य गांवों में कलैश यात्रा निकाली गई। घामडौज में निकाली कलैश यात्रा में 250 से 300 महिलाओं ने भाग लिया। भगवान राम के प्रतिमा के साथ निकाली झांकी। वैसे ही भोंडसी गांवों में भी शौभा यात्रा निकाली गई। जिसमें सैंकडों की संख्या में लोगों ने भाग लिया। राम के नाम का जयंती घोष किया गया।

विधायक ने किया उद्घाटन : सोहना विधायक संजय सिंह ने भोंडसी में बना भगवान राम के मंदिर का रिबन काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर मौजूद जनसमूह ने भगवान राम के नाम पर नारे लगाएं गए। मंदिर स्थापित भगवान की प्रतिमाओं समक्ष मत्था टेकर पूजा की ।

ब्रिक्स-सीसीआई वार्षिक मान्यता पुरस्कार 2024 (बीएआरए) का हुआ सफलतापूर्वक आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, इंडिया चैप्टर ने शुक्रवार, 19 जनवरी को ले मेरिडियन होटल , नई दिल्ली में ब्रिक्स-सीसीआई वार्षिक मान्यता पुरस्कार 2024 (बीएआरए) की सफलतापूर्वक मेजबानी की। बीएआरए, ब्रिक्स ब्लॉक की ताकत का प्रतिनिधित्व करता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने उद्घाटन समारोह अवसर में मुख्य अतिथि के रूप में शोभा बढ़ाया, उन्होंने व्यावहारिक दृष्टिकोण साझा किया, और ब्रिक्स ब्लॉक के विस्तार के लिए सामूहिक दृष्टिकोण के साथ एक सतत भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता को उजागर किया। रामनाथ कोविंद (भारत के 14 वें राष्ट्रपति) ने कहा कि, आज प्रस्तुत किए जा रहे बी.ए.आर.ए पुरस्कार न केवल उत्कृष्टता को दर्शाते हैं बल्कि उत्तरदायी व्यावसायिक को भी पहचानते हैं। यह दृष्टिकोण सतत विकास और भविष्य की पीढ़ियों की भलाई के अनुरूप है।

समारोह ने एक दूरंदेशी परिप्रेक्ष्य को अपनाया जिसमें शानदार खादी शो के बाद, विकसित जीवन शैली और बाजरा को अपनाने पर प्रकाश डाला गया। यह सतत विकास की दिशा में एक ईमानदार प्रगति का प्रतीक है जिसमें परंपरा और नवाचार भी शामिल हैं। पुरस्कार समारोह के मुख्य अतिथि थे राज्य सभा के पूर्व सदस्य, महाराजा डॉ कर्ण सिंह। सांस्कृतिक विरासत और राजनेता के रूप में, डॉ. सिंह ने न केवल इस कार्यक्रम को सांस्कृतिक और ऐतिहासिक प्रतिध्वनि से समृद्ध किया, बल्कि एक स्थायी और परस्पर जुड़े भविष्य के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता के साथ इस अवसर पर चार चांद लगाए। इस समारोह में सुश्री स्वेतलाना लुकाश, जी 20 रूस शेरपा और विभिन्न देशों के राजदूतों की भागीदारी की मेजबानी की गई, जिससे इस आयोजन की वैश्विक अपील बढ़ गई।

ब्रिक्स राष्ट्रों के बारे में लुकाश ने उल्लेख किया कि ब्रिक्स राष्ट्र अपनी नीतियों में सामाजिक जिम्मेदारी को शामिल करके, जिम्मेदार व्यावसायिक प्रथाओं को बढ़ावा देने और सामाजिक और पर्यावरणीय भलाई को बढ़ावा देने वाली पहलों का समर्थन करके एक उदाहरण स्थापित कर सकते हैं। इस कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण थी, आदित्य बिड़ला सेंटर फॉर कम्युनिटी इनिशिएटिव्स एंड रूरल डेवलपमेंट की चेयरपर्सन और व्यापार में दिग्गज श्रीमती राजश्री बिड़ला, जिन्हें बी.ए.आर.ए. में लिविंग लीजेंड अवार्ड से सम्मानित किया।

पीएम मोदी के नेतृत्व में लहरा रहा संस्कृति व राष्ट्रवाद का परचम : कमल यादव

भाजपा जिला अध्यक्ष कमल यादव का गांव चक्करपुर में हुआ भव्य स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के चकरपुर गांव में भाजपा जिला अध्यक्ष का स्वागत करते ग्रामीण।

भाजपा जिला अध्यक्ष कमल यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा देश में सांस्कृतिक और राष्ट्रवाद रूपी अलख जगाने का ही नतीजा है कि भारतीय राजनीति की दशा और दिशा बदल गई है। धर्मनिरपेक्षता की आड़ में जो नेता भगवान राम का नाम लेने से कतराते थे वे अब मंदिरों की घंटिया बजाने लगे हैं। वे रविवार को गांव चक्करपुर ग्रामवासियों द्वारा आयोजित स्वागत समारोह को में बोल रहे थे। अपने स्वागत से अभिभूत कमल यादव ने कहा कि यह स्वागत सभी गुरुग्राम वासियों का स्वागत है।

कमल यादव ने कहा कि डबल इंजन की सरकार बिना भेदभाव के विकास कार्य करा रही है। इन 10 वर्षों में देश और प्रदेश का इंफ्रास्क्ट्रक्चर मजबूत हुआ है। अगर गुरुग्राम की बात करें तो ये 10 वर्ष गुरुग्राम के लिए स्वार्णिम रहे हैं। कमल यादव ने कहा कि अयोध्या में राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर बनाने की लड़ाई 1528 से शुरू हुई थी और 500 वर्ष बाद 2024 में गौरवशाली पल आए हैं। गौरवशाली पलों की साक्षी हमारी यह पीढ़ी बनने जा रही है। उन्होंने समस्त जिलावासियों से सोमवार को राम ज्योति प्रज्जवलित करने का भी आह्वान किया। विधायक सुधीर सिंगला और प्रदेश उपाध्यक्ष जीएल शर्मा ने कहा कि देशभर में राम जन्म भूमि को समर्पित सेवा भाव का माहौल बना हुआ है। घर-घर निमंत्रण के पीले चावल पहुंच रहे हैं।

अपने घरों, मंदिरों और धार्मिक स्थलों की सफाई के लिए अभियान चला हुआ है। इस मौके महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुकेश शर्मा, जिला महामंत्री महेश यादव, जिला मीडिया प्रमुख अजीत यादव, प्रवेश यादव, युवा मोर्चा से पंकज यादव समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजीव गांधी कैंसर संस्थान ने मुरादाबाद में कैंसर उपचार के क्षेत्र में स्थापित किए नए मानक

पायनियर समाचार सेवा। मुरादाबाद

छोटे शहरों में कैंसर के खिलाफ लड़ाई की चुनौतियों से जूझने से लेकर कैंसर के निदान के मामले में हुई तकनीकी प्रगति के साथ-साथ विशेषज्ञों ने कैंसर उपचार में अत्याधुनिक नवाचारों के कारण मरीजों के जीवन गुणवत्ता में आए सुधारों को रेखांकित किया

मुरादाबाद, 21 जनवरी- राजीव गाँधी कैंसर संस्थान एवं रिसर्च केंद्र (आरजीसीआईआरसी) अत्याधुनिक तकनीकों के जरिए कैंसर की जल्द पहचान, निदान, एकदम सटीक देखभाल और कैंसर के इलाज में होने वाले दुष्प्रभावों (साइड इफेक्ट्स) को न्यूनतम करते हुए कैंसर निदान एवं उपचार के क्षेत्र में क्रांति का नेतृत्व कर रहा है। इस प्रयोजन हेतु राजीव गाँधी कैंसर संस्थान द्वारा भारतीय चिकित्सा संघ (इंडियन मेडिकल एसोसिएशन - आईएमए) मुरादाबाद के संग सतत चिकित्सा शिक्षा (कॉटीन्यूड मेडिकल एडुकेशन अथवा सीएमई) के अंतर्गत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कैंसर निदान और इलाज को प्रभावित करने वाले अतिमहत्वपूर्ण मुद्दों पर बात करने के लिए यह कार्यक्रम विशेषज्ञों के लिए विशेष मंच साबित हुआ। उन्होंने कैंसर निदान और उपचार पर असर डाल रही चुनौतियों और कैंसर-विज्ञान (ऑन्कॉलजी) में आधुनिकतम तकनीक की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में मुरादाबाद और राज्य के आसपास के क्षेत्रों के चिकित्सा जगत से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लिया। छोटे शहरों में मरीजों को उपलब्ध कम जानकारी और कैंसर शब्द से जुड़ी सामाजिक जटिलताएंजैसी बड़ी चुनौतियों को रेखांकित करने वाले अपने भाषण में आरजीसीआईआरसी में वरिष्ठ सलाहकार एवं इकाई प्रमुख (सीनियर कंसलटेंट एंड यूनिट हैड) डॉ रजत साहा ने कहा कि इन मुद्दों को जल्द से जल्द सुलझाने की आवश्यकता है।

इन क्षेत्रों में मरीज अक्सर कैंसर के शुरूआती चरणों के बारे में अवगत नहीं हैं, और इसी वजह से वो लक्षणों को गंभीरता से नहीं लेते। लेकिन पिछले कई सालों में कैंसर के निदान को लेकर अच्छी-खासी प्रगति हुई है। अब तो उच्च गुणवत्ता की हेल्थ केयर सुविधाएं छोटे शहरों में भी उपलब्ध हैं। पिछले पांच वर्षों में सरकारी और निजी दोनों तरह के कैंसर अस्पतालों की संख्या काफी बढ़ी है।

वर्ष 2024 में कैंसर का निदान और उपचार कैसे हो विषय पर अपनी बात रखते हुए डॉ साहा ने कहा, छोटे शहरों में भी बायोप्सी सुविधाओं के विस्तार, विशेषज्ञ पैथोलॉजिकल तकनीकों की उपलब्धता और सीटी स्कैन, एमआरआई और पेट स्कैन आदि रेडियोलजी तकनीकों तक पहुंच जैसी प्रगति निश्चित रूप से कैंसर के शुरूआती चरण में ही मरीजों के उपचार में मददगार साबित होगी।

उन्होंने कैंसर के शुरूआती लक्षणों की पहचान में प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों के फिजिशियनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए मरीजों तक आरजीसीआईआरसी के सहायता कार्यक्रमों के प्रभाव पर भी विचार-विमर्श किया। विशेषज्ञों ने मिनिमम इनवेसिव टेक्निक्स, प्रिसिशन सर्जरी और इमेजिंग, मोलेक्यूलर प्रोफाइलिंग और जेनेटिक टेस्टिंग जैसी अत्याधुनिक उपचार तकनीकों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की।

फूलों की मांग बढ़ने के साथ कीमतों में जबरदस्त उछाल

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर मंदिरों में सजावट से पहले फूलों की कीमतों ने लगाई आसमानी छलांग। दो दिन पहले गेंदा के फूलों की कीमतें दो गुणा हुई। गुलाब व अन्य फूलों की कीमतों में भी दो से तीन गुणा उछाल आया है। सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर घरों में बनें पूजा स्थल से लेकर सार्वजनिक स्थानों पर बनें में पूजा अर्चना को लेकर जबरदस्त तैयारियां शुरु हो गई है। रविवार की रात और सोमवार की सुबह से ही मंदिरों में फूलों से सजावट का कार्य होगा। इसके अलावा फूलों पूजा में चढ़ाएं जाने की मांग बढ़ने वाली है। जिससे फूल बेचने वालों ने दो दिन पहले से ही भंडार करना शुरु कर दिया। जिससे फूल की पैदावार करने वाले किसान से लेकर थोक बिक्रेताओं ने कीमतों दो गुणा बढ़ा दी है।

क्या कहते है फूल विक्रेता : शहर में गुरुग्राम-अलवर राष्ट्रीय राजमार्ग से लेकर बाजार में अलग-अलग स्थानों पर बैठें फूल बिक्रेताओं ने दो दिन पहले ही फूलों की भंडार कर लिया है। दुकानदार रवि का कहना है कि रविवार की शाम से उसके पास फूल खरीदने वाले ग्राहकों की संख्या बढ़ जाएगी। अभी तक उसके पास गेंदा का एक क्विंटल फूल है। इतना ही और उसने बुक किया हुआ है। सुमन का कहना है कि दो दिन पहले गेंदा के फूल की कीमत मंडी में 70 से 80 रुपये थी। आज 150 से 160 रुपये में मिल रहा है। उन्होने बताया कि गुलाब का फूल 400 से लेकर 600 रुपये में बेचा जा रहा है।

सोमवार से शादियां शुरू : सोमवार से शादियों की शुरुआत होने जा रही है। शादियों में भी फूलों की मांग होने से किसानों ने भी खेत में ही कीमतों में बढौत्तरी की है। किसान सेवाराम का कहना है कि इस बार फूल की पैदावार सही हुई है। फूल निरोग और सही खिलवाट से पैदा हुआ है। अन्य गुलाब का फूल गुरुग्राम व दिल्ली से खरीदकर लाया गया है।

स्टार्टअप स्टेयर्स ने पांच स्टार्टअप्स में 55 लाख रुपये के निवेश का एलान किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य के अनुरूप स्टार्टअप स्टेयर्स ने गुरुग्राम में अपने इनक्यूबेशन सेंटर में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस का आयोजन किया। इस मौके पर स्टार्टअप स्टेयर्स प्राइवेट लिमिटेड ने स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम के के तहत पांच इनोवेटिव स्टार्टअप कंपनियों में 55 लाख रुपये के निवेश का एलान किया। इस फंडिंग के लिए 58 स्टार्टअप्स ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। चयन की सख्त प्रक्रिया के आधार पर फंड के लिए पांच स्टार्टअप्स को चुना गया।

चयन प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी की गई। इनमें दो चरण वर्चुअल थे और तीसरे चरण में व्यक्तिगत रूप से बैठक की गई। शॉर्टलिस्ट किए गए स्टार्टअप्स ने 16 जनवरी को हुई निर्णायक बैठक के दौरान अपना बिजनेस प्रस्ताव पेश किया। इस दौरान चुनिंदा स्टार्टअप्स के साथ विभिन्न सेक्टर्स के कमेटी मेंबर्स उपस्थित रहे।

इस दौरान स्टार्टअप पिच डेक इवेंट भी आयोजित किया गया। इसमें 15 स्टार्टअप्स ने अपना विजन और अपने विकास की संभावनाओं को प्रस्तुत किया। 25 से ज्यादा स्टार्टअप्स की भागीदारी के साथ यह आयोजन देश के मजबूत इकोसिस्टम को प्रदर्शित कर रहा था।

अपना उत्साह साझा करते हुए स्टार्टअप स्टेयर्स की प्रमोटर प्रीत संधू ने कहा, सख्त मूल्यांकन के बाद छह स्टार्टअप्स को फंडिंग के लिए चुना गया। पांच स्टार्टअप्स को ग्रांट-इन-एड के तहत और एक को कन्वर्टिबल डिबेंचर के तहत फंड दिया जाएगा। इन स्टार्टअप्स में विकास की व्यापक क्षमता है। सफलता के इनके सफर में मदद के लिए स्टार्टअप स्टेयर्स इनमें 55 लाख रुपये का निवेश करेगी। फंडिंग के लिए चुने गए स्टार्टअप्स में एनडीएफएमएस बिजनेस वर्ल्ड प्राइवेट लिमिटेड, नेट जीरो अर्थ सॉल्यूशंस एलएलपी, हनाया एजुकेशनल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, ट्रैक्टोकिंग इम्प्लीमेंट प्राइवेट लिमिटेड और कॉन्स्टेला एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। स्टार्टअप स्टेयर्स ने अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटर, एसजीटी यूनिवर्सिटी के साथ एक एमओयू पर भी हस्ताक्षर किया है। इसके तहत दोनों स्थानों पर इनक्यूबेट किए गए स्टार्टअप्स को मिलकर प्रमोट किया जाएगा।

एसजीटी यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर स्टार्टअप स्टेयर्स ने 1 जनवरी को स्टार्टअप वर्कशॉप आयोजित करने की योजना भी बनाई है। इसमें युवा उद्यमियों को सफलता की राह पर आगे बढ़ने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके साथ-साथ स्टार्टअप स्टेयर्स ने स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम के तहत अन्य स्टार्टअप्स से भी आवेदन मंगाया है।

हथीन क्षेत्र की वर्षों पुरानी सेम की समस्या होगी समाप्त

विधायक डागर ने ढाई करोड़ की लागत से 25 बोरवेल का किया शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

हथीन विधायक प्रवीण डागर ने किसानों की सेम की समस्या के निपटारे के लिए लगभग दो करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत करवाए गए करीब 25 बोरवेलों का गांव बढ़ा में नारियल फोड़कर शुभारंभ किया।

इस दौरान विधायक प्रवीण डागर ने कहा कि इन 25 बोरवेलों के कार्य के पूर्ण होने उपरांत हथीन विधानसभा क्षेत्र में लगभग 150 सेम के बोरवेल कार्य करना शुरू कर देंगे तथा हथीन क्षेत्र के किसानों को सेम की समस्या से निजात मिलेगी। यह 25 बोरवेल गांव बढ़ा, महेशपुर, नगली धामाका, अहरवां, कलसाड़ा, रींढका, गहलब आदि गांवों में लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल व केंद्रीय राज्मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के सहयोग से हथीन क्षेत्र के किसानों के चेहरे खिल उठे है। जहां पिछली सरकारों में हमारा किसान सेम की परेशानी से पीड़ित रहा और हमारे बार-बार कहने पर भी किसानों की अनदेखी की गई। वहीं किसान हितैषी मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने उनके एक आग्रह पर लगभग 35 से 40 करोड़ रुपये इस समस्या को समाप्त करने के लिए हथीन क्षेत्र के लिए मंजूर किए। जिसके परिणाम स्वरूप आज हमारे किसानों के खेतों में फसल हो रही है। उनके द्वारा किसानों से सेम की समस्या को दूर करने का किया गया वादा उन्होंने निभाया है। उन्होंने कहा कि वे इस सेम की समस्या को जड़ से समाप्त करेंगे। हथीन में जहां पर किसानों को सिंचाई का पानी वर्षों से नहीं मिला, वहां पानी की व्यवस्था का कार्य आज पूरा हो रहा है। उन्होंने क्षेत्र के किसानों की तरफ से सीएम मनोहर लाल व केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर का धन्यवाद किया।

इस अवसर पर वेद डागर, महेशपुर सरपंच एडवोकेट सुरेंद्र, जोहरखेडा सरपंच मनोज डागर, जग्गी भुलिया, सतीश डागर, रणबीर ठेकेदार, सिंचाई विभाग के एसडीओ लखन सहित आस-पास के गांवों लोग मौजूद रहे।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया

पलवल। एसबीआई बैंक और जन स्वास्थ्य शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में फ्री शुगर और हीमोग्लोबिन जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 70 लोगों ने अपनी मुफ्त जांच कराकर स्वास्थ्य लाभ पाया। इस अवसर पर रीजनल मैनेजर विनोद कुमार, शाखा प्रबंधक कमल सचदेवा मौजूद रहे।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए और नियमित स्वास्थ्य जांच व व्यायाम द्वारा स्वस्थ रहना चाहिए। इस अवसर पर मौजूद डॉ. प्रशांत गुप्ता संचालक केसी प्रशांत पैथ लैब, जिन्होंने इस कैंप का आयोजन किया था, उन्होंने लोगों को दोनों टेस्ट की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि अगर किसी का शुगर बार-बार ज्यादा आता है तो उसे डायबिटीज नामक रोग की आशंका बन जाती है। इस समय विश्व के डायबिटीज के सबसे ज्यादा मरीज भारत में हैं। इसलिए हमें जरूरत है कि हम एनीमिया और डायबिटीज दोनों के प्रति लोगों को जागरूक करें और ज्यादा से ज्यादा अपने स्वास्थ्य की तरफ ध्यान दें। इस अवसर पर केसी प्रशांत पैथ लैब की तरफ से देवराज, गरिमा, दीपिका, रीत, हर्ष, अंजू और राजू मौजूद रहे।

10 साल बाद भी अधूरा है जिला खेल स्टेडियम का निर्माण

खिलाड़ियों को खेलों की तैयारी में आती है परेशानी

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

10 साल बाद भी जिला पलवल स्टेडियम का निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है। जिसकी वजह से आज भी क्षेत्र के खिलाड़ी दूसरे शहरों में खेलों की तैयारी करने को मजबूर हैं। खिलाड़ियों का कहना है कि यदि इसी प्रकार मंद गति से स्टेडियम का कार्य चलता रहा तो और अगले 10 साल तक भी स्टेडियम नहीं बनेगा। स्टेडियम नहीं बनने से खिलाड़ियों में खेल विभाग के खिलाफ भारी नाराजगी है।

पलवल के खिलाड़ियों को जिले में ही सभी खेलों की तैयारी के लिए जिला स्टेडियम बनाने का ऐलान 2014 में भूपेंद्र हुड्डा के मुख्यमंत्री रहते किया गया था। इसके लिए लगभग 18 करोड़ रुपये की लागत से जिला स्टेडियम पलवल के घुघेरा गांव में बनना था। गांव घुघेरा की पंचायत ने लगभग 18 एकड़ भूमि पर जिला स्टेडियम के लिए रेजुलेशन पास करके भी दे दिया था। जिला स्टेडियम में सभी खेलों के मैदान के अलावा स्टेडियम का भवन भी बनना था। परंतु 10 साल बीत जाने के बाद भी स्टेडियम में अभी तक एक हॉल के सिवा कुछ भी नहीं बना है। पलवल के खिलाड़ियों का कहना है कि जिले के खिलाड़ियों को आशा थी कि 2020 तक स्टेडियम पूरी तरह से तैयार हो जाएगा। जिससे हॉकी, क्रिकेट, वालीबॉल, बास्केटबॉल, फुटबाल, कुश्ती, साइकलिंग, स्केटिंग, तीरंदाजी, निशानेबाजी, हैंडबाल, जिमनास्टिक, बॉक्सिंग, किक बॉक्सिंग, जूडो कराटे, लॉन टेनिस, टेनिस, बैडमिंटन. एथलेटिक्स खेलों के अलावा तैराकी के लिए स्वीमिंग पूल आदि भी होगा। परंतु 2024 आने पर भी आज तक जिला पलवल स्टेडियम में न तो किसी भी खेल का मैदान बना है और न ही कोई खेलों की सुविधा है। आज भी यहां के खिलाड़ी फरीदाबाद, गुरुग्राम, दिल्ली आदि शहरों में खेलों की तैयारी के लिए जाने को मजबूर हैं। खिलाड़ियों का कहना है कि दूसरे शहरों में जाकर तैयारी करने पर काफी खर्च हो जाता हैं। वहींसमय भी बर्बाद होता है। खिलाड़ियों का कहना है कि जिला स्टेडियम को तुरंत ही बनवाया जाए। वहीं यहां पर सभी खेलों की तैयारी के लिए खेल मैदान भी तुरंत तैयार किए जाएं। जिससें क्षेत्र के खिलाड़ियों को तैयारी के लिए दूसरे शहरों को जाने से छुटकारा मिल सके।

इनका कहना

“ 10 साल बाद भी जिला खेल स्टेडियम का निर्माण कार्य पूरा नहीं होना यह साबित करता है कि खेल विभाग खेलों के प्रति जागरूक नहीं है। स्टेडियम नहीं बनने से आज भी खिलाड़ी दूसरे शहरों में खेलों की तैयारी को जाने को मजबूर हैं।

-**खिताब सिंह,** एथलेटिक्स

“ पलवल में स्टेडियम का निर्माण तुरंत करवाया जाए। जिससे खिलाड़ियों को पलवल में ही सभी खेलों की सुविधा मिल सके। उसके बाद यहां के खिलाड़ियों को दूसरे शहरों को जाने से छुटकारा मिलेगा।

-**द्रोण सिंह,** खिलाड़ी

“ खेल स्टेडियम का निर्माण कार्य जल्द ही पूरा करवाया जाएगा। निर्माण पूरा करने के बाद इस को खेल विभाग को सौंपा जाएगा। जिससे यहां पर आगे खेलों की तैयारी हो सके।

-**अशोक कुमार,** उपमंडल अभियंता, लोक निर्माण विभाग

फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। चोरी व अवैध हथियार के मामले में फरार आरोपी को थाना मुजेसर पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी को वर्ष 2017 में अवैध हथियार के साथ चोरी की मोटरसाइकिल सहित काबू किया गया था। जिसका मुकदमा थाना मुजेसर में दर्ज कर गिरफ्तार किया गया था। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी दी कि गिरफ्तार आरोपी हितेश की उम्र 26 साल है। वह मंगोलपुरी दिल्ली का रहने वाला है।

आरोपी जमानत पर आने के बाद वर्ष 2019 से लगातार फरार चल रहा था। जिसके खिलाफ अदालत के आदेश पर अगस्त 2023 में उद्घोषित चलने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी के आदेश दिए थे। आरोपी वर्ष 2019 से लगातार दिल्ली में पता बदलकर रह रहा था। आरोपी को अदालत में पेश किया जाएगा।

राम मंदिर महोत्सव के उपलक्ष्य में बैठक का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

व्यापार मंडल जिला पलवल द्वारा भगवान श्री राम के अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाली प्राण-प्रतिष्ठा के पावन पर्व के अवसर पर एक विशेष बैठक का आयोजन सुभाष जैन के टीवीएस वर्धमान शोरूम पर किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष संदीप गोयल ने की। बैठक का संचालन जिला महासचिव रोहताश खत्री ने किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय बजरंग दल के उत्तर प्रांत के महामंत्री मुनीष भारद्वाज उपस्थित रहे। सभी ने भगवान राम के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर बैठक का शुभारंभ किया। भगवान श्री राम के नारों ने बैठक का महौल धार्मिक बना दिया। सभी व्यापारियों में भगवान राम के प्रति आस्था ने बैठक को भाव विभोर कर दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुनीष भारद्वाज ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि इस मंदिर निर्माण के लिए हमने 500 वर्षों का इंतजार किया है और लगभग पांच लाख बलिदानियों के बलिदान, संत-महात्माओं के तप का फल है कि आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है।

उन्होंने उन कारसेवकों को भी याद किया, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति इस दिव्य यज्ञ में दी। उन्होंने बाबर का जिक्र करते हुए कहा कि बाबर ने हिंदुस्तान के करीब 30 हजार मंदिरों को तोड़कर मस्जिद का निर्माण करवाया था। उन्होंने यह भी कहा कि इस मंदिर निर्माण से हमारी आने वाली पीढ़ियों को ज्ञान और जीवन जीने की नई दिशा मिलेगी। जिलाध्यक्ष संदीप गोयल ने कहा कि कल का दिन हम सभी के लिए किसी पर्व से कम नहीं है। अपने घरों में दीपक जलाकर दिवाली की तरह पर्व को मनाना चाहिए और वातावरण को राम नाम से सुशोभित करना चाहिए।

कई दिन से टूटा है बड़ी सीवर लाइन का ढक्कन

नप की लापरवाही से हो सकता है बड़ा हादसा

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

नगर परिषद की लापरवाही से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। मेन जीटी रोड पर नगर परिषद कार्यालय से कुछ ही मीटर की दूरी पर बड़ी सीवर लाइन का ढक्कन टूटा हुआ है। यहां से हर रोज हजारों वाहन गुजरते हैं। इस कोहरे के मौसम में कभी भी कोई दुपहिया वाहन या पैदल यात्री इस टूटे ढक्कन से नीचे गिर सकता है। नीचे बड़ी गहरी सीवर लाइन होने से गिरने से उसके बचने व जीवित निकलने के गुंजाइश कम रहेगी। आसपास के दुकानदारों का कहना है कि टूटे ढक्कन की शिकायत कई बार नगर परिषद से की गई है, परंतु अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है।

पिछले कई दिन से मेन जीटी रोड़ मुख्य बाजार नगर परिषद कार्यालय से कुछ ही दूरी पर गहरी सीवर लाइन का ढक्कर टूटा हुआ है। मेन रास्ता होने से यहां से हर रोज हजारों वाहन गुजरते है। गहरी सीवर लाइन के टूटे ढक्कन की वजह से इसमें दुपहिया वाहन, पैदल यात्री, बुजुर्ग, बच्चे, महिलाओं आदि के गिरने का खतरा बना हुआ है। आसपास के दुकानदारों का कहना है कि टूटे ढक्कन के नीचे गहरी सीवर लाइन है, जो काफी गहरी और बड़ी है। जिससे पूरे शहर का सीवर का पानी गुजरता हैं। जिसका बहाव भी बहुत ही तेज रहता हैं। उन्होंने बताया कि सुबह-शाम इस समय काफी कोहरा होता है। जिसकी वजह से आसपास कुछ भी दिखाई नहीं देता। टूटे ढक्कन की वजह से यहां से गुजरने वाले दुपहिया वाहन चालक, पैदल यात्री आदि नीचे गिर सकते हैं। लोगों का कहना है कि नगर परिषद कार्यलय पास होने की वजह से यहां से हर रोज परिषद के कर्मचारी भी गुजरते हैं। परंतु इसकी तरफ कोई भी ध्यान नहीं दे रहा है। लोगों ने टूटे ढक्कन को तुरंत बदलने की मांग की। जिससे अप्रिय घटना होने से बचा जा सके।

“ नगर परिषद कार्यालय से कुछ ही मीटर की दूरी पर मेन जीटी रोड़ पर गहरी सीवर लाइन का ढक्कन कई दिन से टूटा हुआ है। जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। नगर परिषद को इस टूटे ढक्कन को तुरंत ही बदलाना चाहिए। जिससे कोई अप्रिय घटना होने से रोका जाए।

-**रिंकू गोयल,** दुकानदार

“ टूटे ढक्कन को जल्द ही बदलवाया जाएगा। जिससे किसी भी प्रकार के हादसे ही उम्मीद नहीं रहे।

-**डॉ. यशपाल,** चेयरमैन नगर परिषद

ऑटो में ही महिला ने बच्ची को दिया जन्म

काफी इंतजार के बाद नहीं आई एंबुलेंस तो ऑटो से अस्पताल ले जाते समय रास्ते में हुआ प्रसव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

गांव झाड़सेतली की रहने वाली गर्भवती ने शनिवार की शाम को ऑटो में एक बच्ची को जन्म दिया। प्रसव पीड़ा शुरू होने पर महिला को पति बल्लभगढ़ सरकारी अस्पताल में लेकर गया। जहां से डॉक्टरों ने ऑपरेशन के जरिए डिलीवरी होने की आशंका जताई और बीके अस्पताल रेफर कर दिया। काफी देर एंबुलेंस का इंतजार करने पर महिला का पति ऑटो में लेकर बीके अस्पताल के लिए रवाना हो गया, लेकिन रास्ते में ही महिला ने बच्ची को जन्म दे दिया।

गांव झाड़सेतली निवासी निवासी विमल ने बताया, पत्नी सैलजा को शनिवार शाम प्रसव पीड़ा शुरू हुई। वह उसको बल्लभगढ़ स्थित सरकारी अस्पताल में लेकर गए। जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने बताया कि सैलजा की डिलीवरी ऑपरेशन से होगी और उसे बीके अस्पताल रेफर कर दिया। अस्पताल वालों ने कहा कि पत्नी को एंबुलेंस से बीके अस्पताल ले जाएं, लेकिन काफी समय इंतजार करने के बावजूद एंबुलेंस नहीं आई। इस दौरान पत्नी को पीड़ा तेज हो गई और वह ऑटो में पत्नी को बीके अस्पताल के लिए निकल गए। वाईएमसीए फ्लाईओवर के पास सैलजा ने बच्ची को जन्म दे दिया। बीके अस्पताल के इमरजेंसी की गेट पर पहुंचने के बाद स्टाफ ने जच्चा व बच्चा को भर्ती कराया। डॉक्टरों ने दोनों को स्वस्थ बताया। पति विमल का आरोप है कि अगर बल्लभगढ़ अस्पताल के डॉक्टर सही तरह कैसे जांच करते तो, उनकी पत्नी की डिलीवरी अस्पताल में ही होती।

अंतिम श्रेणी के व्यक्ति को योजनाओं से जोड़ना प्रधानमंत्री का मिशन

लोगों के घर द्वार पर ही मुहैया करवाई जा रही है सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मिशन है कि देश के कोने-कोने, गांव-गांव जाकर लोगों की जनसमस्याओं को सुना जाए और उन सभी समस्याओं का हर हाल में निदान किया जाए। इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरुआत की। प्रधानमंत्री का ध्येय है कि अंतिम श्रेणी के व्यक्ति को सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाए, ताकि उसे सरकार की सेवाओं का लाभ निरंतर मिलता रहे। इसी कड़ी में विकसित भारत संकल्प यात्रा ने नगर परिषद क्षेत्र पलवल के वार्ड नंबर-2 नया गांव के राजकीय प्राथमिक पाठशाला तथा नगर परिषद पलवल के वार्ड नंबर-3 में स्थित बसंतगढ के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में अपना अगला पड़ाव डाला। विकसित भारत संकल्प यात्रा में चल रही एलईडी वैन पर एक ओर जहां लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री मनोहर लाल के संदेशों को सुनकर योजनाओं से रूबरू हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर इसी वैन पर योजनाओं का लाभ उठा चुके लोगों की सक्सेस स्टोरी को भी ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।

विकसित भारत संकल्प यात्रा की इस एलईडी वैन के साथ जिला प्रशासन के विभाग अपनी-अपनी स्टाल लगाकर लोगों को अपने-अपने विभागों द्वारा लोगों के हित के लिए चलाई जा रही तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत करवा रहे हैं और मौके पर ही लोगों के दस्तावेज देखकर पात्रता की जांच करके लाभ भी प्रदान कर रहे हैं। इन कार्यक्रमों में पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, फैमिली आईडी, आधार कार्ड, प्रोपर्टी आईडी जैसे जरूरी दस्तावेजों को बनाया जा रहा है और उनमें व्याप्त त्रुटियों को भी दूर किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग जांच शिविर लगाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर रहा है और कृषि विभाग किसानों को नैनो यूरिया तथा अन्य खरपतवारों को नष्ट करने के लिए खेत में छिड़काव करने के उद्देश्य से बनाया गया नमो दीदी ड्रोन का परीक्षण भी करवा रहे हैं। नगर परिषद पलवल के वार्ड नंबर-2 नया गांव के राजकीय प्राथमिक पाठशाला में आयोजित कार्यक्रम में पार्षद तेजपाल ने तथा नगर परिषद पलवल के वार्ड नंबर-3 में स्थित बसंतगढ़ के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विधायक पलवल के प्रतिनिधि मुकेश सिंगला ने बतौर मुख्य अतिथि विकसित भारत संकल्प यात्रा का स्वागत किया और उपस्थिति को विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत की संकल्प शपथ दिलवाई।

इन कार्यक्रमों में मुख्य अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया और उत्कृष्ट कार्य करने वाले खिलाड़ियों, कलाकारों, अध्यापकों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं व स्कूली बच्चों को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की पात्र सभी महिलाओं को एलपीजी सिलेंडर सहित घरेलु गैस कनेक्शन भी भेंट किए।

मुख्य अतिथियों ने नमो दीदी ड्रोन की कार्य प्रणाली का भी परीक्षण किया और लोगों को प्रचार सामग्री सहित नव वर्ष के कलेंडर का वितरण किया। कार्यक्रमों में पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने मुख्य अतिथियों का फूलमालाएं पहनाकर व पुष्पगुच्छ भेंट कर जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, वार्ड पार्षद, महिलाएं, बुजुर्ग, युवा व बच्चे मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

मारवाड़ी युवा मंच ने मनाया 40वां स्थापना दिवस

फरीदाबाद। मारवाड़ी युवा मंच फरीदाबाद ने संस्था का 40वां स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर संस्था के सदस्यों ने आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को सर्दी के कपड़े बांटे। संस्था के अध्यक्ष महेश ने बताया कि मंच का निर्माण लोगों की सेवा के लिए किया गया है। भारत में इसकी करीब 850 शाखाएं क्रियान्वित हैं। संस्था समय-समय पर स्वास्थ्य जांच शिविर, रक्तदान शिविर, जागरूकता अभियान एवं सर्दियों के मौसम में लोगों को गर्म कपड़े एवं कंबल वितरण का कार्य विशेष रूप से करती है। मंच से जुड़े सदस्यों ने जरूरतमंद बच्चों को गर्म कपड़े वितरित किए। इस दौरान निवर्तमान अध्यक्ष नारायण शर्मा, शाखा सचिव प्रवीण अग्रवाल, मधुसूदन माटोलिया, कपिल माहेश्वरी, अंकुश जैन, जीतू शर्मा व अध्यापिका सुमन आदि मौजूद रहे।

पौधारोपण कर दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

पलवल। भगवान श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों के साथ पौधारोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया। वंदना विद्या निकेतन पब्लिक स्कूल शमशाबाद में वैकुंठ एकादशी पर मिशन प्रकृति बचाओ पर्यावरण सचेतक समिति द्वारा पौधारोपण कर प्रकृति पर्यावरण संरक्षण जागरूकता अभियान चलाया। ग्रीन एंबेसडर डॉ. आचार्य राम कुमार बघेल ने बताया कि भगवान श्रीरामचंद्र के जीवन से गुरु, माता- पिता की आज्ञा का पालन, त्याग तथा सभी जीव, पशु-पक्षियों से स्नेह व उनकी रक्षा की शिक्षा लेनी चाहिए। पर्यावरण संरक्षण तथा जल को बचाने से ही हम सबका भविष्य बच सकता है। प्रकृति की रक्षा करना हम सबका कर्तव्य है। प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार ने सभी को छाया, फल, फूल, औषधियों आदि पौधारोपण करने तथा जल बचाने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ अंजलि शर्मा, नीरज, बरखा तथा विद्यार्थी वंदना, पायल, विकास, विशाल आदि उपस्थित रहे।

डाक देकर लौट रहे डाकिये से फोन झपटा

फरीदाबाद। बीके चौक स्थित प्रधान डाक घर में कार्यरत एक डाकिये से बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल छीन लिया। वारदात के समय डाकिया डबुआ कॉलोनी में डाक देकर लौट रहा था। एनआईटी तीन चौकी पुलिस मामले की जांच कर रही है। मूलरूप से जिला हिसार स्थित हांसी निवासी विकास ने पुलिस को दी शिकायत में बताया वह बीके चौक स्थित प्रधान डाक घर में डाकिया के पद पर कार्यरत है। वह कार्यालय से डाक लेकर डबुआ कॉलोनी गया था। वापस आते समय किसी का फोन आ गया। फोन सुनने के लिए उन्होंने साइकिल सड़क पर लगा दी और बात करने लगे। इस दौरान बाइक सवार दो बदमाश उनका फोन छीनकर फरार हो गए। शाम उन्होंने पुलिस को मामले की शिकायत दी। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

चार वर्ष पूरा करने वाले कर्मियों को मिलेगा बोनस

फरीदाबाद। भारतीय मजदूर संघ हरियाणा की बैठक मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव राजेश खुल्लर के साथ चंडीगढ़ सचिवालय में हुई। बैठक में चार वर्ष पूरे कर चुके हरियाणा कौशल रोजगार निगम के कच्चे कर्मचारियों को बोनस, ग्रेच्युटी और यात्रा रियायत का लाभ मिलने पर सहमति बनी। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारियों को डीए, ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटर को इपीएफ, विद्युत कर्मचारियों को जोखिम भत्ता और लैब अटेंडेंट कर्मचारियों के वेतन बढ़ोतरी पर भी चर्चा हुई। बैठक में कहा गया कि ग्राम पंचायत के 24 ट्यूबवेल ऑपरेटर जल्द निगम में शामिल किए जाएंगे। इस बैठक में क्षेत्रीय संगठन मंत्री पवन कुमार, प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार, प्रदेश महामंत्री हवा सिंह मैहला, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष हनुमान गोदारा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। संघ ने बताया कि श्रम विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी बोर्ड का गठन जल्द ही किया जाएगा। कच्चे कर्मचारियों को रेगुलर करने के लिए पॉलिसी बनाई जाएगी।

जंबूरी में बेहतर प्रदर्शन पर टीम को सम्मानित किया

पलवल। सिक्किम पूर्वोत्तर मिनी जंबूरी में बेहतरीन प्रदर्शन के उपरांत वापस लौटने पर खंड शिक्षा अधिकारी होडल किरण बाला द्वारा जिला स्काउट गाइड टीम को सम्मानित किया गया। टीम की प्रशंसा करते देते हुए किरण बाला ने कहा कि स्काउट गाइड टीम द्वारा विभिन्न सांस्कृति के माध्यम से सभी राज्यों के प्रतिभागियों को एक भारत श्रेष्ठ भारत का संदेश देते हुए हरियाणवीं संस्कृति से रूबरू कराया है। जिला संगठन आयुक्त योगेश सौरोत के नेतृत्व में राजकीय मॉडल संस्कृति होडल, पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय होडल, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भिडूकी तथा डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल के स्काउट-गाइड ने यूनिट लीडर जिला प्रशिक्षक प्रभु दयाल हंस, वीर सिंह, अनुज चौहान, शारदा यादव, मीणा देवी के मार्गदर्शन में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अलग ही छाप छोड़ी है। स्काउट गाइड का प्रशासनिक तथा सामाजिक कार्यों में सहयोग अविस्मरणीय है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राकेश बघेल, धर्मपाल, पुनीत मक्कड़, सीमा यदुवंशी, डीओसी बिरजन रानी, भारत दहिया, जिला प्रशिक्षक हरीश चंद, सचिव विष्णु गौड, बृजेश शर्मा आदि द्वारा शुभकामनाएं दी गई।

देवी चित्रलेखा के जन्मोत्सव पर मनाया संकीर्तन दिवस

पलवल। होडल-करमन बॉर्डर स्थित गो सेवा धाम अस्पताल में संस्था की संचालिका पूज्या देवी चित्रलेखाजी का पावन जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। देवीजी के जन्मोत्सव को सभी भक्त मिलकर हर वर्ष संकीर्तन दिवस के रूप में मनाते हैं। इसी मंगलमय अवसर पर गो सेवा धाम अस्पताल में गो माताओं के मध्य दिल्ली एनसीआर से पधारे श्रद्धालुओं ने भीषण सर्दी में भी धूमधाम से हरिनाम संकीर्तन किया। सुबह कड़ाके की ठंड में गो सेवा धाम परिवार के सदस्यों ने दिल्ली, फरीदाबाद, नोएडा आदि आस पास के क्षेत्रों से आये भक्तों के साथ मिलकर सर्वप्रथम प्रात: काल गो माता के परिसर में हरिनाम संकीर्तन करते हुए परिक्रमा की। इस शुभ अवसर पर देवी चित्रलेखाजी के पिताजी संस्था के अध्यक्ष पंडित टीकाराम स्वामी जी के सानिध्य में खंबानी फूड ट्रक का फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इस फूड ट्रक की बचत राशि गो सेवा धाम अस्पताल में भर्ती बीमार गोवंशों को समर्पित की जाएगी। साथ ही इस फूड ट्रक में शुद्ध शाकाहारी भोजन बनाया जायेगा। जिससे तामसिक भोजन की प्रवत्ति को कम किया जायेगा। अंत में सभी श्रद्धालुओं ने भंडारा प्रसाद ग्रहण किया।

ईरान-पाक टकराव

पड़ोस में अशांति

ईरान और पाकिस्तान के बीच तनाव और टकराव बढ़ने से पड़ोस में अशांति पैदा हो गई है। इससे भारत की समस्यायें भी बढ़ सकती हैं। ऐसा लगता है जैसे पड़ोस में युद्ध की तैयारी हो रही है। इस बार ईरान और पाकिस्तान शायद अपने मतभेद मिसाइलों से हल करना चाहते हैं। ईरान ने उग्रवादियों का ठिकाना होने का आरोप लगा कर बलूचिस्तान के कोहे-सब्ज में मिसाइलों और ड्रोनों से हमला किया। इसके जवाब में पाकिस्तान ने सरावान के निकट सिस्तान-बलूचिस्तान पर हवाई हमले किए। ईरान और पाकिस्तान घोषित रूप से गैर-राज्य कारकों पर निशाना लगा रहे थे तथा दोनों एक दूसरे पर उनको संरक्षण देने का आरोप लगा रहे हैं। इनमें पाकिस्तान में जैश-अल-अद्ल तथा ईरान में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट शामिल हैं। ईरान-पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण क्षेत्रीय स्थिरता के बारे में चिन्ता पैदा हो गई है जिसके राजनीतिक प्रभाव भारत समेत पड़ोसी देशों पर पड़ सकते हैं। तेहरान और इस्लामाबाद के बीच संबंध खराब होने की जड़ें भू-राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा मुद्दों में हैं जिनमें से प्रत्येक के अपने परिणाम हो सकते हैं। टकराव का एक बड़ा कारण बलूचिस्तान क्षेत्र है। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर सीमापार से जारी आतंकवाद और स्मगलिंग गतिविधियों को संबोधित न करने के आरोप लगाए हैं जिससे दोनों के बीच अविश्वास बढ़ा है। भारत के ईरान के साथ निकट संबंध हैं और वह पाकिस्तान के साथ स्थिर संबंध रखना चाहता है, इसलिए इन घटनाओं ने नई दिल्ली का ध्यान आकर्षित किया है।

भारत पर ईरान-पाकिस्तान टकराव के अनेक प्रभाव पड़ सकते हैं जिनमें रणनीतिक हित शामिल हैं। भारत द्वारा ईरान के सहयोग से विकसित

चाबहार बंदरगाह मध्य एशिया और अफगानिस्तान में भारतीय व्यापार और निवेश का प्रमुख प्रवेशद्वार है। ऐसे में ईरान-पाकिस्तान संबंधों में किसी तनाव का असर इस महत्वपूर्ण समुद्री सुविधा के कामकाज पर पड़ सकता है। सुरक्षा चिन्तायें भी बढ़ रही हैं क्योंकि ईरान-पाकिस्तान सीमा पर अस्थिरता से भारत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। इनमें शरणार्थियों की भीड़, आतंकवाद में वृद्धि या हिंसा का विस्तार शामिल हैं जिनसे भारत की सीमा-सुरक्षा तथा आतंकवाद-विरोधी प्रयास प्रभावित हो सकते हैं। आर्थिक रूप से ईरान-पाकिस्तान संबंधों में किसी बाधा का प्रभाव क्षेत्रीय व्यापार पर दिख सकता है। भारत ईरान के साथ आर्थिक संबंध, खासकर ऊर्जा क्षेत्र में संबंध बढ़ाना चाहता है तथा वह क्षेत्र की समग्र आर्थिक समृद्धि के लिए पाकिस्तान से स्थिर संबंध चाहता है। ईरान और पाकिस्तान के बीच जारी इस टकराव में विश्व शक्तियों की संलिप्तता से मामला और बिगड़ सकता है। अमेरिका और ईरान के बीच पहले ही टकराव चल रहा है और वह पाकिस्तान को डालर व ड्रोन देकर ईरान को नुकसान पहुंचाने के प्रयास कर सकता है। इसके अलावा पाकिस्तान के भारी तोपखाने का प्रयोग भारत के खिलाफ भी हो सकता है। भारत की स्थिति ऐसे में दुविधाग्रस्त हो सकती है क्योंकि वह ईरान का साथ देने के साथ ही अमेरिका को नाराज नहीं करना चाहेगा। लेकिन इस रणनीति की भी अपनी जटिलतायें हैं क्योंकि अमेरिका इस समय पूरी तरह ईरान-विरोधी है। ऐसे में नई दिल्ली को अपने रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए विदेश नीति मोर्चे पर संवेदनशीलता बरतनी होगी ताकि क्षेत्र में स्थिरता और सहयोग को भी बढ़ावा मिले।

सुशासन का मानक है राम राज्य

आयुष मंत्रालय विश्व चिकित्सा क्रांति में अपना उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। इससे चिकित्सा व स्वास्थ्यरक्षा संबंधी प्राचीन भारतीय परंपरागत ज्ञान तथा आधुनिक स्वास्थ्यरक्षा के बीच खाई समाप्त हो रही है।

प्रफुल्ल गोराडिया
(लेखक, पूर्व राज्यसभा सदस्य हैं)

भारत सरकार का आयुष मंत्रालय विश्व चिकित्सा क्रांति में अपना उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। इससे प्राचीन परंपरागत ज्ञान तथा आधुनिक स्वास्थ्यरक्षा के बीच खाई समाप्त हो रही है। इसके परिणामस्वरूप पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों व औषधियों का दुनिया भर में प्रचार हो रहा है। मानव स्वास्थ्यरक्षा में प्राचीन से लेकर आधुनिक संस्कृति तक हजारों सालों में महान भारतीय परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों की लोकप्रियता दिखाई पड़ी है।

हमारे यहां समग्र स्वास्थ्यरक्षा व्यवस्था की जीवन्त संस्कृति रही है जिसमें विभिन्न बीमारियों संबंधी जानकारियां, डेटा तथा चिकित्सा प्रक्रियायें शामिल हैं। आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी जैसी प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों की अनेक धाराओं का पालन करते हुए हमारे प्राचीन वैद्यों और चिकित्सा पेशेवरों ने परंपरागत स्वास्थ्यरक्षा मूल्यों का एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक हस्तांतरण किया है। 'आयुष' शरीर की प्राकृतिक स्वस्थ रखने की क्षमताओं को उत्प्रेरित करने के साथ ही शरीर, मन और चेतना के बीच संतुलन बहाल करने का प्रयास करता रहा है। 'आयुष' में आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध, प्राकृतिक चिकित्सा, योग और सोया रिग्पा या तिब्बती चिकित्सा पद्धतियां शामिल रही हैं। वैश्वीकरण के वर्तमान युग में समय की आवश्यकताओं को देखते हुए सार्वभौमिक रूप से सिद्ध तथा प्रमाण-आधारित चिकित्सा व्यवस्थाओं पर आधारित व्यवस्था बनाना जरूरी हो गया है ताकि दुनिया भर में मनुष्यों की चिकित्सा समान चिकित्सा विधियों के आधार पर की जा सके। आयुष मंत्रालय में इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए मजबूत ढांचा बनाया जा रहा है।

हाल ही गुजरात के जामनगर में परंपरागत चिकित्सा के पहले और एकमात्र वैश्विक केन्द्र की स्थापना विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्लूएचओ ने की है। यह परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों की वैश्विक स्वीकार्यता में मील का एक पत्थर है। अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्यरक्षा के क्षेत्र में हालिया वर्षों में व्यापक परिवर्तन आया है जिससे परंपरागत चिकित्सा के संभावित लाभों की स्वीकार्यता बढ़ रही है।

वर्तमान समय में आयुष मंत्रालय अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा क्रांति की लहर के साथ उसमें अग्रणी भूमिका निभाते हुए आगे बढ़ रहा है। आयुष स्वास्थ्यरक्षा, आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी में विभिन्न रोगों संबंधी शत्दावली को रोगों के अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण-आईसीडी 11 में शामिल किया गया है जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्लूएचओ ने तैयार किया है। डब्लूएचओ द्वारा तैयार रोगों का अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण भारत जैसे उसके सदस्य देशों के लिए प्रमुख उपकरण है। इसमें विभिन्न संक्रामक व गैर-संक्रामक रोगों तथा मृत्यु संबंधी आंकड़ों के प्राइमरी व सेकेंड्री डेटा को शामिल किया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत 'सेंट्रल ब्यूरो आफ हेल्थ इंटेलीजेंस'-सीबीएचआई डब्लूएचओ के सहयोगी केन्द्र के रूप में काम कर रहा है। इसका संबंध आईसीडी-संबंधी गतिविधियों व सुविधाओं, बीमारियों व मृत्यु के डेटा संग्रह तथा उनके संचार से है। इसके पहले डेटा का संग्रह केवल उन बीमारियों व स्वास्थ्य स्थितियों के लिए होता था जिनका निदान बायोमेडिसिन आधार पर संभव था। इस डेटा में विकृतियों के बारे में आयुष की आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी पद्धतियों से प्राप्त आंकड़ों व संग्रहों को स्थान नहीं मिला था। हालांकि, कुछ देशों में सालों से आयुर्वेद, सिद्ध व यूनानी वर्गीकरण व्यवस्थाओं पर आधारित डेटा राष्ट्रीय स्तर पर मौजूद था, पर ऐसी व्यवस्थाओं के बारे में सूचना का मानकीकरण नहीं हुआ था और इसे वैश्विक स्तर पर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा था।

आयुष को आईसीडी में शामिल करने से अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संभव होगा जिससे मापन, गणना, तुलना, सवाल बनाने तथा निगरानी में सहायता मिलेगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन की पहल तथा आयुष मंत्रालय के सहयोग से आयुर्वेद, यूनानी व सिद्ध से बीमारियों संबंधी शब्दावली के संग्रहीत डेटा को 'मार्बिडिटी कोड' में बदलना तथा रोगों के अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण में शामिल करना संभव हो जाएगा।

भारत सार्वजनिक स्वास्थ्यरक्षा के लिए आईसीडी 11 टीएम2 माड्यूल के क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। इससे स्वास्थ्यरक्षा के विस्तार, आयुष बीमा कवरेज, शोध एवं विकास, नीति निर्माण तथा समाज में विभिन्न रोगों पर नियंत्रण की भावी रणनीतियां बनाने में सहायता मिलेगी। मलेरिया जैसी संक्रामक बीमारियों तथा दीर्घकालिक अनिद्रा जैसी जीवनशैली बीमारियों को इस वर्गीकरण में शामिल किया गया है। चक्कर आने जैसी विकृति के नाम आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी में ब्रह्म, अजल किरुकिरुप्पू व सद्र-ओ-दुआर हैं।

इसी प्रकार कुछ सामान्य बीमारियों को डब्लूएचओ द्वारा जारी आईसीडी 11 में शामिल किया गया है। टीएम2 को आईसीडी-11 में शामिल कर डब्लूएचओ ने परंपरागत व्यवहारों के कठोर वैज्ञानिक मूल्यांकन को प्रोत्साहित किया है। इस कदम से टीएम मानकों पर ज्यादा जीवन्त शोध संभव होगी जिससे चिकित्सकी स्थितियों में ज्यादा प्रभावी व सुरक्षित इलाज संभव होगा। टीएम2 को आईसीडी-11 में शामिल करने से विभिन्न संस्कृतियों तथा स्वास्थ्यरक्षा व्यवस्थाओं के बीच चिकित्सकीय ज्ञान का आदान-प्रदान बढ़ेगा।

सभी संस्कृतियों में इस प्रकार के सहयोग से स्वास्थ्य और बीमारी की ज्यादा समग्र समझदारी विकसित होगी जिससे स्वास्थ्यरक्षा समाधानों के लिए ज्यादा खोजी व समावेशी दृष्टिकोण विकसित करना संभव होगा। इस समन्वय से स्वास्थ्यरक्षा तक पहुंच बढ़ेगी तथा लागत-प्रभावी हस्तक्षेप संभव होंगे। आयुष व्यवस्थाओं के विभिन्न आयामों के बारे में दुनिया भर में लगातार बढ़ती मांग से भारत में प्रयास बहुत तेज हुए हैं। इसके परिणामस्वरूप आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी में मानकीकृत शब्दावली तथा राष्ट्रीय 'मार्बिडिटी कोड' विकसित हुए हैं। नेशनल आयुष मार्बिडिटी एंड स्टैंडरडाइज्ड टर्मिनोलोजीज़ एलेक्ट्रानिक पोर्टल-नमस्ते 2017 का विकास इन प्रयासों का नतीजा था। इस पोर्टल ने आयुर्वेद-यूनानी-सिद्ध के निदान व शब्दावली की टेस्टिंग और मानकीकरण का प्लेटफार्म तैयार किया है। वर्ष 2018 में आयुष प्रबंधन सूचना व्यवस्था-एएचएमआईएस के विकास से फौरन चिकित्सकीय स्थितियों का निर्धारण संभव हुआ है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने परंपरागत भारतीय चिकित्सा पद्धतियों व खासकर आयुष के दुनिया भर में प्रचार-प्रसार के लिए व्यापक प्रयास किए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष प्रयासों से भारतीय चिकित्सा पद्धतियों तथा आयुष-आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध, प्राकृतिक चिकित्सा, योग व सोया रिग्पा या तिब्बती चिकित्सा पद्धतियों को दुनिया भर में प्रचारित करने तथा संपूर्ण मानवजाति को परंपरागत भारतीय ज्ञान से लाभान्वित करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्लूएचओ के बीच हुए समझौते इस दिशा में महत्वपूर्ण हैं। आयुष मंत्रालय व विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्लूएचओ के बीच हस्ताक्षरित 'डोनर एग्रीमेंट' का उद्देश्य बीमारियों के अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण-11 या आईसीडी-11 में दूसरा माड्यूल विकसित करना है। इस समझौते पर 11 फरवरी, 2020 को हस्ताक्षर किए गए थे और यह आयुष के व्यापक प्रसार और उसकी वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

संतोष की बात है कि परंपरागत चिकित्सा व्यवस्था की वैश्विक पहुंच बढ़ाने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्लूएचओ से जुड़े अनेक सदस्य देश आईसीडी में परंपरागत चिकित्सा बीमारियों की शब्दावली के विस्तार में यही फार्मेट लागू करने की मांग कर रहे हैं। दुनिया भर में रोगियों की देखभाल के लिए ज्यादा समग्र दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया जा रहा है।

नये अंतरराष्ट्रीय संबंध सिद्धांत की पटकथा

> **अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उन विभाजनकारी ताकतों के प्रति सतर्क रहना चाहिए जो वैश्विक संबंधों के नाजुक संतुलन को बाधित करना चाहते हैं।**

सुधीर हिन्दवान
(लेखक, एक प्रोफेसर हैं)

अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर एमआईटी प्रोफेसर नॉर्मन जे. पैडलफ़ोर्ड की अंतर्दृष्टि विश्व राजनीति की वर्तमान स्थिति के लिए अत्यधिक प्रासंगिक है। वह स्वीकार करते हैं कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में घरेलू राजनीति, उभरती शक्ति गतिशीलता, प्रासंगिक रूपरेखा और वैश्विक राजनीति पर बदलते शक्ति संबंधों का प्रभाव शामिल है। एक समय हॉलीवुड की युद्ध फिल्मों तक ही सीमित दृश्य, जैसे भवन विस्फोट, प्रतिष्ठानों पर हमले और युद्ध अत्याचार, उत्तर आधुनिक विश्व व्यवस्था में फिर से सामने आ रहे हैं। हाल के महीनों में अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद में वृद्धि देखी गई है, पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय संघर्ष पड़ोसी क्षेत्रों में फैल रहे हैं, रूस-यूक्रेन तनाव जारी है, और पाकिस्तान में अशांति बढ़ रही है, ये सभी अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में संघर्ष और हिंसा में योगदान दे रहे हैं।

बढ़ती झड़पें, युद्ध जैसी स्थितियों की ओर अग्रसर, कई वैश्विक दुखों के स्रोत के रूप में ईर्ष्या की भूमिका को रेखांकित करती हैं। शांतिपूर्ण प्रॉस्पेक्टस की कुंजी राजनयिक प्रयासों में निहित है, जो विश्वास और समन्वय पर आधारित पारदर्शी और विश्वसनीय संचार के माध्यम से सहयोग पर जोर देती है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों का ध्यान जलवायु परिवर्तन को सीमित करने, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने, तकनीकी जानकारी को आगे बढ़ाने और बिजली उत्पादन स्रोतों को सुरक्षित करने जैसे मुद्दों पर समर्थन और समझौते को बढ़ाने पर केंद्रित होना चाहिए। चीन की बेल्ट एंड रोड पहल प्रभाव बढ़ाने की एक सूक्ष्म रणनीति को दर्शाती है, जबकि भारत और यूरोप, विशेषकर जर्मनी, इटली और नीदरलैंड के बीच संबंधों को मजबूत करने में सकारात्मक सहयोग सामने आता है।

बदलता समय अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर एक नए दृष्टिकोण की मांग करता है, जिसमें आपसी आर्थिक समृद्धि के लिए रणनीति तैयार करने के लिए राजनयिक प्रयासों पर परिपक्व निर्भरता पर जोर दिया जाता है। राष्ट्रों, विशेषकर चीन के विस्तारवादी मिशनों से उत्पन्न होने वाली सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए एक नया रोडमैप आवश्यक है। अमेरिका और भारत के बीच हाल के समझौते, जैसे कि बेसिक एक्सचेंज एंड कोऑपरेशन एग्रीमेंट (बीईसीए), भू-स्थानिक डेटा साझा करने और रक्षा संबंधों को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। 2+2 संवाद सहयोग को और मजबूत करता है, विशेष रूप से भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीनी विस्तारवाद के खतरों का मुकाबला करने में।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग, जिसका उदाहरण बीसीए और संचार अनुकूलता और सुरक्षा समझौता (कॉमकासा) है, बहुस्तरीय सुरक्षा सहयोग के लिए एक मंच प्रदान कर सकता है। आतंकवादियों के हाथों में रासायनिक हथियारों से निपटने जैसी चुनौतियाँ, सख्त अंतरराष्ट्रीय कानूनों और विनियमों की मांग करती हैं। भारत और अमेरिका के बीच सहयोग से आरडीएक्स और एके-47 असॉल्ट राइफल जैसे हथियारों के प्रसार का मुकाबला करने के लिए एक तंत्र तैयार हो सकता है। हालाँकि, धार्मिक रूप से प्रेरित आतंकवाद से निपटने के लिए रणनीति तैयार करना एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है।

अमेरिका-भारत समझौता नार्को-आतंकवाद को संबोधित करने और चीन की विस्तारवादी योजनाओं को कम करने का अवसर प्रदान करता है। उभरता हुआ ख़तरा परिदृश्य सुरक्षा-संबंधी जानकारी साझा करने के एक नए ढांचे की आवश्यकता को रेखांकित करता है। छोटे देश भी वैश्विक गतिशीलता को अपना रहे हैं, जिससे राष्ट्रों को अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अतिमहत्वाकांक्षी योजनाओं का मुकाबला करने के लिए आर्थिक, रणनीतिक और सांस्कृतिक एकीकरण के तरीकों को उन्नत करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। रूस-यूक्रेन संघर्ष में एक प्रमुख मध्यस्थ के रूप में भारत की हालिया मान्यता इसे भविष्य में अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने के लिए तैयार करती है। विश्व एक बड़े अंतरराष्ट्रीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जो शक्ति की गतिशीलता में बदलाव और एक नई व्यवस्था के उद्भव का संकेत दे रहा है। हाल के वैश्विक घटनाक्रम परिवर्तन और अशांति को रोकने के लिए लोकप्रिय आकांक्षाओं और मांगों को संबोधित करने के महत्व पर जोर देते हैं।

निष्कर्षत:, जैसे-जैसे वैश्विक परिदृश्य अभूतपूर्व परिवर्तनों से गुज़र रहा है, राष्ट्रों के लिए ऐसी सहयोगी रणनीतियाँ बनाना अनिवार्य हो जाता है जो पारंपरिक सुरक्षा चिंताओं से परे हों। अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की उभरती गतिशीलता आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन और तकनीकी व्यवधानों जैसी बहुमुखी चुनौतियों से निपटने के लिए साझा प्रतिबद्धता की मांग करती है। अमेरिका और भारत के बीच समझौते इन वैश्विक मुद्दों पर सामूहिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने, निरंतर सहयोग और आपसी समझ की नींव स्थापित करने की दिशा में एक कदम का संकेत देते हैं। आगे देखते हुए, इन पहलों की सफलता राष्ट्रों की भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से ऊपर उठने और आम भलाई के लिए मिलकर काम करने की क्षमता पर निर्भर करती है। वैश्विक मानसिकता का पोषण करना महत्वपूर्ण है। इस लोकाचार को अपनाने से अधिक सुरक्षित, स्थिर और समृद्ध दुनिया का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। सत्ता की राजनीति के प्रलोभनों से दूर रहकर शांति, न्याय और समानता के सिद्धांतों को बनाए रखने की जिम्मेदारी राष्ट्रों पर है। ठोस प्रयासों के माध्यम से, एक सामंजस्यपूर्ण विश्व व्यवस्था उभर सकती है, जहां राष्ट्र न केवल अपने हितों के लिए बल्कि मानवता की भलाई के लिए सहयोग करते हैं।

उज्जवल भविष्य की इस यात्रा में, मध्यस्थ और सहयोग के प्रस्तावक के रूप में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। समावेशी कूटनीति का समर्थन करते हुए, भारत में एक ऐसी दुनिया को आकार देने की क्षमता है जो वास्तव में लुई आर्मस्ट्रांग की भावना, क्या अद्भुत दुनिया है, को प्रतिबिंबित करती है। जैसे-जैसे राष्ट्र इस जटिल समय से गुजरते हैं, यह एक सामान्य नियति के प्रति साझा प्रतिबद्धता ही है जो अंतत: अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की दिशा निर्धारित करेगी, जिससे समृद्धि और शांति के युग की शुरुआत होगी।

आप की बात

ऐप टैक्सी व्यवस्था

सभी महानगरों में ऐप आधारित टैक्सी सर्विस के माध्यम से परिवहन व्यवस्था तेजी से बदली है और सुविधाजनक भी हुई है। लेकिन टैक्सी ड्राइवरों द्वारा जान-बूझ कर बुकिंग कैंसिल करना एक बड़ी समस्या है जिसका समाधान न राज्य सरकारें कर रही हैं और न संबंधित कंपनियां ही ऐसे बेलगाम ड्राइवरों पर अंकुश लगा पा रही हैं। एक सर्वेक्षण के अनुसार, ड्राइवरों द्वारा मनमाने तरीके से बुकिंग कैंसिल करना, गर्मियों में एप या एसी न चलाना, उचित स्थान पर न छोड़ना, यात्रियों से दुर्व्यवहार करना और वीडियो ऑडियो तेज आवाज में बजाना आदि शिकायतें आम हैं। इन सभी मुद्दों पर सरकार को एप-संचालित टैक्सी सेवा प्रदाताओं को स्पष्ट दिशा निर्देश जारी करना बेहद जरूरी हो गया है। महानगरों की मलिन बस्तियों, पुनर्वास कॉलोनियों, शहरीकृत ग्रामीण क्षेत्र, झुग्गी-झोपड़ी क्लस्टर कॉलोनी, आदिकी बुकिंग ड्राइवर कैंसिल कर देते हैं। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों को टैक्सी एग्रीगेटर को उचित दिशानिर्देश देने चाहिए तथा शिकायतों के लिए ऐसा हेल्पलाइन नंबर भी होना चाहिए जो तत्काल प्रभावी समाधान कर सके। देश में बढ़ते पर्यटन को देखते हुए ऐप टैक्सी व्यवस्था को सुचारू बनाने की आवश्यकता है। इसमें एप टैक्सी ड्राइवरों का पक्ष भी अवश्य सुना जाना चाहिए।

– **वीरेंद्र कुमार जाटव,** दिल्ली

राम मंदिर के प्रति उत्साह

राम मंदिर के निर्माण से लेकर प्राण प्रतिष्ठा समारोह तक देश की जनता में व्यापक उत्साह दिखा है। हिंदूवादी संगठनों व भाजपा के कार्यकर्ताओं ने घर-घर तक निमंत्रण और कुमकुम चावल दे कर जनता को और उत्साहित कर श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से जोड़ा है। निश्चित है कि प्राण प्रतिष्ठा के दिन देश भर के अधिकांश हिंदू परिवार और काफी संख्या में मुस्लिम परिवार भी समारोह के दिन दीपक जलाकर दीपावली जैसा माहौल बना देंगे। इससे निश्चित रूप से भाजपा को चुनावी लाभ मिलेगा। पूरे देश की हिंदू जनता बेझिझक कह रही है कि मोदी की वजह से ही इतना भव्य राम मंदिर बनना और अयोध्या नगरी का विकास संभव हुआ है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट कहा है कि मंदिर निर्माण में केन्द्र या राज्य सरकार का एक पैसा नहीं लगा है। लेकिन केन्द्र व राज्य सरकार ने जिस अभूतपूर्व व असाधारण तेजी से अयोध्या का विकास धार्मिक व आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में किया है, उसकी पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। इससे अयोध्यावासियों की प्रगति के अनेकानेक रास्ते खुले हैं। भाजपा को भगवान राम का आर्शीवाद मिलना निश्चित है। राजनीतिक गालियारों में मोदी जी की हार जीत के बजाय 400 से कम या ज्यादा सीट पर चर्चा हो रही है।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

शिक्षा की स्थिति

शिक्षा की स्थिति पर नजर रखने वाली स्वयंसेवी संस्था द्वारा जारी असर रिपोर्ट के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में तीसरी से पांचवी तक के बच्चे गणित के साधारण सवाल हल नहीं कर पा तथा वे अपने से निचली कक्षा की पुस्तकें पढ़ने में भी पूर्णत: सक्षम नहीं रहे। भारतीय शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियां इसके लिए जिम्मेदार हैं। इनमें निजी स्कूलों व सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के वेतन में अंतर भी शामिल है। विडंबना है कि निजी स्कूलों की तुलना में कई गुना अधिक वेतन व सुनिश्चित नौकरी पाने वाले अनेक सरकारी शिक्षक लापरवाही बरतते हैं और यहां तक कि खुद अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाते हैं। सरकार को शासकीय स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए सबसे पहले शिक्षकों के शिक्षण कौशल तथा उससे प्राप्त परिणामों पर नजर रखनी होगी। शिक्षकों को प्रेरित करने तथा उनका समाज और बच्चों से संबंध बेहतर बनाने के अनोखे प्रयास करने होंगे। विडंबना है कि ब्रिटिश शासनकाल की तरह शिक्षकों पर इंस्पेक्टर राज तो थोप दिया गया है, पर इससे उनका छात्रों व व्यापक समाज के प्रति लगाव घटा है। शिक्षकों को भी समाज में अपने गिरते सम्मान की चिन्ता करनी चाहिए जो उनको ईश्वर से भी महान मानता था।

सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

झील में हादसा

बड़ोदरा की हरणी झील में नौका विहार कर रहे स्कूली छात्रों से भरी नाव के पलटने से 12 छात्र और 2 टीचर्स की डूबने से दुखद मृत्यु हो गई, जबकि 11 छात्र और 2 टीचर्स को बचा लिया गया। बताया जा रहा है कि सेल्फी लेने के लिए बच्चे नाव के एक तरफ आ गए जिससे नाव पलट गई। हालांकि, प्रशासन के अनुसार जांच जारी है तथा दोषियों को सजा मिलेगी, लेकिन हादसे में लापरवाही स्पष्ट रूप से सामने आई है। बच्चे तो नसमझ हो सकते हैं किन्तु नाविक व झील के संचालकों तथा खासकर बच्चों के साथ मौजूद शिक्षकों को समझदारी का परिचय देना चाहिए था। इसके साथ ही झील में नौका विहार होने की स्थिति में जैकेटों की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि किसी अनहोनी से नौका-विहार करने वालों को बचाया जा सके। हालांकि, सरकार पीड़ित परिवारों को मुआवजा दे देगी, परन्तु इससे जिन अभिभावकों ने अपने बच्चे खो दिए उनका दु:ख दूर नहीं होगा। अत: इस हादसे से सबक लेते हुए देश भर के पर्यटन स्थलों, खासकर जोखिम वाले स्थानों पर सुरक्षा प्रोटोकाल विकसित कर इनका जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन होना चाहिए।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

प्राण प्रतिष्ठा से पहले मंगल ध्वनि से गूंजेगा नव्य भव्य राम मंदिर

● **मंदिर प्रांगण में गूंजेगी उत्तर प्रदेश के पखावज, बांसुरी और ढोलक की स्वर लहरी**

संवाददाता। लखनऊ/अयोध्या

भक्ति भाव से विभोर अयोध्या धाम में सोमवार को श्री राम जन्मभूमि पर होने वाली प्राण प्रतिष्ठा समारोह की शुरुआत मंगल ध्वनि से होगी। 50 से अधिक मनोरम वाद्ययंत्रए विभिन्न राज्यों से लगभग 2 घंटे तक इस शुभ घटना के साक्षी बनेंगे। यह भव्य संगीत कार्यक्रम हर भारतीय के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर का प्रतीक होगीए जो प्रभु श्री राम के सम्मान में विविध परंपराओं को एकजुट करने का कार्य करेगी। इस मांगलिक संगीत कार्यक्रम के परिकल्पनाकार और संयोजक यतीन्द्र मिश्र हैं, जो प्रख्यात लेखक, अयोध्या संस्कृति के जानकार और कलाविद् है। इस कार्य में उनका सहयोग केंद्रीय संगीत नाटक अकादेमीए नई दिल्ली ने किया है।

श्रीरामजन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पुनीत और ऐतिहासिक अवसर पर प्रातः 10 बजे से प्राण. प्रतिष्ठा मुहूर्त के ठीक पहले तकए लगभग 2 घण्टे के लिए श्रीरामजन्मभूमि मन्दिर में शुभ की प्रतिष्ठा के लिए श्मंगल ध्वनि का आयोजन किया जाएगा।

श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि हमारी भारतीय संस्कृति की परम्परा में किसी भी शुभ कार्यए अनुष्ठानए पर्व के अवसर पर देवता के सम्मुख आनन्द और मंगल के लिए पारम्परिक ढंग से मंगल. ध्वनि का विधान रचा गया है। इसी सन्दर्भ में प्रभु श्रीराम की प्राण.प्रतिष्ठा का यह श्रीअवसरए प्रत्येक भारतवासी के लिए शताब्दियों में होने वाला ऐसा गौरव का क्षण है, जब हम सम्पूर्ण भारत के विभिन्न अंचलों और राज्यों से वहां के पारम्परिक वाद्यों का वादन यहां श्रीरामलला के सम्मुख करने जा रहे हैं।

विभिन्न राज्यों के पच्चीस प्रमुख और दुर्लभ वाद्य यन्त्रों के मंगल वादन से अयोध्या में ये प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न होगा। इसे उन वादों के दक्ष कलाकार प्रस्तुत करेंगे।

इन राज्यों के प्रमुख वाद्यों का होगा वादन

भारतीय परंपरा के वादन में जितने प्रकार के वाद्ययंत्र हैंए सभी का मंदिर प्रांगण में वादन होगा। इनमें उत्तर प्रदेश का पखावज, बांसुरी, ढोलक, कर्नाटक का वीणा, महाराष्ट्र का सुंदरी, पंजाब का अलगोजा, ओडिशा का मर्दल, मध्यप्रदेश का संतूर, मणिपुर का पुंगए असम का नगाड़ा और काली, छत्तीसगढ़ का तंबूरा, बिहार का पखावज, दिल्ली की शहनाई, राजस्थान का रावणहत्था, बंगाल का श्रीखोल, सरोद, आंध्र का घटम, झारखंड का सितार, गुजरात का संतार, तमिलनाडु का नागस्वरम, तविल, मृदंग और उत्तराखंड का हुड़का, ऐसे वाद्ययंत्रों का वादन करने वाले अच्छे से अच्छे वादकों का चयन किया गया है। ये वादन ऐसे समय में चलेगा जब प्राण प्रतिष्ठा का मंत्रोच्चार और देश के नेतृत्व का उद्बोधन नहीं हो रहा होगा। महत्वपूर्ण की बात ये है कि ऐसे श्रेष्ठ लोग यहां स्वयं प्रेरणा से आ रहे हैं।

114 कलशों के औषधीय जल से हुआ श्रीरामलला का स्नान

लखनऊ/अयोध्या। श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान छठवें दिन रविवार को सुबह नौ बजे से प्रारंभ हुआ। 114 कलशों में औषधियुक्त जल एवं देश के विभिन्न तीर्थों से लाये गये पवित्र जल से श्रीरामलला की मूर्ति का स्नान कराया गया। प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान में नित्य के पूजनए हवन और पारायण के साथ पूजा प्रक्रिया प्रारम्भ हुईए जो देर शाम तक चली। श्रीरामलला के विग्रह को मध्याधिवास में रखा गया। आज ही रात्रि जागरण अधिवास भी हुआ। यज्ञशाला में श्रीरामलला के पुराने विग्रह की भी पूजा चल रही है। चेन्नईए पुणे सहित कई स्थलों से मंगाये गये विविध फूलों से पूजन का अनुष्ठान कराया गया। रविवार की पूजा में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से अनिल मिश्र सपरिवार और विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष डॉण् आरण् एनण् सिंह एवं अन्य लोग शामिल रहे। प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान की प्रक्रिया 16 जनवरी को दोपहर बाद सरयू नदी से प्रारंभ हुई थी। 17 जनवरी को श्रीरामलला की मूर्ति का मंदिर परिसर में आगमन हुआ था। सोमवार दोपहर अभिजीत मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान सम्पन्न होगा।

काशी के आचार्य संपन्न कराएंगे प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान

● **प्राण प्रतिष्ठा के बाद शाम को अयोध्या समेत पूरे देश में मनाई जाएगी दीपावली, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने किया है रामज्योति जलाने का आग्रह**

लखनऊ/अयोध्या। प्रभु की कृपा भयो सब काजुण्णअर्थात जब प्रभु की कृपा होती है तो सारे काम हो जाते हैं। हिन्दू समाज के 500 वर्षों के तप के बाद आखिरकार सोमवार को प्रभु श्रीरामलला अपने नव्य.भव्य और दिव्य महल में विराजने जा रहे हैं। 22 जनवरी को पीएम मोदी और सीएम योगी समेत संत समाज और अति विशिष्ट लोगों की उपस्थिति में रामलला के श्रीविग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक अनुष्ठान संपन्न होने जा रहा है। अयोध्या नगरी को हजारों क्विंटल फूलों से दुल्हन की तरह सजाया गया है। अवधपुरी में उत्सव सा माहौल है। सूर्यवंश की राजधानी अयोध्या धाम समेत पूरे देश के मंदिरों में राम संकीर्तन और राम चरित मानस का पाठ हो रहा है। फूलों से सजी अयोध्या जी में जन्मभूमि पथ से लेकर राम पथए भक्ति पथ और धर्म पथ की अलौकिक आभा देखते ही बन रही है। सांस्कृतिक नृत्य और वादन के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर प्रदेश के साथ.साथ देश भर की परंपराओं और कला का समागम हो रहा है। हर तरफ भगवान राम के भजन सुनने को मिल रहे हैं। सोमवार शाम को भव्य दीपोत्सव की तैयारी है। ऐसा लग रहा है मानों रघुनंदन के अभिनंदन के लिए पूरा स्वर्ग ही धरती पर उतर आया है। जनवरी में ही दीपावली का अहसान हो रहा है। शबरी केए केवट के, दमितों और वंचितों के, सबके श्रीराम आ रहे हैं और वो पीढ़ी धन्य हो रही हैए जिसे इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने का सौभाग्य मिल रहा है।

प्राण प्रतिष्ठा के लिए राम मंदिर परिसर समेत पूरे अयोध्या धाम को फूलों से सजाया गया है। जन्मभूमि स्थान में अलग.अलग तरह के देशी विदेशी फूलों से सजावट की गई हैए जबकि जन्मभूमि पथए राम पथए धर्म पथ और लता चौक पर भी सुंदर फूलों की सजावट है। विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए मंच बनाए गए हैं। विभिन्न धर्माचार्यों द्वारा अलग.अलग स्थानों पर राम कथा का आयोजन हो रहा है तो विभिन्न देशों की रामलीलाओं का मंचन भी किया जा रहा है। लता चौक पर लगी वीणा को भी लाइटिंग और फूलों के अद्भुत संगम से रौशन किया गया है। पूरे अयोध्या धाम में म्यूरल पेंटिंग और वॉल पेंटिंग के माध्यम से भगवान श्रीराम की जीवनी से जुड़े अलग.अलग अध्यायों का चित्रण किया गया है। राम की पैड़ी में सरयू आरती के साथ.साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ लेजर शो धार्मिक अलख जगा रही है। अयोध्या धाम का ऐसा कोई स्थान नहीं जो फूलों से या एलईडी लाइटिंग से रौशन न किया गया हो। यही नहींए अयोध्या आने वाले विभिन्न हाईवे भी फूलों और लाइट से सजाए गए हैं। कुल मिलाकर अयोध्या में स्वर्ग जैसा अहसास हो रहा है। इसके साथ ही सूर्यास्त के बाद अयोध्या में दस लाख दीयों से दीपोत्सव की भी तैयारी की गई है। वहीं पूरे देश और दुनिया में भी दीपोत्सव मनाया जाएगा। पीएम मोदी और सीएम योगी ने सूर्यास्त के बाद देशवासियों से 5 दीप प्रज्ज्वलित करने का आग्रह किया है।

भगवान श्रीरामलला की प्राण.प्रतिष्ठा का कार्यक्रम अभिजीत मुहूर्त में संपन्न किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सीएम योगी एक दिन पहले ही अयोध्या धाम पहुंच चुके हैं। वहीं पीएम मोदी सुबह 10ण्25 पर अयोध्या धाम के महर्षि बाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंच जाएंगे। 10.45 पर अयोध्या हैलीपैड पर उनका आगमन होगा। यहां से वो सीधे राम जन्मभूमि स्थल पर पहुंचेंगे। इसके बाद 11 बजे से 12 बजे तक वह विभिन्न आयोजनों में हिस्सा लेंगेए जबकि दोपहर 12.05 बजे से 12.55 तक प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन होगा। दोपहर एक बजे कार्यक्रम खत्म होने के बाद वह समारोह स्थल पर पहुंचेंगे, जहां अन्य विशिष्ट अतिथियों के साथ ही पूरे देश और दुनिया को संबोधित करेंगे। यहां सीएम योगी भी अपना उद्बोधन देंगे। कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए सीएम योगी ने दिन-रात एक कर दिया है। वो लगातार तैयारियों का जायजा ले रहे हैं और समीक्षा कर रहे हैं। कार्यक्रम से पहले बीते 13 दिनों में वह चार बार अयोध्या धाम का दौरा कर चुके हैं।

समारोह के अनुष्ठान की सभी प्रक्रियाओं का समन्वयए समर्थन और मार्गदर्शन करने वाले 121 आचार्य होंगे। वाराणसी के गणेशवर शास्त्री द्रविड़ सभी प्रक्रियाओं की निगरानी, समन्वय और दिशा.निर्देशन करेंगे तथा काशी के लक्ष्मीकांत दीक्षित मुख्य आचार्य होंगे। प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीए आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थित रहेंगे। प्राण प्रतिष्ठा की प्रक्रिया 16 जनवरी से ही शुरू हो चुकी है। 16 जनवरी को जहां प्रायश्चित्त और कर्मकूटि पूजन कराया गया थाए वहीं 17 जनवरी को मूर्ति का परिसर प्रवेश हुआ था। 18 जनवरी को तीर्थ पूजन, जल यात्रा, जलाधिवास और गंधाधिवास के साथ ही श्रीराम लला विग्रह को उनके स्थान पर विराजमान किया गया। 19 को औषधाधिवास, केसराधिवास, घृताधिवास, 19 को धान्याधिवास, 20 को शर्कराधिवास, फलाधिवास, पुष्पाधिवास और 21 जनवरी को मध्याधिवास और शय्याधिवास कराया गया।

प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर 8 हजार से ज्यादा लोगों को आमंत्रित किया गया है। इसमें साधु संतों के साथ विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित लोगों को बुलाया गया है। देर रात तक इनमें से कई लोग अयोध्या धाम पहुंच चुके हैंए जबकि बाकी लोग भी 22 को सुबह तड़के पहुंचने वाले हैं। इसके अतिरिक्त भारतीय आध्यात्मिकताए धर्मए संप्रदायए पूजा पद्धतिए परंपरा के सभी विद्यालयों के आचार्य, 150 से अधिक परंपराओं के संत, महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, श्रीमहंत, महंत, नागा सहित 50 से अधिक आदिवासी, गिरिवासी, तातवासी, द्वीपवासी आदिवासी परंपराओं के प्रमुख व्यक्तियों की कार्यक्रम में उपस्थिति रहेगी। भारत के इतिहास में पहली बार पहाड़ों, वनों, तटीय क्षेत्रों, द्वीपों आदि के वासियों द्वारा एक स्थान पर ऐसे किसी समारोह में प्रतिभाग किया जा रहा है।

प्राण प्रतिष्ठा में विभिन्न परंपराओं के लोगों को भी स्थान दिया गया है। शैव, वैष्णव, शाक्त, गाणपत्य, पात्य, सिख, बौद्ध, जैन, दशनाम शंकर, रामानंद, रामानुज, निम्बार्क, माध्व, विष्णु नामी, रामसनेही, घिसापंथ, गरीबदासी, गौड़ीय, कबीरपंथी, वाल्मीकि, शंकरदेव असम, माधव देव, इस्कॉन, रामकृष्ण मिशन, चिन्मय मिशन, भारत सेवाश्रम संघ, गायत्री परिवार, अनुकूल चंद्र ठाकुर परंपरा, ओडिशा के महिमा समाज, अकाली, निरंकारी, नामधारी पंजाब, राधास्वामी और स्वामीनारायण, वारकरी, वीर शैव इत्यादि कई सम्मानित परंपराएं इसमें भाग लेंगी। गर्भ.गृह में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के पूर्ण होने के बादए सभी साक्षी महानुभावों को दर्शन कराया जाएगा।

थल, नभ और जल से अभेद्य हुई रामनगरी

श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के मद्देनजर अयोध्या में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। धाम की सुरक्षा को लेकर इसे दो जोन रेड और यलो में बांटा गया है। एसपीजी, एनएसजी ब्लैक कैट कमांडो, सीआरपीएफ कोबरा, सीआईएसएफ, आरएएफ, एनडीआरएफ को तैनात किया गया है। चप्पे-चप्पे पर यूपी पुलिस के सुरक्षाकर्मी मुस्तैद हैं। घरों की छतों से लेकर अहम लोकेशंस पर स्नाइपर्स की भी तैनाती है। साथ ही इंटेलिजेंस ब्यूरो और रॉ भी गतिविधियों पर नजर रख रही है। धाम में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 100 से अधिक डीएसपी, लगभग 325 इंस्पेक्टर व 800 उपनिरीक्षकों को तैनात किया गया है, जबकि पुलिस और अर्धसैनिक बलों के 11000 जवानों को अतिरिक्त तैनात किया गया है। वहीं वीआईपी सुरक्षा के लिए तीन डीआईजी, 17 एसपीए 40 एएसपीए 82 डीएसपीए 90 इंस्पेक्टर के साथ एक हजार से ज्यादा कॉस्टेबल और 4 कंपनी पीएसी को तैनात किया गया है। श्रद्धालुओं को दर्शनीय स्थलों की जानकारी देने के लिए 250 पुलिस गाइड भी उपलब्ध है। योगी सरकार ने धाम की सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए आईटीएमएस, सीसीटीवी, कंट्रोल रूम एवं पब्लिक सीसीटीवी का भी सहारा ले रही है। एआई तकनीक पर आधारित एंटी ड्रोन सिस्टम पूरी तरह से सक्रिय मोड पर है।

सीएम योगी ने किया रेत शिल्प का अवलोकन कर ली सेल्फी

● **वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बुक ऑफ इंडिया की तरफसे दिया गया सर्टिफिकेट मुख्यमंत्री ने राज्य ललित कला अकादमी को किया प्रदान**

संवाददाता। लखनऊ/अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पद्मश्री सुदर्शन पटनायक द्वारा उकेरी गई रेतशिल्प से बनाई गई भगवान श्रीराम की आकृति का रविवार को अवलोकन किया। सीएम ने यहां सेल्फी भी ली। रेत शिल्प पर बनाई गई इस आकृति को वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बुक ऑफ इंडिया की तरफ से भगवान श्रीराम के सबसे बड़े रेत शिल्प का सर्टिफिक्रेट दिया गया है। सीएम योगी ने रविवार को यह सर्टिफिक्रेट राज्य ललित कला अकादमी की निदेशिका श्रद्धा शुक्ला को प्रदान किया।

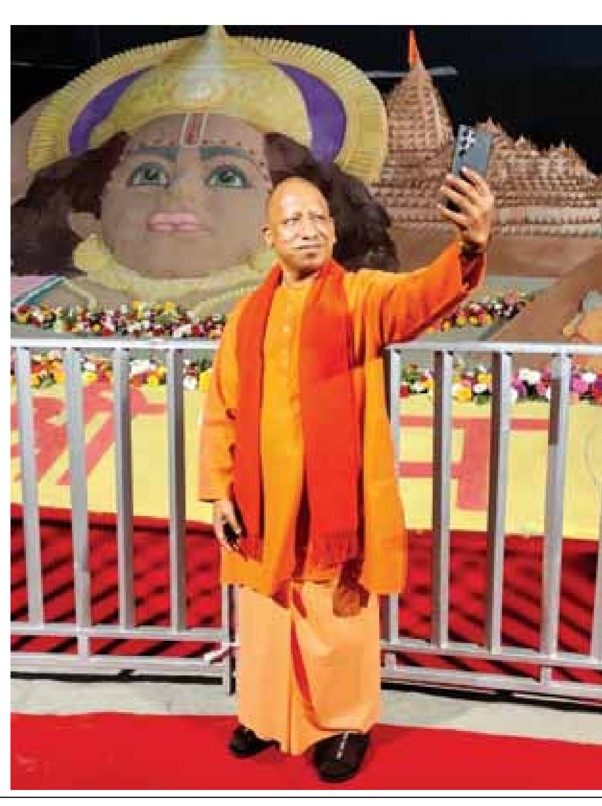

बता दें कि रामोत्सव 2024 के अवसर पर राज्य ललित कला अकादमी, उप्र संस्कृति विभाग की तरफ से रेतशिल्प कला शिविर का आयोजन किया गया था।

रेतशिल्प के प्रख्यात कलाकार ओडिशा के पुरी निवासी पद्मश्री सुदर्शन पटनायक ने अपनी टीम संग इसका निर्माण किया था। इसमें उनके सहयोगी संतोष कुमार नायक, बुलू मोहंती, जितेंद्र, प्रमोद बिसवाल, महेश्वर, केनी कावासी एवं बनामबार पटनायक भी शामिल रहे। सुदर्शन पटनायक की टीम ने 55 फीट लंबीए 35 फीट चौड़ीए 23 फीट ऊंची रेत शिल्प कलाकृति सृजित की। भगवान राम का 500 वर्षों बाद अपनी अयोध्या में आगमन हो रहा हैए इसमें राम मंदिर की 500 मिनिएचर कृतियों को भी संयोजित किया गया है। मुख्यमंत्री के साथ कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, अवनीश अवस्थी आदि मौजूद रहे।

100 मंचों पर सांस्कृतिक शोभायात्रा के सारथी बन रहे 2500 लोक कलाकार

● **डमरू वादन, मयूर लोकनृत्य, शंख वादन से होगा दिव्यतम भव्यतम स्वागत**

लखनऊ/अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 दिसंबर 2023 को रामनगरी आए थे तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उनका अभूतपूर्व स्वागत किया गया। 22 जनवरी 2024 को वह अद्भुत क्षण होगाए जिसका 500 वर्षों से इंतजार थाए लिहाजा आयोजन भी दिव्यतम होगा। इसे देखते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसे भव्यतम बनाने का निर्देश दिया है। प्रधानमंत्री के स्वागत को लेकर उप्र संस्कृति विभाग ने सारी तैयारी कर ली है। संस्कृति विभाग द्वारा तैयार किया गए 100 मंचों पर 2500 लोक कलाकार सांस्कृतिक शोभायात्रा के सारथी बनेंगे और नृत्य.गायन.वादन की अनेक विधाओं के जरिए कलियुग की अयोध्या में त्रेतायुग सा दीदार कराएंगे।

रामनगरी में 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में रामलला अपने दिव्य.भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। प्रधानमंत्री के आगमन पर उनका भव्य स्वागत होगा। यहां 100 मंचों पर 2500 कलाकार भव्य सांस्कृतिक शोभायात्रा के सारथी बनेंगे। 21 जनवरी को इसका पूर्वाभ्यास भी किया गया। 100 स्थानों पर कलाकार

भारतीय संस्कृति की खुशबू अपनी प्रस्तुति से बिखरेंगे। इनमें एयरपोर्ट के गेट नंबर.3 के सामनेए गुरुदेव पैलेस के सामने, दिशा कोचिंग के सामनेए जीवन साथी मैरिज लॉन, साकेत पुरी मोड़ए महोबरा ब्रिज से पहले और बादए महेश योगी रामायण के सामने, सूर्या पैलेस होटलए मल्टीलेवल पार्किंग जानकी रसोईए साकेत पेट्रोल पंपए धर्मपथ से लता चौक की तरफ, लता चौक से श्रीराम पथ की तरफ, रामजन्मभूमि गेट नंबर.एक के सामनेए अरुंधति कॉम्पलेक्स से एलईडी वॉल के बगल में टेढ़ी बाजार चौराहे तक, साकेत डिग्री कॉलेज के गेट नंबर.1 के सामने, सर्किट हाउस गेट के बगल में, रामपथ प्रारंभ, पराग डेयरीए श्रीराम मंदिर गेट से लता चौक की तरफए होटल राजा राम पैलेस समेत 100 मंचों पर कार्यक्रम होगा।

रामनगरी में सिर्फअवध ही नहींए बल्कि पूरा उत्तर प्रदेश नजर आएगा। वाराणसी के मोहित चौरसिया, राजेश उपाध्यायए दीपक शर्मा डमरू वादन से जहां रामनगरी में काशी की महिमा के जरिए अपने सांसद का स्वागत करेंगे तो अयोध्या के राजीव लोचन मिश्र शंख वादन से अतिथि देवो भवः की परंपरा का साक्षात्कार कराएंगे। गाजीपुर के सल्टू राम, संजय कुमार, आजमगढ़ के सुनील कुमार, मुन्ना लाल मंचों पर धोबिया लोकनृत्य की बहार बहाएंगे। गोरखपुर के छेदी यादवए रामज्ञान, विंध्याचल आजाद फरुआही नृत्य से माटी की खुशबू बिखरेंगे तो गोरखपुर की ही सुगम सिंह शेखावत व राकेश कुमार टीम के साथ वनटांगिया जनजातीय लोकनृत्य का दीदार कराएंगी। लखनऊ की जूही कुमारी अवधी, मानसी विष्ट उत्तरांचल के नृत्य से अभ्यागतों का स्वागत करेंगे। मथुरा के खजान सिंह व महिपाल बम रसिया तो राजेश शर्मा.मणिकाए माधव आचार्यए गीतकृष्ण शर्मा मयूर लोकनृत्य से ब्रज की खुशबू से अवध को महकाएंगे। झांसी के प्रदीप सिंह भदौरिया की टीम राई लोकनृत्य प्रस्तुत करेगी। सोनभद्र के कतवारू मादल वादन तो महेंर्द कर्मा आदिवासी नृत्य पेश करेंगे।

प्राण प्रतिष्ठा पर रामनगरी में होंगे समूचे भारत के दर्शन

● **मालिनी अवस्थी, कन्हैया मित्तल सरीखे कलाकारों से सुरमयी होगी सांझ ● राम की पैड़ी पर होगी लेजर शो व इको फ्रेंडली आतिशबाजी**

● **आंध्र प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल की संस्कृति का भी आज अयोध्या में होगा दीदार**

संवाददाता। लखनऊ/अयोध्या

आखिरकार 22 जनवरी की वह तिथि आ ही गईए जिसका इंतजार 500 वर्षों से था। इस तिथि पर समूची रामनगरी को सजाने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ ने खुद ही सारी व्यवस्था की कमान संभाली और निरंतर निरीक्षण कर अभूतपूर्व आयोजन का निर्देश भी दिया। अब 22 जनवरी को रामनगरी में समूचे भारत के दर्शन होंगे। संस्कृति मंत्रालय के क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों के 200 कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। इनमें यहां आंध्र प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, मेजबान उत्तर प्रदेश की झलक प्रस्तुत होगी। वहीं मालिनी अवस्थी. कन्हैया मित्तल सरीखे कलाकार भी सुरमयी सांझ सजाएंगे। राम की पैड़ी पर इको फ्रेंडली आतिशाबाजी व लेजर शो भी होगा।

22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के उपरांत अनेक आयोजन होंगे। शाम छह बजे से श्रीराम भारती कला केंद्र की तरफ से रामकथा पार्क में रामलीला होगी। वहीं पर्यटन विभाग के तत्वावधान में शाम 6.30 बजे से सात बजे तक राम की पैड़ी पर सरयू आरती होगी। सात बजे तक यहीं प्रोजेक्शन शो का आयोजन किया गया है। शाम साढ़े सात से 7.45 तक राम की पैड़ी पर लेजर शो होगा। इसके पश्चात इको फ्रेंडली आतिशबाजी का नजारा प्रस्तुत किया जाएगा।

रामनगरी में प्राण.प्रतिष्ठा की सांझ पद्मश्री मालिनी अवस्थी तथा कन्हैया मित्तल सरीखे कलाकारों से सुरमयी होगी।

तुलसी उद्यान पर रात्रि 8 से 9 बजे तक मालिनी अवस्थी का कार्यक्रम होगा। इसी अवधि में कन्हैया मित्तल रामकथा पार्क में प्रस्तुति देंगे। तुलसी उद्यान में शाम सात से आठ बजे तक उज्जैन के शर्मा बंधु भजनों की सुर गंगा में डुबकी लगाएंगे।

इसी अवधि में राम कथा पार्क नागपुर के वाटेकर सिस्टर्स की प्रस्तुति होगी। प्रतिदिन की भांति सुबह 10.30 से भजन संध्या स्थल पर देवकीनंदन ठाकुर की श्रीरामकथा होगी। यूपी के विभिन्न अंचलों के लोकनृत्यों के कलाकारों के साथ ही संस्कृति मंत्रालय के क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों के 200 कलाकारों की तरफ से अयोध्या के 100 चिह्नित स्थलों पर सांस्कृतिक शोत्रायात्रा होगी। इसमें हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान समेत कई राज्यों के कलाकार भी हिस्सा लेंगे।

राममंदिर आंदोलन के नायक 'ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ'

● **भव्य राम मंदिर का निर्माण उनके दिलो दिमाग पर अमिट रूप से चस्पा था**

लखनऊ। बात साल 2014 की है। गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ 96 साल के हो चुके थे। उम्रजनित रोगों के कारण उनका स्वास्थ्य लगातार गिर रहा था। जुलाई में स्थित गंभीर होने पर योगी जी ने उनको गुड़गांव के वेदांता में भर्ती कराया। तब उनको देखने अशोक सिंघल आए ।दोनों देर तक एक दूसरे को देखते रहे। अंत में गुरुदेव ने सिर्फइतना कहा, अशोकजी मैं मंदिर का निर्माण देख नहीं पाऊंगा क्या। चूंकि यह बड़े महाराज ;प्यार से ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ को लोग यही कहते थेद्ध का एक ही सपना थाएउनके जीते जी अयोध्या में जन्मभूमि पर भव्य और दिव्य मंदिर का निर्माण उनके जीववंकाल में हो। लिहाजा जब उम्र साथ छोड़ने लगी तो राम मंदिर आंदोलन से जुड़ा कोई भी महत्वपूर्ण व्यक्ति उनके पास आता था तो यह सवाल वह उनसे कई बार पूछते थे। तब भी जब वह बढ़ती उम्र की वजह से भूलने लगे थे। क्योंकि यह एक सवाल था, एक ऐसा सपना था। इस सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने इतना संघर्ष किया था कि यह उनके दिलो दिमाग पर अमिट रूप से चस्पा हो गया था।

वाकया करीब डेढ़ दशक पहले का होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघ चालक रहे सुदर्शन जी का गोरखपुर में किसी कार्यक्रम में आना हुआ। उम्रजनित कारणों से महंत अवेद्यनाथ की तबीयत खराब रहती थी। लिहाजा उनका कहीं आना जाना नहीं होता था। ऐसे में उस समय संघ या भाजपा का कोई भी बड़ा पदाधिकारी या नेता गोरखपुर आता था तो बड़े महाराज से मिलने का समय निकाल ही लेता था। इसी क्रम में सुदर्शन जी का गोरखनाथ स्थित मठ में आना हुआ।

मेहमानों को दिया जाएगा शुद्ध देशी घी से बना महाप्रसाद

लखनऊ/अयोध्या। अयोध्या धाम में श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में अब कुछ ही घंटे शेष हैं। योगी सरकार ने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को भव्य और दिव्य बनाने के लिए अयोध्या धाम को एक दुल्हन की तरह सजा दिया है। वहींए प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आने वाले वीआईपी मेहमानों के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से महाप्रसाद तैयार कराया गया है। जो प्राण प्रतिष्ठा के बाद उन्हें भेंट किया जाएगा। इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान मेहमानों को मंदिर परिसर में देश घी से तैयार भोजन भी परोसे जाने की तैयारी है। श्रीराम जन्भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मार्गदर्शन में गुजरात की भगवा सेना भारती गरवी गुजरात व सन्त सेवा संस्थान की ओर से महाप्रसाद तैयार किया जा रहा है, जिसे प्राण प्रतिष्ठा कार्यकम के बाद मेहमानों को वितरित किया जाएगा। संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भाई रावल ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से उन्हें तीन दायित्व सौंपे गये हैं। उन्हें महाप्रसाद तैयार करने के साथ संतों के ठहरने और खाने.पीने की व्यवस्था का दायित्व सौंपा गया है। उन्होंने बताया कि करीब 200 लोगों की टीम द्वारा 5 हजार किलो से अधिक सामग्री से महाप्रसाद को तैयार किया गया है। महाप्रसाद को शुद्ध देशी घीए बेसनए शक्कर और पंच मेवे से तैयार किया गया है। महाप्रसाद की शुद्धता का भी विशेष ध्यान रखा गया हैए जिसमें सभी सामग्रियों को खुद संस्थान की ओर से निर्मित किया गया। महाप्रसाद की किसी भी सामग्री को बाजार से रेडीमेड नहीं लिया गया है। उन्होंने बताया कि महाप्रसाद के 20 हजार से अधिक पैकेट को तैयार किया गया है। इस पैकेट में दो लड्डू, सरयू नदी का जल, अक्षत, सुपारी की थैली और कलावा होगा। महाप्रसाद के पैकेट को सनातनी परंपरा को ध्यान में

रखकर तैयार किया गया है। संस्थान की ओर से 21 जनवरी को महाप्रसाद के पैकेट को ट्रस्ट को सौंप दिया गया है। ट्रस्ट की ओर से रोजाना पांच हजार से अधिक संतों को प्रतिदिन भोजन कराया जा रहा है। साथ हीए उन्हें उदासीन आश्रम रानोपाली में ठहराया जा रहा है। संतों को एक किट दी जा रही हैंए जिसमें कंबलए तकिया और चादर शामिल है। इसके अलावा ट्रस्ट की ओर से प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने वाले मेहमानों के लिए मंदिर परिसर में भोजन की व्यवस्था की गई हैं। मेहमानों को फ्लाहारीए बाजरा आधारित व्यंजन के साथ सात्विक शाकाहारी भोजन परोसा जाएगा। इन व्यंजनों को वाराणसी और दिल्ली के शेफतैयार करेंगे। इसके अलावा मेहमानों को थेपलाए बादाम बर्फी और मटर कचौरी भी परोसी जाएगी।

राम अयोध्या वापस लौटे, दीपमालिका पर्व मनाएं

● शैलेन्द्र साहित्य सरोवर की 316वीं साप्ताहिक रविवासरीय काव्य गोष्ठी आयोजित

संवाददाता। फतेहपुर

मुराइन टोला स्थित हनुमान मंदिर में शैलेन्द्र साहित्य सरोवर के बैनर तले एक सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन केपी सिंह कछवाह की अध्यक्षता एवं शैलेन्द्र कुमार द्विवेदी के संचालन में हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में मंदिर के महंत स्वामी रामदास उपस्थित रहे। काव्य गोष्ठी का शुभारंभ करते हुए केपी सिंह कछवाह ने वाणी वंदना में अपने भाव प्रसून प्रस्तुत करते हुए कहा सरस्वती मां आइए, कर वीणा झंकार। ज्ञान भरो मां बुद्धि मे, अंतस में उजियार।कार्यक्रम को गति देते हुए आगे कविता पढ़ी-राम लला की प्राण प्रतिष्ठा, घर घर बंदनवार सजाएं।

राम अयोध्या वापस लौटे, दीपमालिका पर्व मनाएं। अनिल कुमार तिवारी निर्झर ने अपने भाव प्रस्तुत करते हुए गाया-दुंदुभि बजती विजय की, प्रांत नगर अरु ग्राम। पुन: अयोध्या धाम में, प्रकटे प्रभु श्रीराम। रवीन्द्र तिवारी ने काव्य पाठ किया-जय जय श्रीराम के नारे से धरती औ अंबर डोल रहा। हर हिंदू के रोम रोम में भाव भक्ति के घोल रहा। दिनेश श्रीवास्तव ने अपने भावों को एक छंद के माध्यम से कुछ इस प्रकार प्रस्तुत किया-जिनके हित व्रत उपवास किया, नित लोचन अश्रु बहाए हैं, वह राम लला निज भक्तों हित ,अच्छे दिन लेकर आए हैं। दीप चंद्र गुप्ता ने कविता में अपनी बात कुछ इस प्रकार कही-निकल रहे हैं राम भक्त अब अपने घर के द्वारों से। नगर, गांव सब गूंज रहे हैं, प्रभु राम के नारों से।

डा. सत्य नारायण मिश्र ने काव्य में अपने विचार कुछ इस प्रकार व्यक्त किए मोदी जैसा नेता मिलता, युगों युगों पश्चात। नदी नाव संयोग बना है बहुत दिनों के बाद। नरेंद्र कुमार ने अपने भावों को मुक्तक में कुछ इस प्रकार पिरोया भारत की है आत्मा, सदृश अयोध्या धाम। पुलकित नर नारी सभी, फिर आए श्रीराम। शिव सागर साहू ने अपनी बात कुछ इस प्रकार एक गीत में कही-राम भक्त की अटल तपस्या, जिसने रचा नया इतिहास। भू पर सो, पी वारि नारियल, साथ चले ले राष्ट्र विकास।

श्रवण कुमार पांडेय पथिक ने एक मुक्तक में कहा सृजन अभिलाष पूर्ण करो श्रीराम जू, दीन बंधु आप तो दिव्य दया वंत हो। सुन्दरम सोनी ने काव्य पाठ किया नाश होता पापियों का राम जी की शक्ति से।

धन्य होता धरा-धाम, उनकी ही भक्ति से। काव्य गोष्ठी के आयोजक एवं संचालक शैलेन्द्र कुमार द्विवेदी ने अपने भाव एक गीत के माध्यम से कुछ यों व्यक्त किये राम लला की प्राण प्रतिष्ठा संस्कृति का जयघोष है। भक्ति भावना से परिपूरित, सबका अंतस कोष है।

प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में किया गया रक्तदान

फतेहपुर। आज राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर संस्था सर्व फॉर ह्यूमैनिटी फॉउंडेशन के सदस्य हरिहरगंज निवासी सुंदरम शुक्ला व पटेल नगर निवासी ऋषभ सिंह ने श्याम नर्सिंग होम के रक्तकेन्द्र में अपना स्वैच्छिक रक्तदान किया, जिसमें डॉ. प्रवीण प्रसून श्रीवास्तव ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान सम्मानित किया। संस्था के गुरमीत सिंह ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं होता। इसलिए सभी को समय-समय पर रक्तदान करके मरीजों की जान बचाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होने शहरियों का आह्वान किया कि ज्यादा से ज्यादा रक्तदान करें। इस अवसर पर सर्व फॉर ह्यूमैनिटी संस्था से गुरमीत सिंह, सत्यमेव शुक्ला, आकाश मिश्रा, सुधीर शुक्ला, आदि मौजूद रहे।

मजदूर संघ के सम्मेलन में सदस्यों ने लगाए पुरानी पेंशन लागू हो के नारे

● विधायक ने उच्च स्तर पर वार्ता का दिया आश्वासन

संवाददाता। फतेहपुर

देश हित में करेंगे काम काम का लेंगे पूरा दाम जैसे नारों के बीच पुरानी पेंशन लागू हो, मृतक आश्रितों की शत-प्रतिशत भर्ती हो, निजीकरण पर रोक लगाई जाए जैसी मांगों के बीच बिंदकी विधायक जय कुमार सिंह जैकी ने उच्च स्तर पर वार्ता करने का आश्वासन दिया। भारतीय मजदूर संघ का जिला सम्मेलन बल्दीधाम मंदिर कोढ़ई में सम्पन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि विधायक जय कुमार सिंह जैकी ने कर्मचारियों की मांगों को लेकर उच्च स्तर पर वार्ता का आश्वासन देने के साथ कहा कि प्रधानमंत्री के निर्देशन में देश एक नई दिशा की ओर बढ़ रहा है। जिसमें हम सबको मिलकर एक आहूत रूप से अपना योगदान जरूर देना होगा। सैकड़ों वर्षों के इंतजार के बाद भव्य राम मंदिर का निर्माण हो चुका है। यह एक मानव जाति के गर्व का पर्व है।

संरक्षक भारतीय मजदूर संघ राजेंद्र सिंह ने कहा कि हम उस विचार धारा से नहीं आते जहां पर यह कहा जाता है कि हमारी मांगे पूरी हो चाहे जो मजबूरी हो, हमारी विचारधारा तो उस नींव पर आधारित है जिसमें राष्ट्र हित व उद्योग हित सर्वोपरि है। बाद में श्रमिक हित पर टिकी है इसलिए हम लोग देश हित में करेंगे काम काम के लेंगे पूरे दाम को चरितार्थ करते हैं। विभाग प्रमुख राधेश्याम ने भारतीय मजदूर संघ की जिला कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए विष्णु वर्मा वर्मा को अध्यक्ष व जय शंकर गुप्ता को जिला मंत्री के पद पर चयन किया। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष विष्णु वर्मा ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मजदूर संघ के सिद्धांतों के अनुसार हम सभी लोग देश के वैभव को उच्च स्तर पर ले जाने के लिए प्रयास करते रहेंगे। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल, प्रदीप के अलावा भारतीय मजदूर संघ के सदस्य उपस्थित रहे।

राम प्राण प्रतिष्ठा एवं गणतंत्र दिवस के दृष्टिगत सघन तलाशी अभियान

फर्रुखाबाद। अयोध्या में राम प्राण प्रतिष्ठा एवं गणतंत्र दिवस को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों के बॉर्डर परशांन्तिसुरक्षा ,कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए, संदिग्ध वाहनों का आज तड़के घने कोहरे के दौरान सघन चेकिंग अभियान शुरू किया गया।पुलिस सूत्रों के अनुसार जिले के कंपिल थाना पुलिस द्वारा अटैना घाट पर बैरियर लगाकर आज तड़के घने कोहरे में सन्धिग्ध वाहनों को रोक-रोक कर चेकिंग की गई। नवाबगंज थाना पुलिस ने शमशाबाद स्टेशन पर जोरदार चेकिंग अभियान चलाया। इसी क्रम में फर्रुखाबाद कादरी गेट थाना पुलिस ने गंगा पांचाल घाट एवं रोडवेज बस अड्डे पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया।

पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन में आज तड़के सन्धिग्ध वाहन चेकिंग अभियान में कमालगंज थाना पुलिस ने खुदागंज बॉर्डर पर वॉरियर लगाकर वाहनों की चेकिंग की गई। शमशाबाद थाना पुलिस द्वारा ढाई घाट बॉर्डर पर वेरियर लगाकर वाहनों को चेक करने का विशेष अभियान चलाया गया। मोहम्मदाबाद कोतवाली पुलिस द्वारा काली नदी पुल के समीप संदिग्ध वाहनों को रोक-रोककर विशेष अभियान चलाया गया।

गरीबों के मुंह से निवाला छीन रहे हैं कोटेदार

दो दर्जन से अधिक लोगों ने मुख्यमंत्री एवं प्रमुख सचिव से की शिकायत

संवाददाता। संडीला, हरदोई

गरीबों को भरपेट भोजन उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गयी प्रधानमंत्री की विश्व प्रसिद्ध नि:शुल्क खाद्यान वितरण योजना का बंटाधार कोटेदारों द्वारा किया जा रहा है। पूर्ति विभाग के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि इस संबंध में मूक दर्शक हैं। लोगों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री और प्रमुख सचिव खाद्य पूर्ति विभाग से सारे मामले की जांच कराकर कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ग़रीबों को मुफ़्त खाद्यान उपलब्ध कराने की योजना हालांकि कोरोना काल में शुरू की गयी थी लेकिन प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी तथा प्रधानमंत्री ने इस योजना को वर्ष 2025 तक बढ़ाकर ग़रीबों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया। प्रत्येक राशन कार्ड धारक को प्रति यूनिट 5किलो खाद्यान उपलब्ध कराने के आदेशों को कोटेदारों ने धता बताते हुए प्रत्येक राशन कार्ड पर एक यूनिट अर्थात् 5किलो राशन को दुकान पर ही काटने के बाद राशन कार्ड धारक को देने की अनोखी प्रणाली विकसित की और यही नहीं यदि किसी राशन कार्ड पर 30 किलो खाद्यान कोटेदार द्वारा दिया गया है तो वह बाहर तौलने पर 28किलो से अधिक नहीं निकलेगा। इसके अलावा कोटेदार कई बार जुगाड़ बनाकर ई-पास मशीन को हैक कर लेते हैं जिससे मशीन पात्र गृहस्थी की मुखिया के अंगूठे को अस्वीकृत कर देता है, तो उसे कोटेदार यह कहकर वापस कर देते हैं कि मशीन तुम्हारा अंगूठा मैच नहीं कर रही है और इसके बाद उस राशन कार्ड धारक का सारा खाद्यान कोटेदार द्वारा हड़प लिया जाता है। हद तो यह है कि कोटेदारों द्वारा विद्यालयों के मध्याहन भोजन योजना के लिए दिए जाने वाले खाद्यान में भी अपनी गोटी लाल कर लेते हैं। विद्यालयों का कुंतल के अतिरिक्त खाद्यान कोटेदारों द्वारा नहीं दिया जाता, जिससे विद्यालयों के गरीब बच्चों के मुंह का निवाला भी छिनता है।

कोटेदारों के द्वारा हड़पे गए गरीबों के खाद्यान की खपत क्षेत्र में ही स्थित फ़्लोर मिलों में हो जाती है। बताया जाता है कि नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में हैंडलर कोटेदार भी बन गए हैं। यह हैंडलर नगर के क्षेत्र के तमाम कोटेदारों से कोऑर्डिनेशन करके उनका सारा खाद्यान किसी एक धन्ना सेठ को उपलब्ध कराते हैं और एक मुश्त भुगतान प्राप्त कर उसका वितरण कोटेदारों को करते हैं। यही स्थिति ब्लाक लेवेल पर है।

क्षेत्र में खाद्यान की इस लूट के संबंध में न तो क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षक और न ही जिला स्तर पर तैनात अधिकारी कभी कोई ध्यान देते हैं तमाम पीड़ित लोगों द्वारा समय-समय पर तहसील स्तर पर तैनात नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के पूर्ति निरीक्षकों से शिकायतें की गयीं लेकिन कोटेदार का कुछ बिगड़ना तो दूर की बात, उल्टे शिकायतकर्ता को ही कोटेदार और उनके दबंग गुर्गे का कोपभाजन बनना पड़ गया। इस संबंध में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में होने वाले तहसील दिवस में भी प्रार्थना पत्र दिए गए लेकिन जांच के नाम पर पूर्ति विभाग के अधिकारियों ने लीपा पोती कर दी। इसके अलावा गरीब पीड़ित लोगों ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के समक्ष भी कोटेदारों की मनमानी के मामले उठाए लेकिन वहां से उन्हें कोरे आश्वासन ही मिले। किसी जनप्रतिनिधि ने कोटेदारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की ज़रूरत नहीं समझी। कार्रवाई सिर्फ उसी कोटेदार के विरुद्ध हुई जो उक्त जनप्रतिनिधि को राजनीतिक रूप से सूट नहीं कर रहा था। क्षेत्र में कोटेदारों द्वारा की जा रही अनियमितता के संबंध में प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए पूर्ति विभाग के क्षेत्रीय निरीक्षकों से संपर्क किया गया तो पूर्ति निरीक्षकों ने फ़ोन ही रिसीव नहीं किया इसलिए इनकी प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हुई। कोटेदारों की इस प्रकार की कार्यप्रणाली को बड़ संख्या में लोगों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं प्रमुख सचिव खाद्यापूर्ति विभाग को प्रार्थना पत्र भेजकर सारे मामले की जांच कराकर गरीबों को न्याय दिलाने की मांग की है।

क्विक न्यूज

प्राण प्रतिष्ठा को लेकर एसपी रेलवे ने किया निरीक्षण

फतेहपुर। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दौरान यात्री सुरक्षा एवं गणतंत्र दिवस व माघ मेला सुरक्षा को लेकर रेलवे पुलिस द्वारा बरती जा रही सतर्कता एवं विभाग की सुरक्षा संबंधित व्यवस्थाओं का जायज़ा लेने रविवार को एसपी रेलवे प्रयागराज अष्ट भुजा प्रसाद ने आदर्श रेलवे स्टेशन फ़तेहपुर का निरीक्षण किया। जीआरपी व आरपीएफकी संयुक्त टीम को अयोध्या स्थित रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान जाने वाले यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, माघ मेला व गणतंत्र दिवस के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ियों को लेकर सतर्कता बरतने एव अपरिहार्य परिस्थितियों से निपटने के लिये तैयार रहने के निर्देश दिए। एसपी रेलवे द्वारा स्टेशन परिसर की सुरक्षा का जायज़ा लिया गया। मेटल डिटेक्टर से लैस टीम द्वारा स्टेशन परिसर का कोना कोना छाना गया। टीम के द्वारा यात्रियों के सामानों को भी खंगाला गया। साथ ही संदिग्धो की तलाशी भी ली गयी। एसपी रेलवे ने जीआरपी व आरपीएफकी संयत्त टीमो को राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान आयोध्या जाने वाले यात्रियों की भीड़भाड़ व यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने एव माघ मेला व गणतंत्रण दिवस के पूर्व आतंकी घटनाओं को लेकर सतर्कता बरतने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने यात्री सुरक्षा को लेकर निरन्तर अभियान चलाने का भी निर्देश दिया। इस मौके पर जीआरपी प्रभारी निरीक्षक राजकुमार मौर्या, आरपीएफथानाध्यक्ष एके यादव आदि रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन

कानपुर देहात। अमरौधा में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें भारत सरकार की मोदी गारण्टी वैन के माध्यम से भारत सरकार की उपलब्धियों को जन जन तक प्रसारित किया गया पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान उपस्थित रहे एवम प्रदेश उपाध्यक्ष समीम अहमद सहित गणमान्य प्रतिनिधिगण सहित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी एवं हजारों स्थानीय निवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लाभार्थियों द्वारा मेरी कहानी मेरी जुबानी के तहत सरकार एवं मोदी गारण्टी कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रसंशा की तथा सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने एवं लाभ दिलाने का अस्वासन दिया, तथा चयनित लाभर्थियों को प्रसस्ति पत्र, आयुष्मान कार्ड, एवं प्रधानमंत्री आवास की चावी सौपी गई हाईवे पुल के नीचे भी हजारों की संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

जनप्रतिनिधियों ने किया विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का शुभारम्भ

संवाददाता। फतेहपुर

विकास खण्ड धाता के ग्राम पंचायत नसीरपुर, घोषी में विधायक खागा श्रीमती कृष्णा पासवान, ब्लॉक खजुहा के ग्राम पंचायत पारादन में विधायक बिंदकी जय कुमार सिंह जैकी व विधायक जहानाबाद राजेन्द्र सिंह पटेल ने विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलित कर मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया। विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के साथ नागरिको ने एलईडी वीडियो वैन के माध्यम से प्रधानमंत्री के विकसित राष्ट्र बनाने संबंधी वीडियो क्लिप को देखा एवं सुना।

उन्होंने उपस्थित नागरिकों को वर्ष 47 तक विकसित राष्ट्र/आत्मनिर्भर बनाने की शपथ दिलाई। जनप्रतिनिधियों ने बच्चो को खीर खिलाकर अन्नप्रासन कराया और गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कर पोषण किट दिए। इस दौरान मेरी कहानी मेरी जुबानी के माध्यम से विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों ने अपनी कहानी साझा किया। विभिन्न योजनाओ के लाभार्थियों को यथा-मुख्यमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत शौचालय, घरौनी, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के स्वीकृत प्रमाण-पत्र का वितरण किया गया और सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

विकास खण्ड हथगाम के ग्राम पंचायत कुल्हाड़िया, रसूलपुर, त्योजा, ब्लाक खजुहा के ग्राम पंचायत सेलवन, ब्लॉक मलवां के ग्राम पंचायत बीकमपुर, ओरखा कुंवरपुर में खंड विकास अधिकारी की देखरेख में व जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया। कैम्प व वैन के माध्यम से सरकार की योजनाओ का व्यापक प्रचार प्रसार किया गया। सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों को मुख्य धारा से जोड़ने हेतु विकसित भारत यात्रा का आयोजन किया गया। योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया गया। विभिन्न योजनाओ के लाभार्थियों को स्वीकृति-प्रमाण पत्र का वितरण किया गया, इस दौरान बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि, शिक्षा विभाग, उद्यान विभाग, खाद्य सुरक्षा विभाग, एनआरएलएम विभाग, बैंक सम्बन्धी, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना से सम्बन्धित लगाये गये विभिन्न स्टालों को देखा और विभाग द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के सम्बन्ध में जानकारी भी प्राप्त की।

समाज को शिक्षित और विकसित किए जाने पर चल रहा है मंथन: जगनायक

अखिल भारत वर्षीय यादव महासभा द्वारा खिचड़ी भोज का आयोजन

संवाददाता। फतेहपुर

अखिल भारत वर्षीय यादव महासभा सैनिक गेस्ट हाउस बाईपास में सैनिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष वीर सिंह के नेतृत्व में खिचड़ी भोज व पिछड़ा वर्ग आयोग सम्मान समारोह किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के कार्यकारणी प्रदेश अध्यक्ष जगनायक सिंह यादव व जिलाध्यक्ष चौधरी राजेश यादव का फूल माला पहनकर भव्य स्वागत किया। सैनिक गेस्ट हाउस में सैनिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष वीर सिंह यादव ने नगर पालिका चेयरमैन राजकुमार मौर्य का भी स्वागत किया। संचालन विनय यादव कोषाध्यक्ष ने किया।

मुख्य अतिथि जगनायक सिंह यादव ने बताया कि हमारा मुख्य उद्देश्य व्याप्त कुरीतियों और शिक्षा के बारे में मंथन करना है। समाज को कैसे शिक्षित और विकसित किया जाए कैसे यादव समाज और हमारे पिछड़ा वर्ग आयोग के लोग कैसे आगे बढ़े उसके बारे में हम सब को सोचना पड़ेगा। कार्यक्रम में सभी वक्ताओं ने अपनी अपनी बात रखी। इस मौके पर पंडित राधिका शास्त्री, मुन्ना लोधी, पूर्व जिलाध्यक्ष विपिन सिंह, निदान सिंह, फूल सिंह, वीरेंद्र यादव, विक्रम सिंह यादव, सूघर सिंह, अमित पाल, हरिश्चंद्र यादव, प्रभात पटेल, नर सिंह, संजय यादव, इंद्रजीत यादव, निर्मल यादव, शिव भोले पाल, सुधीर कुमार पाल, प्रियंका सिंह, फूल सिंह लोधी, संतोष कुमार सविता, देवदत्त प्रधान, रोली शास्त्री, समीर मौर्य, आनंद यादव, विक्रम यादव प्रधान चौफेरवा, भूप सिंह यादव, नरसिंह यादव, महासचिव नरसिंह यादव, परीक्षित यादव, हथगाम संगठन के सभी पदाधिकारी व पिछड़ा वर्ग के संगठनों के सभी लोग मौजूद रहे।

तकनीकी ज्ञान देश के युवाओं को बनायेगा आत्मनिर्भर: वीर सिंह

गुरसहायगंज, कन्नौज। जीवन पथ पर सफ्लता की ऊंचाईयों को प्राप्त करने के लिए तकनीकी ज्ञान का होना बेहद आवश्यक है। क्योंकि वर्तमान परिवेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने से जहां योग्यता में बृद्धि होती है। वहीं दूसरी ओर डिजीटल व तकनीकी ज्ञान सशक्त व आत्मनिर्भर बनानें का कार्य करेंगे। और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफ्लता प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होंगे।

यह बात रविवार को चौधरी इंदल सिंह महाविद्यालय लखइयामऊ में छात्र-छात्राओं को स्मार्टफोन वितरित करने के उपरांत पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष वीरसिंह भदौरिया ने कही। कहा कि भाजपा सरकार पर युवाओं का भविष्य संवारनें की जिम्मेदारी है। इसलिये डिजीटल भारत के निर्माण का कार्य कर रही है। वही स्मार्ट फोन पाकर छात्र एवं छात्राओं के चेहरों पर स्मार्ट फोन पाने की खुशी की स्पष्ट झलक देखनें को मिली। महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ संजय कुमार यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि 289 स्मार्ट फोन प्राप्त हुए थे। जिसमें से 170 स्मार्ट फोन का वितरण महाविद्यालय से कर दिया गया है। इस अवसर पर क्रय विक्रय समिति अध्यक्ष सन्तोष चतुर्वेदी, रोबिन यादव, आफ्ताब अहमद, डॉ बगीश चंद्र त्रिपाठी, विष्णु रंजन पाठक, अरुण कुमार शर्मा, सचिन कुमार, पूरन सिंह, गरिमा सारस्वत, अभय चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे

केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी ने किया सड़क का लोकार्पण

संवाददाता। निघासन खीरी

निघासन से सुकाली पुरवा तक लगभग 647 लाख की लागत से बनी सड़क

प्रधानमंत्री सड़क योजना के अन्तर्गत बनी सड़क का लोकार्पण मुख्य अतिथि केन्द्रीय गृहराज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी ने किया। निघासन से सुकाली पुरवा तक लम्बाई 7.800 किमी लागत लगभग 647.86 लाख से बनी सड़क का लोकार्पण किया।

इस सड़क के बनने से लालपुर ,तमोलिन पुरवा,चंदन पुरवा,गौढ़ी पुरवा,बैलहा,जीत पुरवा, ठाकुर पुरवा,डीहा,लोखन्दर पुर मटहिया , समेत दर्जनों गांवों को लाभ मिलेगा। ग्रामीणों की आग्रह पर क्षेत्र की समस्या को देखते हुए सड़क की मंजूरी दिलाई थी। उस सड़क का आज मंत्री जी के द्वारा लोकार्पण किया गया।

सभा का आयोजन समाजसेवी व संभ्रांत किसान बक्सीस सिंह के आवास पर किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत किसानों द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृहराज्यमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद क्षेत्र में काफी परिवर्तन हुआ है अच्छी सड़क, अच्छी शिक्षा, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, नई शिक्षा नीति,हर दृष्टि से सरकार ने लोगों को काफी सुविधा प्रदान की है।हमारे देश के महापुरुषों को सम्मान देने का काम सरकार ने किया है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय वीर बाल दिवस हर वर्ष मनाने को कहा है। विकास करना हमारी प्राथमिकता है पूर्ववर्ती सरकारों ने बगैर योजना के शिलान्यास कर देते थे। वर्तमान में डबल इंजन की सरकार ने इतना विकास कार्य किया है कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है । लखीमपुर खीरी में खाद का रेक प्वाइंट, जिले में मेडिकल कालेज बन रहा है हर क्षेत्र में रपटा पुल पुलिया जिले में आनलाइन शिक्षा की शुरूआत होने लगी है। सरकार ने वीरवाल दिवस सरकार दिवस घोषित किया है।राम मंदिर बनने के बाद पूरा देश श्रीराम जी के स्वागत के लिए तैयार है।इस दौरान सांसद प्रतिनिधि अरविंद सिंह संजय, निघासन चेयरमैन बद्री प्रसाद मौर्य,केपी राना, दयाशंकर मौर्य,नागेन्द्र सिंह सेंगर, गायत्री इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य विनोद कुमार सिंह,रतीराम लोधी संगम लाल मिश्रा, मोनू दीक्षित,जिला पंचायत सदस्य संजय गिरि,अशोक तिवारी, दिग्विजय गुप्ता,शंभू दयाल गुप्ता,हरीश पाण्डेय, बृम्हादीन चौहान,रंगी लाल, नम्बरदार सिंह, बलविंदर सिंह, गुरमेल सिंह, दर्शन सिंह, बलदेव सिंह, सेवक सिंह, उत्तम कुमार लोधी, चंद्रभाल लोधी, श्रवन आदि मौजूद रहे।

प्रशासन की अगुवाई में निकली राम एकत्र यात्रा

विधायक ने दिखाई झंडी, सड़कों पर दिखा युवाओं में भारी जोश

शामिल युवाओं को सदर विधायक ने पटाका पहनाकर सम्मानित किया

लखीमपुर खीरी। रविवार को जिला प्रशासन के तत्वावधान में श्री राम मन्दिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह सप्ताह के तहत रविवार को आध्यात्मिक नव प्रयाण कार्यक्रम आयोजित हुआ। आस्था, आहलाद और आनन्द के लिए राम एकत्र मैराथन यात्रा को विधायक सदर योगेश वर्मा ने सीडीओ अनिल कुमार सिंह के साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा विलोबी हाल मैदान से प्रारंभ होकर मेन रोड, धर्मशाला, बस स्टैण्ड, डीसी रोड, एसपी बंगला विलोबी हॉल में विसर्जित हुई।

इस मौके पर यात्रा में शामिल युवाओं को विधायक सदर योगेश वर्मा ने सीडीओ अनिल कुमार सिंह संग पटाका पहनाकर सम्मानित किया।

इस दौरान डीपीआरओ डीपीआरओ सौम्यशील सिंह, जिला क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार भारती, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण तिवारी, डीपीओ संजय कुमार निगम सहित खेल महकमें के कोच और स्टाफ सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा पर्यटन सूचना अधिकारी सुचित्त कुमार चौधरी की अगुवाई में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय एवं संस्कृति विभाग में पंजीकृत सांस्कृतिक दलों द्वारा शहर के संकटा माता मंदिर एवं हनुमान मंदिर विकास भवन के सामने रामचरित मानस पाठ और रामनवमी मंदिर लोहा बाजार सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन हुआ। माहौल राममय होता नजर आ रहा।

पुलिस व बाल संरक्षण विभाग की संयुक्त टीम ने नशे के विरुद्ध चलाया जागरूकता अभियान

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

जिला पुरुष अस्पताल ओयल चौकी और एलआरपी चौकी पर हुए जागरूकता कार्यक्रम

बैनर-पोस्टर द्वारा लोगों को नशे से होने वाले नुकसानों के प्रति जागरूक किया

एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग व बाल संरक्षण विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जिला पुरुष अस्पताल ओयल चौकी और एलआरपी चौकी पर जन जागरूकता कार्यक्रमों को किया। बैनर-पोस्टर के माध्यम से लोगों को नशे से होने वाले नुकसानों के प्रति जागरूक किया गया।

जिला पुरुष चिकित्सालय काउंसलर /मीडिया सेल प्रभारी स्वास्थ्य विभाग देवनंदन श्रीवास्तव ने बताया कि एसपी खीरी गणेश प्रसाद साहा और सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता के निर्देश पर पुलिस विभाग व स्वास्थ्य विभाग सहित बाल संरक्षण विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा एक युद्ध नशे के विरोध जागरूकता अभियान चलाया। इस संयुक्त अभियान के अंतर्गत जिला पुरुष चिकित्सालय में सीएमएस डॉ आईके रामचंदानी के नेतृत्व में शनिवार को अभियान चलाया गया। जिसके अंतर्गत इमरजेंसी, ओपीडी सहित समस्त वार्डों और पूरे परिसर में भर्ती मरीजों के तीमारदार, मौजूद लोगों को तंबाकू उत्पाद जिनमें पान, पुड़िया, सिगरेट, बीड़ी, तंबाकू, खैनी इत्यादि सहित अल्कोहल शराब से होने वाले नुकसानों के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। सभी जगह पंपलेट वितरण के साथ पोस्ट भी चिपकाए गए। इसके बाद ओयल चौकी और एलआरपी चौकी में कार्यक्रम के तहत टीम ने लोगों को जागरूक किया। वहीं जिला महिला अस्पताल में सीएमएस डॉ ज्योति मेहरोत्रा कि नेतृत्व में भी पंपलेट वितरण कर लोगों को जागरूक किया गया।

इस कार्यक्रम में जिला पुरुष अस्पताल में वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ आरपी वर्मा, सहित डॉ शिखर बाजपेई, डॉ रोहित पाठक, डॉ शिशिर पांडे, डॉ दीपा सिंह, डॉ. कृतिका वर्मा, डॉ सुष्मिता अग्रहरि पांडे, डॉ सुधीर यादव ने भी सहभागिता की। साथ ही अभियान में बाल संरक्षण अधिकारी गंगासागर यादव सहित पुलिस विभाग की ओर से ओयल चौकी प्रभारी लल्ला गोस्वामी, एसआई विनोद सिंह, टीएसयू टीम से राजेश यादव, सीमा सिंह चौहान, नीरज गिरी, एलआरपी चौकी दीवान अजीत सिंह और स्वास्थ्य विभाग की टीम से साइक्रेटिक सोशल वर्कर अतुल पांडे, काउंसलर एनसीडी देवनंदन श्रीवास्तव, हेल्प डेस्क मैनेजर सुरेंद्र कुमार, पंकज शुक्ला, मयंक आदि ने सहभागिता की।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा उत्सव जैन समुदाय के लिए स्वर्णिम क्षण

भाषा। अयोध्या

राम मंदिर में राम लला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जैन मुनि भी उत्साहित हैं क्योंकि अयोध्या जैन धर्म की मूल भूमि है और इस पवित्र नगरी का भारी विकास होने की उन्हें उम्मीद है।पीठाधीश दिगंबर जैन तीर्थ रवींद्र कीर्ति जैन ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, जैन धर्म में 24 तीर्थंकर हैं जिनमें से प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव की जन्मभूमि अयोध्या है। उनके बाद, चार तीर्थंकर भी अयोध्या में जन्मे। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बनने से पूरा जैन समाज प्रसन्न है। सबसे वरिष्ठ जैन साध्वी और सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित 89 वर्षीय ज्ञानमती ने कहा, वैदिक संस्कृति के मुताबिक अहिंसा की गूंज है और यह एक सुखद घटना है। पूरा देश अयोध्या की ओर देख रहा है और यहां तेज गति से विकास हो रहा है।

पड़ोसी जिले बाराबंकी के टिकैतनगर में जन्मी ज्ञानमती माता वर्तमान में अयोध्या में रह रही हैं। हालांकि, स्वास्थ्य कारणों से उनके इस समारोह में शामिल होने की संभावना नहीं है। यह पूछे जाने पर क्या वह इस समारोह में नहीं जा पाने को लेकर दुखी हैं, उन्होंने कहा, दुखी होने का कोई प्रश्न नहीं है। मैं हर किसी के लिए प्रसन्न हूं। कुछ दिन पहले मैं राम मंदिर गई थी और मैंने इसे बहुत खूबसूरत पाया। बचपन के दिनों से ही मैंने अयोध्या को बहुत खूबसूरत पाया है। जैन धर्म के साथ अयोध्या के जुड़ाव पर प्रकाश डालते हुए रवींद्र कीर्ति स्वामी ने कहा, पहले तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव थे। ऋषभदेव जी और भगवान श्री राम दोनों इक्ष्वाकु वंश से थे। उन्होंने कहा, जैन पुराणों के मुताबिक, भगवान राम का जन्म नौ लाख वर्ष पहले हुआ था.. इसका ऋग्वेद, यजुर्वेद में उल्लेख है और जैन पुराण में लिखा है कि ऋषभदेव नभि राय के पुत्र थे। अयोध्या को प्राचीन काल से ही जैनियों के लिए शाश्वत तीर्थ माना जाता रहा है। यह कभी नष्ट नहीं होगा। जब कभी त्रेता युग आएगा, हमारे तीर्थंकर केवल अयोध्या में जन्म लेंगे। अयोध्या जैनियों की मूल भूमि है। उन्होंने कहा, जैन मुनि इस बात से प्रसन्न हैं कि यह हमारे जीवन में ऐतिहासिक और स्वर्णिम क्षण है। हम इसलिए भी खुशी का अनुभव कर रहे हैं क्योंकि भगवान राम का उल्लेख जैन पुराणों में भी है। अयोध्या से ही हमारे तीर्थंकरों ने इस पूरे देश में अहिंसा परमो धर्मः का संदेश देना शुरू किया। रवींद्र कीर्ति स्वामी ने कहा कि एक बार राम मंदिर बन जाने पर अयोध्या के विकास की गति तेज होगी और अयोध्या के आसपास जैन तीर्थस्थानों का भी तेज विकास होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अयोध्या का अंतरराष्ट्रीय हवाईड्डा चालू होने से जैन धर्म मानने वाले लोगों का आगमन बढ़ेगा। उन्होंने कहा, जैन समुदाय से 10 लोगों के साथ मैं दिल्ली गया था और वहां से अयोध्या के लिए पहली उड़ान पकड़ी। विमान का किराया महंगा था, इसके बावजूद हमने यात्रा की। यहां आने पर हमारा भव्य स्वागत किया गया।

टीटीडी अध्यक्ष ने अयोध्या में राम मंदिर के प्रतिनिधियों को लड्डू सौंपे

तिरुपति, अयोध्या। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) अध्यक्ष बी.कुरुणाकर रेड्डी ने रविवार को राम मंदिर ट्रस्ट के प्रतिनिधियों को लड्डू सौंपे। रेड्डी राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए अयोध्या आए हैं। तिरुपति स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर के प्रबंधन की जिम्मेदारी निभाने वाले टीटीडी ने राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के लिए एक लाख लड्डुओं की आपूर्ति करने पर सहमति व्यक्त की है।प्रत्एक लड्डू का वजन 25 ग्राम है जो प्राण प्रतिष्ठा के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं में वितरित किए जाएंगे। इन्हें हाल में 350 बक्सों में एक मालवाहक विमान से तिरुपति हवाई अड्डे से अयोध्या रवाना किया गया था।टीटीडी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, देवस्थानम के अध्यक्ष ने सोमवार को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने वाले भक्तों के बीच वितरित करने के लिए तिरुमला श्रीवारी मंदिर में विशेष रूप से तैयार किए गए एक लाख लड्डू राम मंदिर ट्रस्ट के प्रतिनिधियों को सौंपे। रेड्डी रविवार को अयोध्या राम मंदिर पहुंचे और उन्होंने विशेष पूजा में हिस्सा लिया। टीटीडी अध्यक्ष ने आंध्र प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के प्रतिनिधियों से बातचीत की। रेड्डी ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि कलयुग में श्री वेंकटेश्वर स्वामी तिरुमला में प्रकट हुए जो त्रेता युग में श्री रामचंद्र मूर्ति थे। रेड्डी ने टीटीडी अध्यक्ष के नाते स्वयं को श्री वेंकटेश्वर स्वामी का पहला सेवक मानते हुए इस बात पर खुशी व्यक्त की कि उन्हें राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लेने का सौभाग्य मिला। रेड्डी ने अयोध्या राम मंदिर के निर्माण में योगदान देने वाले लोगों और प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने वाले सभी भक्तों को शुभकामनाएं दीं।

रामोत्सव पर कर्नाटक के हम्पी में उत्साह का माहौल

बेंगलुरु। अयोध्या स्थित राम मंदिर में सोमवार को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बीच कर्नाटक के नवगठित विजयनगर जिले में स्थित हम्पी में उत्साह का माहौल है। हम्पी में तुंगभद्रा नदी चट्टानी इलाकों से होकर बहती है।

राम मंदिर में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह के साथ, हम्पी का ऐतिहासिक क्षेत्र और भी महत्वपूर्ण हो गया है। यह स्थान भगवान राम के जीवन से जुड़ा हुआ है क्योंकि यहीं पर उनमें अपनी पत्नी सीता को वापस पाने की आशा जगी थी। माता सीता का अपहरण लंका के राक्षस राजा रावण ने कर लिया था।अंजना की पहाड़ी अंजनाद्रि पर बजरंगबली हनुमान का जन्म हुआ था। यह विजयनगर साम्राज्य की राजधानी से कुछ ही किलोमीटर दूर कोप्पल जिले में स्थित है। हनुमान भगवान राम के परम भक्त माने जाते हैं।पहाड़ी की चोटी पर हनुमान का एक प्राचीन मंदिर है, जहां बड़ी संख्या में लंगूर सहित विभिन्न प्रकार के बंदर रहते हैं। महाकाव्य रामायण में भगवान राम के प्रति सुग्रीव के मंत्री हनुमान की अटूट भक्ति के बारे में विस्तार से बताया गया है।कोप्पल जिले में अंजनाद्रि मंदिर प्रबंधन ने अयोध्या के राममंदिर में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जश्न मनाने के लिए विस्तृत व्यवस्था की है और यहां मंदिर को रोशनी से सजाया गया है। काफी संख्या में पर्यटक और श्रद्धालु इस मंदिर में आ रहे हैं। पूरी पहाड़ी को रोशनी से सजाया गया है और समारोह के मद्देनजर कई अस्थाई दुकानें खुल गई हैं।मंदिर प्रबंधन के अनुसार, रविवार से दो दिनों तक मंदिर में पारंपरिक दीपक जलाए जाएंगे और विशेष पूजा की जाएगी।

हम्पी और अयोध्या का रिश्ता बहुत गहरा है। हम्पी को प्राचीन समय में पम्पा क्षेत्र के नाम से जाना जाता था जो किष्किंधा साम्राज्य की राजधानी थी। किष्किंधा पर दो वीर वानर शासकों बाली और सुग्रीव का शासन था।अंजनाद्रि से कुछ किलोमीटर दूर ऋष्यमूक पहाड़ी है जहां वानर राजा सुग्रीव अपने भाई बाली द्वारा भगाए जाने के बाद निर्वासन में रहते थे। तुंगभद्रा नदी के पार ऋष्यमूक की तलहटी में गुफा है, जहां राम और सुग्रीव ने अग्नि को साक्षी रखकर मित्रता की शपथ ली थी। इस क्षेत्र में अनेगुंडी नामक एक स्थान भी है, जिसका नाम बाली के पुत्र अंगद के नाम पर रखा गया है। इतिहासकार राघवेंद्र राव कुलकर्णी ने पीटीआई-भाषा से कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम्पी रामायण के किष्किंधा कांड और सुंदरकांड में वर्णित किष्किंधा क्षेत्र है। प्रोफेसर ए सुंदर ने साबित कर दिया है कि हम्पी और उसके आसपास का क्षेत्र रामायण में वर्णित किष्किंधा क्षेत्र के अनुरूप है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के एक पुरातत्वविद ने पीटीआई-भाषा को बताया कि देशभर के पुरातत्वविद और इतिहासकार इस बात पर एकमत हैं कि हम्पी किष्किंधा क्षेत्र है। कुलकर्णी ने कहा, आप इस क्षेत्र में कई प्रागैतिहासिक गुफा चित्र पा सकते हैं। यह साबित करने के लिए कई पुरातात्विक साक्ष्य हैं कि यह स्थान लगभग 1.5 लाख वर्षों तक आबाद था। उन्होंने कहा कि अंजनाद्रि पहाड़ी विजयनगर राजवंश के अस्तित्व में आने से पहले भी एक प्रसिद्ध स्थान था। इतिहासकार ने यह भी कहा कि यह तथ्य श्री वैष्णव और माधव संप्रदाय के अनुयायियों को पता था, जो हम्पी को सबसे पवित्र स्थान मानते थे।

प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या की गलियों में लोक नृत्यों की धूम

अयोध्या। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से एक दिन पहले रविवार को अयोध्या नगरी में उत्सव का माहौल दिखा जहां बधावा से घूमर तक के कई लोक नृत्य, लाउडस्पीकर पर गूंजते भगवान राम को समर्पित गीत और श्रीराम, सीता और हनुमान की वेश-भूषा में सजे लोगों के प्रति राहगीर बरबस ही आकर्षित होते दिखे। फूलों तथा रोशनी के साथ भगवा ध्वज से सजी गलियां भी लोगों का मन मोह रही थीं। कुल मिलाकर मंदिरों का शहर अयोध्या गुलजार है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर की ओर जाने वाले राम पथ पर कई स्थानों पर छोटे मंच बनाए गए हैं। देश भर से आए लोक नर्तक अलग-अलग नृत्य कर रहे हैं और राहगीरों को रुककर वीडियो बनाते और सेल्फी लेते देखा जा सकता है। उत्तर प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, शहरभर में किए जा रहे लोक नृत्यों में बधावा, चरी, घूमर, धोबिया, राई, रासलीला, मयूर, ख्याल नृत्य और सतारिया शामिल हैं। राम मंदिर की ओर जाने वाली सड़कें एक लघु भारत की तरह दिख रही हैं। इसी तरह का नजारा कल भी दिखेगा। गाते और नाचते भक्तों के समूह, रामायण के पात्रों के रूप में सजे हुए लोग और फूलों व पोस्टरों से सजे छोटे वाहन, जिन पर भगवान राम की तस्वीर लगाई गई है, पवित्र शहर की सड़कों पर रविवार को यह एक आम दृश्य था। सोमवार को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले मंदिर के मुख्य द्वार पर हजारों लोग एकत्र थे, जो पूरी तरह से फूलों से ढंका हुआ है।

राजस्थान का लोक नृत्य घूमर प्रस्तुत करने वाली प्रज्ञा दीवान ने कहा, हम हर साल भगवान राम की अयोध्या वापसी के उपलक्ष्य में दिवाली मनाते हैं और यहां यह अब तक की सबसे बड़ी दिवाली है। इसे क्यों नहीं धूमधाम से मनाया जाए? यहां के धार्मिक माहौल को शब्दों में वर्णित नहीं किया जा सकता या केवल कैमरे में दर्ज नहीं किया जा सकता है। रासलीला प्रस्तुत करने वाले समूह में शामिल एक अन्य कलाकार उमापति ने कहा, प्रदर्शन करने के लिए इससे बेहतर वैश्विक मंच नहीं हो सकता है और भक्तों से हमें जो प्यार मिल रहा है वह अकल्पनीय है। लोग हमारे लिए चाय और भोजन ला रहे हैं, शायद राम राज्य इसी तरह का होता है।

राम मंदिर के लिए फिल्म हनुमान के वितरक ने ढाई करोड़ रुपए से अधिक का दान देने की घोषणा की

हैदराबाद। तेजा सज्जा अभिनीत फिल्म हनुमान के वितरकों में से एक माइथ्री मूवी मेकर्स कंपनी ने रविवार को ऐलान किया कि वह उत्तर प्रदेश के अयोध्या में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा से एक दिन पहले राम मंदिर के लिए 2.6 करोड़ रुपए से अधिक का दान करेगी। कंपनी ने कहा कि फिल्म की टीम ने इसके लिए हनुमान के प्रत्एक टिकट से प्राप्त राशि में से पांच रुपए दान देने का वादा किया है। तेलुगु भाषा की फिल्म ने अब तक 53,28,211 टिकट बेचे हैं, ऐसे में दान के लिए 2,66,41,055 रुपए की राशि दी है। माइथ्री मूवी मेकर्स ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में इसकी घोषणा की। वितरण कंपनी ने पोस्ट में कहा, 53,28,211 लोगों को धन्यवाद, जो अयोध्या स्थित राम मंदिर के लिए 2,66,41,055 रुपए की राशि दान करने के महान उद्देश्य में शामिल हुए हैं। यह भी कहा, आप भी हनुमान को देखकर इस पहल का हिस्सा बन सकते हैं। खर्च किए गए आपके टिकट से पांच रुपए अयोध्या राम मंदिर में जाएंगे। माइथ्री की टीम इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रही है।

अयोध्या के आतिथ्य सत्कार से गदगद हुए अरुणाचल के पुजारी

ईटानगर(भाषा)। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए अयोध्या पहुंचे अरुणाचल प्रदेश के एक प्रसिद्ध पुजारी वहां मिले आतिथ्य-सत्कार को पाकर गदगद हो गए। पश्चिम सियांग जिले में डोनई-पोलो करगु गमगी पुजारी मोगी ओरी ने कहा कि अयोध्या जाकर उन्हें धरती पर स्वर्ग मिल गया। उन्होंने अयोध्या से पीटीआई-भाषा को बताया, मुझे लगता है कि इस स्थान पर आकर मुझे धरती पर स्वर्ग मिल गया है। उन्होंने कहा कि वह देश के अन्य हिस्सों में डोनई-पोलोइज्म का प्रचार और प्रसार करने के लिए प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा ले रहे हैं। ओरी ने कहा कि राज्य से तीन से चार पुजारी इस समारोह में शामिल हो रहे हैं और वे सभी कारसेवकों के साथ रह रहे हैं। इस बीच पूर्वोत्तर राज्य में सोमवार को इस ऐतिहासिक क्षण के अवसर पर जश्न की तैयारी चल रही है। विभिन्न मंदिरों में स्वच्छता अभियान जारी है और कई स्थानों पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के सीधा प्रसारण के लिए बड़ी-बड़ी स्क्रीनें लगाईं गईं हैं। राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जानता पार्टी (भाजपा) भी इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारी में जुटी है।

रामलला के घर में कान्हा का स्तुति गान करता कृष्ण वेशधारी बांसुरीवादक

अयोध्या। चमकीले रंगों से सजाधजा, सिर पर बड़ी पगड़ी और हाथोंपैरों को चांदी के आभूषणों से सजाए अपनी बांसुरी पर मधुर धुन बजाता एक व्यक्ति भगवान राम के घर अयोध्या में भगवान कृष्ण का स्तुतिगान कर बरबस ही सबका मन अपनी तरफ खींच रहा है। यह उज्जैन के रहने वाले स्वामी अद्भुत हैं, जो पिछले 16 वर्षों से भगवान कृष्ण का वेश धारण किए हुए हैं। उनका कहना है कि वह पूरा दिन इसी वेशभूषा में रहते हैं। स्वामी अद्भुत ने कहा कि वह 22 जनवरी के अभिषेक समारोह में "भगवान की दिव्य उपस्थिति को देखने के लिए अयोध्या में हैं" वह अपने नाम के ही अनुरूप अयोध्या में रहते हुए वह भगवान कृष्ण की एक छवि प्रदर्शित करते हैं और अपनी पायल झनकारते हुए लय बनाए रखते हुए अपनी बांसुरी बजाते हैं। अपनी मोहक उपस्थिति और संगीत में महारत के बलबूते स्वामी अद्भुत हर आनेजाने वाले को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। लता मंगेशकर चौक से लेकर नया घाट और गुप्तार घाट तक वह जहां भी जाते हैं, लोगों की भीड़ जुट जाती है और कई लोग उनके साथ सेल्फी लेने को लालायित नजर आते हैं। वह सबकी इस ख्वाहिश को पूरा करने की कोशिश करते हैं। इतना ही नहीं, वह अपने बारे में जानने की इच्छा रखने वाले हर व्यक्ति की इस उत्कंठा को भी शांत करते हैं। स्वामी अद्भुत ने पीटीआईभाषा से बातचीत में कहा कि अयोध्या में भगवान राम और कृष्ण से जुड़ी कथाओं का संगम होता है जिससे आध्यात्मिक महत्व का एक माहौल बनता है। कृष्ण वेश धारण करने का ख्याल मन में कैसे आया, इस सवाल पर स्वामी कहते हैं कि उन्हें एक सपना आया था जिसके बाद से उन्होंने भगवान कृष्ण का वेश धारण करना शुरू कर दिया ताकि उनके संदेश को फैलाया जा सके। स्नातक तक की शिक्षा हासिल कर चुके स्वामी ने एक सवाल पर कहा कि वह किसी से भी धन नहीं लेते हैं। वह अपनी अयोध्या यात्रा को आध्यात्मिक पुनर्जागरण की परिणति के दर्शन के लिए एक तीर्थयात्रा के रूप में देखते हैं। अयोध्या जिज्ञासा, भक्ति और उत्सव के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण से गूंज रही है। वहीं, इस शहर ने इस असाधारण स्वामी की उपस्थिति को गले लगा लिया। स्वामी ने कहा कि उन्होंने पहले भी इस स्थान का दौरा किया था लेकिन इस बार उनके लिए एक अलग भावना थी। पूरा अयोध्या शहर धार्मिक भावना से सराबोर है और इसकी फिजाएं राम आएंगे और अवध में राम आए हैं जैसे गीतों से गूंज रही हैं।

एनजीटी ने प्रयागराज में गंगा नदी में प्रदूषण के बारे में तथ्यात्मक स्थिति जानने के लिए समिति गठित की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा नदी में प्रदूषित पानी छोड़े जाने का दावा करने वाली एक याचिका के संबंध में सही तथ्यात्मक स्थिति जानने और निदान के लिए एक समिति गठित की है। अधिकरण उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें आरोप लगाया गया है कि इस साल आठ मार्च तक प्रयागराज में आयोजित किए जा रहे माघ मेले में रसूलाबाद इलाके से गंगा-यमुना के संगम तक लगभग आठ किलोमीटर की दूरी में कम से कम 50 नालों से प्रदूषित पानी बह रहा है। इसमें यह भी दावा किया गया है कि लगभग 10 जल-मल शोधन संयंत्र (एसटीपी) ठीक से काम नहीं कर रहे हैं और प्रदूषण के कारण नदी का रंग "काला" हो गया है।

एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने कहा कि याचिका में "पर्यावरण मानदंडों के अनुपालन से संबंधित एक महत्वपूर्ण मुद्दा" उठाया गया है। पीठ में न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल और न्यायमूर्ति अरुण कुमार त्यागी तथा विशेषज्ञ सदस्य अफ़रोज़ अहमद भी शामिल थे। इसने कहा कि गंगा नदी के प्रदूषण से संबंधित बड़े मुद्दे और यमुना एवं गंगा नदियों में प्रदूषित पानी गिराए जाने के मुद्दे पर अधिकरण द्वारा विचार किया जा रहा है। पीठ ने कहा कि चूंकि याचिका माघ मेले के संबंध में है, इसलिए वह इस मामले की पड़ताल के लिए एक संयुक्त समिति का गठन कर रही है। समिति में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) के सदस्य सचिव और प्रयागराज के जिलाधिकारी शामिल होंगे। अधिकरण ने 18 जनवरी को पारित एक आदेश में कहा, "संयुक्त समिति सही तथ्यात्मक स्थिति एवं आरोपों की सत्यता का पता लगाएगी तथा उचित निदान का रास्ता बताएगी" इसने समिति को दो महीने के भीतर कार्वाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

पेज 1 का शेष

अयोध्या का....

उन्होंने कहा, राम नवमी हिंदू कैलेंडर के पहले महीने के नौवें दिन मनाई जाती है, जो आमतौर पर मार्च-अप्रैल में होती है। यह भगवान विष्णु के सातवें अवतार भगवान राम के जन्मदिन का प्रतीक है। राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई) लखनऊ ने 'एनबीआरआई नमोह 108' नाम से कमल की एक नई किस्म विकसित की है। नमोह 108 कमल किस्म मार्च से दिसंबर तक खिलती है और पोषक तत्वों से भरपूर होती है। यह कमल की पहली किस्म है जिसका जीनोम इसकी विशेषताओं के लिए पूरी तरह से अनुक्रमित है।

जन्म स्थान...

इस आध्यात्मिक उत्साह के बीच सोमवार को दोपहर 12.20 बजे से 12.40 बजे तक अभिषेक समारोह में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की भागीदारी इस क्षण के महत्व को बढ़ा देती है। यह कार्यक्रम भारत और विदेश की प्रतिष्ठित हस्तियों सहित 7,500 से अधिक सम्मानित मेहमानों के सामने आने के लिए तैयार है। विभिन्न देशों के प्रतिनिधि भी इस ऐतिहासिक अवसर की शोभा बढ़ाने के लिए तैयार हैं, जो इसकी वैश्विक अनुगूंज को रेखांकित करता है। जैसे-जैसे राम मंदिर के निर्माण और अभिषेक के माध्यम से अयोध्या का आध्यात्मिक हृदय एक विशाल परिवर्तन से गुजर रहा है, आर्थिक परिदृश्य पर एक स्पष्ट प्रभाव महसूस किया जा रहा है। स्थानीय विक्रेता, दुकानदार और व्यवसाय समृद्धि में वृद्धि की आशा से आशा से भरे हुए हैं। धार्मिक कलाकृतियों में विशेषज्ञता रखने वाले फेरीवाले रमेश ने अपनी उम्मीदें साझा कीं, 'हमारे लिए राम मंदिर केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं है; यह हमारी अर्थव्यवस्था के लिए एक परिवर्तनकारी शक्ति है। भक्त स्मृति चिन्ह की तलाश करेंगे और हम बिक्री में पर्याप्त वृद्धि के लिए तैयार हैं। यह सिर्फ एक आध्यात्मिक मील का पत्थर नहीं है; यह एक आर्थिक अवसर है।' अयोध्या की जीवंत सड़कों पर घूमते हुए इसके निवासियों में गर्व और पहचान की गहरी भावना उत्पन्न होती है। एक स्थानीय निवासी श्याम कहते हैं, 'राम मंदिर सिर्फ एक धार्मिक भवन नहीं है; यह हमारी पहचान का प्रतीक है। यह अभिषेक अयोध्या को वैश्विक मंच पर ले जाएगा, जो अत्यधिक गौरव का स्रोत है। यह सिर्फ एक मंदिर से कहीं अधिक है; यह एक वसीयतनामा है हमारी विरासत के लिए।' छात्रा रितु मंदिर को प्रेरणा का स्रोत मानती है, 'मंदिर इस बात का प्रतीक है कि सपने चाहे कितने भी भव्य क्यों न हों, सच हो सकते हैं। मेरा मानना ??है कि यह आयोजन न केवल व्यवसायों के लिए बल्कि पूरे समुदाय के लिए समृद्धि लाएगा।' चूंकि अयोध्या एक ऐतिहासिक और तकनीकी परिवर्तन के शिखर पर खड़ा है, इसलिए इसके निवासियों की सामूहिक आवाज आशावाद के साथ गूंजती है। राम मंदिर का अभिषेक, स्मार्ट सिटी पहल के साथ मिलकर, विकास के लिए एक समग्र दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है - जो परंपरा और आधुनिकता को सामंजस्यपूर्ण ढंग से जोड़ता है।

आध्यात्मिक...

चौराहों और सार्वजनिक स्थानों को दीयों से रोशन किया गया। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी आरपी यादव ने आश्वासन दिया कि 22 जनवरी की शाम को 100 प्रमुख मंदिरों और सार्वजनिक स्थानों पर दीये जलाए जाएंगे, जिससे एक मनमोहक दृश्य पैदा होगा। इसके साथ ही जीवंत उत्सव के हिस्से के रूप में अयोध्या को 2000 क्विंटल फूलों से सजाया गया है। अनुष्ठान आज शाम की आरती के साथ समाप्त होगा जो आध्यात्मिक माहौल को अंतिम स्पर्श देगा। सआदतगंज को नए घाट से जोड़ने वाले सुरम्य राम पथ में वन विभाग द्वारा उल्लेखनीय परिवर्तन किया गया है। सड़क के मध्य भाग के तीन किलोमीटर के विस्तार के साथ, चार रंगों - गुलाबी, बैंगनी, सफेद और केसरिया - में बोगेनविलिया के पौधे दिव्य वापसी की तैयारी में एक आकर्षक मार्ग बनाते हैं। साकेत पेट्रोल पंप से लता मंगेशकर चौक तक दो किलोमीटर की दूरी पर टेरोरोजिया और बोगेनविलिया धर्मपथ की सुंदरता को बढ़ाते हैं। बोगेनविलिया की तीन किस्मों - गुलाबी, सफेद और बैंगनी - के साथ दोनों तरफ के डिवाइडर और मध्य भाग को सजाकर सड़क रंगों के एक जीवंत उत्सव में बदल जाती है। डीएफओ शितांशु पांडे की कल्पना है कि अगले दो से तीन वर्षों में सजावटी डिवाइडर परिपक्व हो जाएंगे, जो गुलाबी और पीले फूलों के खिलने से सड़कों को और अधिक सुंदर बना देंगे, जो राम की वापसी के साथ आने वाली समृद्धि और दिव्य कृपा का प्रतीक है। भव्य तैयारियों के साथ, प्रशासन ने 20 जनवरी से कड़े सुरक्षा उपाय लागू किए हैं, शहर की सीमाओं को सील कर दिया है और बाहरी लोगों और वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। शहर की सड़कें भगवान राम के प्रमुख कटआउट से सुशोभित हैं और राम पथ में स्ट्रीट लाइटें, जिन्हें सूर्य स्तंभ के रूप में जाना जाता है, उगते सूरज को स्पष्ट रूप से चित्रित करती हैं, जो अयोध्या में एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। पूरे शहर में होर्डिंग्स में गर्व से घोषणा की गई है, 'राम नगरी में आपका स्वागत है', सभी का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए, क्योंकि अयोध्या उत्सुकता से भगवान राम की उनके दिव्य निवास में वापसी की प्रतीक्षा कर रही है।

दिल्ली में...

पिछले साल इसी समय के दौरान, हमें सिर्फ एक या दो शादियों के लिए बुकिंग मिली थी। लेकिन इस साल का अयोध्या समारोह लाया गया है उन्होंने कहा, हमारे लिए बहुत काम है। व्यापारियों के संगठनों के अनुसार, दिल्ली में 2000 से अधिक कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है और यहां के 1000 छोटे और बड़े बाजारों में लगभग 25-30 लाख दीये जलाए जाएंगे। 22 जनवरी को कश्मीरी गेट पर विशाल राम झंडा यात्रा निकाली जाएगी, कमला नगर, खान मार्केट, करोल बाग, लक्ष्मी नगर, चांदनी चौक, सदर बाजार, कश्मीरी गेट, मोरी में सुंदरकांड होगा गेट, शाहदरा बाजार, कमला नगर बाजार, माया पुरी, कनॉट प्लेस में भगवा झंडे लगाए गए हैं। उन्होंने कहा, करोल बाग, चांदनी चौक, दरीबा कलां सहित लगभग सभी प्रमुख बाजारों को दिवाली की तरह रोशनी होगी। ज्वैलर्स हर लेनदेन पर सोने और चांदी के आभूषणों पर छूट देंगे।

घर से सड़क..

दिल्ली के नेशनल क्लब में रामलीला का मंचन किया। जिसमें सीता स्वयंवर का दृश्य दिखाया गया। इसके अलावा चांदनी चौक से एक शोभायात्रा निकाली गई, जिसके देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने नई दिल्ली के प्रमुख चौराहों को फूलों के बोर्ड से सजाया है जिसपर राम मंदिर के मॉडल को दिखाया गया है। इस पहल में एनडीएमसी ने खान मार्केट, बीकेएस मार्ग, कनॉट प्लेस, मंडी हाउस चौराहा, पीएम हाउस राउंडअबाउट, मालचा मार्ग बाजार, यशवन्त प्लेस मार्केट, दिल्ली हाट, बिड़ला मंदिर, और 11 मूर्ति सहित 10 प्रमुख स्थानों पर आकर्षक फूलों के बोर्डों से सजाया है जिस पर राम मंदिर को फूलों से उकेरा गया है। ऐसे महत्वपूर्ण दिन पर योगदान देने वाले कारीगर को धन्य महसूस किया और श्री राम के जयकारे लगाए। 2000 स्थानों पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारणः अयोध्या में भगवान राम की नई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा देखने की पूरा देश तैयारी कर रहा है और इसी कड़ी में दिल्ली भाजपा कार्यकर्ताओं ने शहर भर में बूथ स्तर पर 2000 से अधिक मंदिरों पर स्क्रीन और टीवी लगाकर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण दिखानी की व्यवस्था की है। पार्टी के पदाधिकारियों, सांसदों, विधायकों और पार्षदों ने अपने कार्यालयों में सामुदायिक समारोह आयोजित करने और लड्डू बांटने की तैयारी की है। पार्टी कार्यालय में भी विशेष एलईडी स्क्रीन लगाई जा रही है, जहां सभी कर्मचारी और उनके परिवार बैठकर समारोह देखेंगे।

प्रयागराज में राम मंदिर और राम लला की विश्व की सबसे बड़ी रंगोली

प्रयागराज (भाषा)। अयोध्या में सोमवार को राम लला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव यहां अनोखे अंदाज में मनाने की तैयारी छात्र-छात्राओं ने की है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) से जुड़े विद्यार्थी राम मंदिर और राम लला की विश्व की सबसे बड़ी रंगोली बना रहे हैं जिसे सोमवार को पूर्वाह्न 11 बजे प्रदर्शित किया जाएगा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश मीडिया संयोजक अभिनव मिश्र ने बताया कि अभाविप से जुड़े विद्यार्थी माघ मेला क्षेत्र में विश्व हिंदू परिषद के शिविर में विश्व की सबसे बड़ी रंगोली बना रहे हैं जिसकी लंबाई 50 फुट और चौड़ाई 30 फुट है। उन्होंने बताया कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय से कुल 40 विद्यार्थी रंगोली बनाने के इस कार्य में लगे हुए हैं, जिनमें 30 छात्राएं तथा 10 छात्र हैं। उन्होंने बताया कि यह रंगोली अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर और राम लला की है तथा सोमवार को सुबह 11 बजे इसे प्रदर्शित किया जाएगा।

प्राण-प्रतिष्ठा समारोह भारत के पुनर्निर्माण की शुरुआत : भागवत

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि अयोध्या में रामलला का उनके जन्मस्थान में प्रवेश और मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह भारतवर्ष के पुनर्निर्माण के अभियान की शुरुआत होगी। भागवत ने यह भी कहा क भारतवर्ष का पुनर्निर्माण सद्भाव, एकता, प्रगति, शांति और सभी की भलाई के लिए जरूरी है। संघ प्रमुख ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक लेख में अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए हिंदू समाज के निरंतर संघर्ष का उल्लेख किया और कहा कि इस विवाद पर टकराव और कड़वाहट का अब अंत होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्षों के कानूनी संघर्ष के बाद उच्चतम न्यायालय ने सच्चाई और तथ्यों की पड़ताल करने और मामले में सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद नौ नवंबर, 2019 को संतुलित फैसला सुनाया। भागवत ने कहा कि धार्मिक दृष्टिकोण से भगवान राम देश के बहुसंख्यक समाज के सबसे अधिक पूजे जाने वाले देवता हैं और उन्हें आज भी पूरा समाज मर्यादा के प्रतीक के रूप में स्वीकार करता है। इसलिए अब इस विवाद को लेकर पक्ष और विपक्ष में जो टकराव पैदा हुआ है, उसे खत्म किया जाना चाहिए। इस बीच जो कड़वाहट पैदा हुई है, उसे भी खत्म किया जाना चाहिए। समाज के प्रबुद्ध लोगों को यह देखना होगा कि यह विवाद पूरी तरह खत्म हो। अयोध्या का अर्थ है एक ऐसा शहर, जहां कोई युद्ध न हो, एक संघर्ष-रहित स्थान। इस अवसर पर, पूरे देश में अयोध्या का पुनर्निर्माण समय की मांग है और (यह) हम सभी का कर्तव्य भी है। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का अवसर राष्ट्रीय गौरव के पुनर्जागरण का प्रतीक है। उन्होंने कहा, यह आधुनिक भारतीय समाज द्वारा श्रीराम के चरित्र के पीछे के जीवन दर्शन की स्वीकृति का भी प्रतीक है। राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा (प्रतिष्ठापन) समारोह 22 जनवरी को आयोजित किया जाएगा और इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भागवत और संतों सहित 7,000 से अधिक लोग शामिल होंगे। यह संसार अहंकार, स्वार्थ और भेदभाव के कारण विनाशकारी उन्माद में है और अपने ऊपर अनंत विपत्तियां आमंत्रित कर रहा है। राम जन्मभूमि में श्री राम लला का प्रवेश और उनकी प्राण-प्रतिष्ठा भारतवर्ष के पुनर्निर्माण के अभियान की शुरुआत है। संघ प्रमुख ने कहा कि भारत का इतिहास पिछले डेढ़ हजार वर्षों से आक्रमणकारियों के खिलाफ निरंतर संघर्षों का इतिहास है। शुरुआती आक्रमणों का उद्देश्य लूटपाट करना था और कभी-कभी, सिकंदर के आक्रमण की तरह यह उपनिवेशीकरण के लिए होता था। लेकिन इस्लाम के नाम पर पश्चिम से हुए हमलों ने समाज का पूर्ण विनाश किया और इसमें अलगाव पैदा किया। (किसी) राष्ट्र और समाज को हतोत्साहित करने के लिए उनके धार्मिक स्थलों को नष्ट करना आवश्यक था, इसीलिए विदेशी आक्रांताओं ने भारत में मंदिरों को भी नष्ट किया। उन आक्रांताओं का उद्देश्य भारतीय समाज को हतोत्साहित करनौ था, ताकि वे कमजोर समाज वाले भारत पर बेरोकटोक शासन कर सकें। उन्होंने आगे कहा, अयोध्या में श्रीराम मंदिर का विध्वंस भी इसी इरादे और मकसद से किया गया था। आक्रांताओं की यह नीति सिर्फ अयोध्या या किसी एक मंदिर तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि पूरे विश्व के लिए एक युद्ध रणनीति थी। भारत में समाज की आस्था, प्रतिबद्धता और मनोबल कभी कम नहीं हुआ। समाज झुका नहीं, उनका प्रतिरोध का संघर्ष जारी रहा। इसलिए (भगवान राम के) जन्मस्थान पर कब्जा लेने और वहां (अयोध्या में) मंदिर बनाने के लिए बार-बार प्रयास किए गए। इसके लिए कई युद्ध, संघर्ष और बलिदान हुए और राम जन्मभूमि का मुद्दा हिंदुओं के मन में बस गया। इतिहास के पन्ने पलटते हुए भागवत ने कहा कि 1857 में जब ब्रिटिश शासन के खिलाफ युद्ध की योजनाएं बनने लगीं तो हिंदुओं और मुसलमानों ने मिलकर उनके खिलाफ लड़ने के लिए तत्परता जाहिर की और फिर उनके बीच विचारों का आपसी आदान-प्रदान हुआ और उस समय ऐसी स्थिति बनी कि गोहत्या पर प्रतिबंध और श्री राम जन्मभूमि की मुक्ति के मुद्दे पर सुलह हो जाती।

लार्सन एंड टुब्रो ने राम मंदिर का किया निर्माण

भाषा। नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर का डिजाइन इंजीनियरिंग एवं निर्माण समूह लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने तैयार किया और उसके निर्माण को भी अंजाम दिया। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। राम मंदिर का बहुप्रतीक्षित उद्घाटन सोमवार को होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अनुष्ठान में शामिल होंगे। इसके एक दिन बाद मंदिर को जनता के लिए खोल दिया जाएगा। निर्माण कंपनी ने बयान में कहा कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के आदेशानुसार लार्सन एंड टुब्रो ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर का डिजाइन और निर्माण कार्य सफलतापूर्वक किया। मंदिर वास्तुकला के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि है। यह मंदिर 70 एकड़ के परिसर में फैला है। इसका डिजाइन वास्तुकला की प्राचीन नागर शैली से प्रेरित है। मंदिर की ऊंचाई 161.75 फुट, लंबाई 380 फुट और चौड़ाई 249.5 फुट है। यह तीन मंजिला मंदिर होगा। इसमें मुख्य शिखर के साथ पांच मंडप- नृत्य मंडप, रंग मंडप, गूढ़ मंडप, कीर्तन मंडप और प्रार्थना मंडप शामिल होंगे। एलएंडटी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) एस एन सुब्रमण्यन ने कहा, श्री राम जन्मभूमि मंदिर के डिजाइन और निर्माण (का अवसर देने) के लिए हम सरकार का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं.... एलएंडटी भारत की 23 अरब डॉलर की बहुराष्ट्रीय कंपनी है। यह इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) परियोजनाओं, हाई-टेक विनिर्माण तथा सेवाओं में लगी हुई है। इसका कारोबार दुनिया के 50 से अधिक देशों में फैला है।

अयोध्या पहुंचे रजनीकांत, रणदीप, महादेवन

भाषा। नई दिल्ली

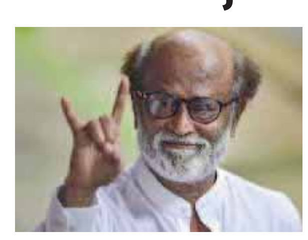

भव्य राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए अभिनेत्री कंगना रनौत, शेफाली शाह, अभिनेता पवन कल्याण एवं रणदीप हुड्डा अयोध्या पहुंच गए हैं। समारोह में आमंत्रित दिग्गज अभिनेता रजनीकांत और संगीतकार शंकर महादेवन को लखनऊ हवाई अड्डे पर देखा गया, जब वे मंदिर शहर के लिए रवाना हुए। समारोह के लिए आमंत्रित किए गए 8,000 से अधिक लोगों की लंबी सूची में, प्रमुख राजनीतिक नेता, बड़े उद्योगपति, फिल्म अभिनेता, खिलाड़ी, नौकरशाह और राजनयिक शामिल हैं। अभिनेत्री कंगना रनौत का कहना है कि सोमवार को यहां राम मंदिर में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए आमंत्रित किया जाना उनका सौभाग्य है। कंगना (36) ने रविवार को अपने-अपने आध्यात्मिक गुरु रामभद्राचार्य से मुलाकात की और यहां एक मंदिर में हो रहे यज्ञ में हिस्सा लिया। शनिवार को अयोध्या पहुंची कंगना ने कहा कि श्रद्धालु कल (सोमवार) भगवान राम के आने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं यहां अपने गुरु रामभद्राचार्य जी से मिलने आई हूं। कई पुजारी भगवान हनुमान का नाम लेकर अनुष्ठान कर रहे हैं और मंत्र पढ़ रहे हैं। यहां की ऊर्जा चमत्कारी है। रविवार को अपने फिल्म निर्माता पति विपुल शाह के साथ अयोध्या पहुंचीं शेफाली शाह ने कहा कि वे यहां आकर सम्मानित महसूस कर रही हैं। उन्होंने अयोध्या हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, यह (प्राण प्रतिष्ठा समारोह) सबसे बड़े सांस्कृतिक क्षणों में से एक है जिसे हमारा देश और हम भारतीय अनुभव कर सकते हैं। हमारी संस्कृति बहुत समृद्ध है लेकिन हम इससे काफी अनजान हैं। अभिनेता और जन सेना पार्टी के संस्थापक पवन कल्याण ने अयोध्या में संवाददाताओं से कहा, लंबे समय से प्रतीक्षित प्रार्थना आखिरकार वास्तविकता बन रही है। लखनऊ हवाई अड्डे पर मीडिया से बात करते हुए महादेवन ने कहा कि पूरी दुनिया राम मंदिर के उद्घाटन का इंतजार कर रही थी। रविवार शाम अपनी अभिनेत्री-पत्नी लिन लैशराम के साथ लखनऊ हवाई अड्डे पर पहुंचे अभिनेता रणदीप हुड्डा ने संवाददाताओं से कहा कि वे इस कार्यक्रम के लिए उत्साहित हैं और भगवान राम से आशीर्वाद लेने का इंतजार कर रहे हैं।

अफगानिस्तान में हुई दुर्घटना में भारतीय विमान शामिल नहीं

भाषा। नई दिल्ली

गया हवाई अड्डे पर भरा था ईंधनः सरकार

अफगानिस्तान के दूर-दराज के इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुआ विमान भारतीय नहीं था और इसने थाईलैंड हवाई अड्डे से मास्को जाने के मार्ग में शनिवार को गया हवाई अड्डे पर केवल ईंधन भरा था। मोरक्को में पंजीकृत दसाउल्ट फाल्कन (डीएफ-10) विमान एक एअर एंबुलेंस के रूप में परिचालित किया जा रहा था। यह थाईलैंड के उतापाओ हवाई अड्डे से मास्को जा रहा था। दुर्घटनाग्रस्त विमान के भारतीय विमान होने की खबरों के बीच, नागर विमानन मंत्रालय ने रविवार को कहा कि विमान किसी भारतीय एयरलाइन का नहीं था। मंत्रालय ने दोपहर एक बजकर सात मिनट पर एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अफगानिस्तान में कुछ देर पहले हुई दुर्भाग्यपूर्ण विमान दुर्घटना किसी भारतीय विमान से संबंधित नहीं है। यह मोरक्को के पंजीकरण वाला एक छोटा विमान था। अधिक विवरण की प्रतीक्षा है। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार शाम चार बजकर दो मिनट पर ईंधन भरने के बाद विमान गया हवाई अड्डे से रवाना हुआ था जिसमें एक महिला रोगी सहित छह लोग सवार थे। वहीं, एक सूत्र ने कहा कि विमान ने थाईलैंड के उतापाओ हवाई अड्डे से यात्रा की शुरुआत की थी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, उपलब्ध सूचना के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त विमान मोरक्को में पंजीकृत डीएफ-10 (दसाउल्ट फाल्कन) विमान था। यह किसी भारतीय एयरलाइन का विमान नहीं है। बयान के अनुसार, विमान एअर एंबुलेंस के रूप में परिचालित किया जा रहा था। यह थाईलैंड से मास्को जा रहा था और इसने गया हवाई अड्डे पर ईंधन भरा था। समाचार एजेंसी एपी की एक खबर में क्षेत्रीय प्रवक्ता जबीहुल्ला अमीरी के हवाले से कहा गया कि दुर्घटना शनिवार को अफगानिस्तान के बदख्शां प्रांत के जेबक जिले के पास एक पर्वतीय क्षेत्र में हुई। खबर में, रूसी नागरिक उड्डयन अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि चालक दल के चार सदस्यों और दो यात्रियों के साथ विमान लापता हो गया।वहीं, तालिबान के सूचना एवं संस्कृति मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल वाहिद रेयान के हवाले से कहा गया कि विमान के इंजन में गड़बड़ी थी। खबर में कहा गया कि विमान 1978 में निर्मित था और एथलेटिक ग्रुप एलएलसी तथा एक निजी व्यक्ति से संबद्ध था। विमान को एक निजी एंबुलेंस उड़ान के रूप में मास्को के झुकोवस्की अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए गया से उज्बेकिस्तान के ताशकंद होते हुए परिचालित किया जा रहा था।

इसरो ने अयोध्या के राम मंदिर की उपग्रह से ली गई तस्वीर जारी की

भाषा। बेंगलुरु

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र ने अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की उपग्रह से ली गई तस्वीर जारी की है। इसरो ने अंतरिक्ष में मौजूद भारतीय सुदूर संवेदी उपग्रह से ली गई तस्वीर रविवार को साझा की, जिसमें अयोध्या में बन रहा भव्य मंदिर दिखाई दे रहा है जिसमें रामलला का प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होना है। पिछले साल 16 दिसंबर को ली गई तस्वीर में दशरथ महल, अयोध्या रेलवे स्टेशन और पवित्र सरयू नदी भी दिखाई दे रही है। रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत अन्य लोगों की मौजूदगी में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच होगा।

अभियान से लेकर स्क्रीनिंग तक, कॉरपोरेट घराने भी प्राण प्रतिष्ठा के जश्न में शामिल

भाषा। नई दिल्ली

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर कई बड़ी कंपनियों ने परिसर में प्रकाश व्यवस्था में योगदान से लेकर कार्यक्रम को मल्टीप्लेक्स पर लाइव दिखाने तक की घोषणा की है। कुछ कंपनियां समारोह के दौरान क्षेत्र में बिक्री से अपने लाभ का एक हिस्सा पूरे अयोध्या शहर में विशेष खाद्य पदार्थ वितरित करने के लिए दान कर रही हैं। उपभोक्ता क्षेत्र में काम करने वाली कई कंपनियों ने बड़ी संख्या में होर्डिंग, गेट ब्रांडिंग, शॉपबोर्ड और कियोस्क लगाकर अयोध्या राम मंदिर के लिए पवित्र शहर में आने वाले भक्तों को उत्पाद पेश करके ऑन-ग्राउंड मार्केटिंग अभियान शुरू किया है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह 16 जनवरी को शुरू हुआ और 22 जनवरी तक चलेगा। अग्रणी मल्टीप्लेक्स ऑपरेटर पीवीआर आईनॉक्स ने 22 जनवरी, 2024 को 70 से अधिक शहरों में अपने 160 सिनेमा स्क्रीन पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लाइव दिखाने की घोषणा की है। पीवीआर आईनॉक्स के सह मुख्य कार्यपालक अधिकारी (को-सीईओ) गौतम दत्ता ने कहा कि वास्तव में अनूठे तरीके से भक्तों को इस उत्सव से जोड़ने में सक्षम होना हमारे लिए सौभाग्य की बात होगी। उम्मीद है कि हम मंदिर की गूंज, मंत्र और मन को छूने वाले दृश्यों को दिखाकर भारत के समकालीन इतिहास में सबसे प्रतीक्षित क्षणों को जीवंत कर पाएंगे। डाबर इंडिया 17 जनवरी से 31 जनवरी तक अपने उत्पादों की बिक्री से होने वाले मुनाफे का एक हिस्सा श्री जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र को दान करेगी। डाबर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मोहित मल्होत्रा, राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा निस्संदेह हमारे इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण अवसरों में से एक है। इस अवसर पर डाबर ने 17 जनवरी से 31 जनवरी तक अपने उत्पादों की बिक्री से हुए मुनाफे का एक हिस्सा श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र को दान करने का फैसला किया है। अडाणी विल्मर की जलेबी बांटने और एक दिन व्यापक स्तर पर भोग आयोजित करने की योजना बनाई है। कंपनी की अयोध्या में इकट्ठा होने वाले भक्तों की बड़ी भीड़ का ध्यान खींचने के लिए गेट ब्रांडिंग, होर्डिंग्स, शॉपबोर्ड तथा कियोस्क जैसी बीटीएल गतिविधियों को अंजाम देने की भी योजना है। ब्रांड श्रीमद रामायण की पूरी अवधि का प्रयोजक बनकर टेलीविजन का भी लाभ उठा रहा है, जो कि अयोध्या में समारोह के साथ मेल खाता है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अंग्शु मलिक ने कहा, अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा प्रत्एक भारतीय के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। फॉर्च्यून की ब्रांड भावना को ध्यान में रखते हुए हमें इस उत्सव का हिस्सा बनने पर गर्व है, क्योंकि यह ऐतिहासिक कार्यक्रम एक त्योहार के समान है जो भारतीय होने की अनुभूति का जश्न है। आईटीसी श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के साथ जुड़ी है और इसके अगरबत्ती ब्रांड मंगलदीप ने मंदिर के उद्घाटन की तारीख से छह महीने की अवधि के लिए धूप दान किए हैं। इसके अलावा राम की पेढ़ी पर दो अगरबत्ती स्टैंड भी लगाए गए हैं, जहां भक्त अगरबत्ती जला सकते हैं और भगवान राम की पूजा कर सकते हैं। मंगलदीप ने नदी घाटों पर पुजारियों के लिए मंच के साथ-साथ पूजा की दुकानें, फेरीवाले तथा अयोध्या के बाजारों में छाया के लिए छतरियां भी प्रदान की हैं। आईटीसी के अगरबत्ती कारोबार के मुख्य कार्यकारी गौरव तायल ने कहा, मंगलदीप का इस ऐतिहासिक तथा पवित्र कार्यक्रम का हिस्सा बनना वास्तव में सम्मान की बात है। हमारा मकसद मंदिरों के साथ-साथ भक्तों के घरों में भक्ति के प्रवर्तक के रूप में सेवा करना है। हम अयोध्या में भगवान राम मंदिर के उत्सव में भाग लेने वाले सभी लोगों के लिए समृद्ध अनुभव, सौहार्दपूर्ण माहौल सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। हैवेल्स और आरएके सेरामिक्स ने राम मंदिर परियोजना के साथ अपने सहयोग की घोषणा की। हैवेल्स ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि परिसर में श्री राम मंदिर को रोशन करने की एक ऐतिहासिक परियोजना के सफल समापन की घोषणा की है। वहीं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित आरएके सेरामिक्स ने कहा कि उसने भारत में कई परियोजनाओं में हिस्सा लिया है। हालांकि, राम मंदिर परियोजना को उन सभी में सबसे भव्य माना जाता है। ऐप आधारित कैब सेवा देने वाली कंपनी उबर ने शहर में ईवी ऑटो को हरी झंडी दिखाकर अयोध्या में परिचालन शुरू कर दिया है।

कलाकारों ने ज़ाहिर की अपनी खुशी

मुंबई। अयोध्या में 22 जनवरी को ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा समारोह और राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर भारत और दुनिया भर के लोग काफी उत्साहित हैं। इन विशेष रस्मों की भव्य योजनाओं ने आयोजन को और भी ज्यादा पवित्र और दिव्य बना दिया है। उत्सव के एक हिस्से के रूप मेंए एक विशाल 1008 कुंडी महायज्ञ हुआ है, जिसमें कई भक्तों ने भाग लियाए जिससे भव्यता में पवित्रता जुड़ गई है। इस अवसर पर क्योंकि सास मां बहू बेटी होती है से हिमांशु सोनी कुंडली भाग्य से मनित जौरा, प्यार का पहला अध्याय शिवशक्ति से निक्की शर्मा, और रब से है दुआ से ऋचा राठौर और इक कुड़ी पंजाब दी से मोनिका खन्ना जैसे ज़ी टीवी के लोकप्रिय कलाकार इस पवित्र आयोजन को लेकर बेहद उत्साहित हूं। उन्होंने अपनी खुशी ज़ाहिर की और बताया है कि यह प्राण प्रतिष्ठा समारोह कितना महत्वपूर्ण है। इन एक्टर्स की तरह ही करोड़ों लोग भी राम मंदिर के उद्घाटन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में इन कलाकारों का उत्साह इस उल्लेखनीय सांस्कृतिक और धार्मिक पल की खुशी दोगुनी कर देता है। हिमांशु सोनी ने कहा कि मैं हमारे देश में नए विकास, राम मंदिर के निर्माण को लेकर बेहद खुश हूं। इतने लंबे समय के इंतजार के बादए हमें अंततः इस पवित्र स्थान की यात्रा करने का अवसर मिला है। भगवान राम के एक समर्पित अनुयायी के रूप में,मैंने हमेशा हर तरह से उनकी निष्ठाए शक्तिए सजगता और निस्वार्थ भावना में आस्था रखी है। वो जीवन की हर स्थिति में मेरे लिए प्रेरणा के रूप में कार्य करते हैं।

भारत म्यांमा से पिछले सप्ताह भागकर मिजोरम आए 276 सैनिकों को वापस भेजेगा

आइजोल। भारत, म्यांमा के उन 276 सैनिकों को वापस भेजेगा जो पिछले हफ्ते जातीय उग्रवादी समूह के साथ मुठभेड़ के बाद भागकर मिजोरम चले आए थे। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन सैनिकों की वापसी की यह प्रक्रिया दो दिन सोमवार और मंगलवार जारी रहेगी। मिजोरम भागकर आए म्यांमा के 600 से अधिक सैनिकों को उनके देश वापस भेजा जाएगा।असम राइफल्स के अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि 276 कर्मियों को म्यांमा वायु सेना के विमानों के जरिए आइजोल के पास लेंगपुई हवाई अड्डे से पड़ोसी देश के राखिन प्रांत में सितवे तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि ए सैनिक 17 जनवरी को हथियारों और गोला-बारूद के साथ दक्षिणी मिजोरम के लांगतलाई जिले में भारत-म्यांमा-बांग्लादेश ट्राइजंक्शन पर स्थित बांडुकबंगा गांव में घुस गए और असम राइफल्स के पास पहुंचे। उन्हें पास के पर्व में असम राइफल्स शिविर में ले जाया गया और बाद में उनमें से अधिकांश को लुंगलेई में स्थानांतरित कर दिया गया। अधिकारी ने कहा, तब से वे असम राइफल्स की निगरानी में हैं।

अरुणाचल में बहुविवाह प्रथा पर चिंता जताई

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश महिला कल्याण सोसायटी (एपीडब्ल्यूडब्ल्यूएस) ने राज्य में बहुविवाह प्रथा के चलन में बढ़ोतरी को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के शनिवार को अरुणाचल पहुंचने के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को लिखे एक पत्र में महिला संगठन ने राज्य के सामाजिक ताने-बाने पर बहुविवाह प्रथाओं के प्रतिकूल प्रभाव पर जोर दिया और महिलाओं के शोषण और लैंगिक समानता में आई गिरावट पर भी प्रकाश डाला। अरुणाचल प्रदेश महिला कल्याण सोसायटी (एपीडब्ल्यूडब्ल्यूएस) ने पत्र में महिलाओं को राजनीतिक उपकरण के रूप में उपयोग करने की चिंताजनक प्रवृत्ति की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह एक ऐसा मामला है, जिसका संस्था ने 1979 में अपनी स्थापना के बाद से लगातार विरोध किया है। महिला निकाय ने अपने पत्र में पिछले साल छह सितंबर को विधानसभा की कार्यवाही से अरुणाचल प्रदेश मोनोगैमी चुनाव विधेयक 2023 को वापस लेने के संबंध में विवाद के एक प्रमुख बिंदु पर प्रकाश डाला। अरुणाचल प्रदेश महिला कल्याण सोसायटी ने पत्र में कहा, कांग्रेस विधायक निनॉन्ग एरिंग द्वारा पेश किए गए विधेयक का उद्देश्य केवल एक पति या पत्नी वाले व्यक्तियों को चुनाव लड़ने के लिए पात्र बनाना है। इसमें जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में महत्वपूर्ण संशोधन के साथ-साथ पंचायत अधिनियम, 1997 और नगरपालिका अधिनियम, 2007 को शामिल करने की मांग की गई है।

फिटजी स्कॉलरशिप देगा, परीक्षा 28 को

नई दिल्ली। फिटजी ने द्रोणाचार्य 360 डिग्री डायग्नोस्टिक एण्ड स्कॉलरशिप परीक्षा की घोषणा की है। कक्षा-5 से 11 के छात्रों के लिये यह परीक्षा उनकी प्रतिभा आंकने और निखारने का अभूतपूर्व अवसर होगाए साथ ही उन्हें अच्छा कॅरियर बनाने का लाभ भी मिलेगा। द्रोणाचार्य 360 डिग्री डायग्नोस्टिक एंड स्कॉलरशिप एक्ज़ाम के तहत 28 जनवरी की परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 26 जनवरी है और चार फरवरी की परीक्षा के लिए दो फरवरी है। फिटजी के क्लासरूम या इंटीग्रेटेड स्कूल प्रोग्राम में नामांकन के लिए छात्रों को केवल ऑफ़लाइन परीक्षा देनी होगी। हालाँकिए फिटजी के लाइव ऑनलाइन क्लासरूम प्रोग्राम के लिए वे ऑफ़लाइन या ऑनलाइन परीक्षा दे सकते हैं। फि टजी द्वारका सेंटर के मैनेजिंग पार्टनर और प्रमुख विनोद अग्रवाल ने कहा द्रोणाचार्य 360.डिग्री डायग्नोस्टिक और स्कॉलरशिप एक्ज़ाम भारत के कोचिंग सेक्टर में ऐतिहासिक उपलब्धि है। हम हमेशा से अकादमिक उत्कृष्टता बढ़ाने में लगे हैं। यह परीक्षा इसकी मिसाल है।

क्विक न्यूज

भगवान राम भारत की संस्कृति और इसकी पहचान के अभिन्न अंग हैंः अरुण गोविल

अयोध्या। रामानंद सागर के मशहूर धारावाहिक रामायण में राम की भूमिका निभाकर घर-घर में पहचान बनाने वाले अरुण गोविल का कहना है कि भगवान राम भारत की संस्कृति और इसकी पहचान के अभिन्न अंग हैं। रामायण में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले अभिनेता अरुण गोविल को उनकी सह-कलाकार दीपिका चिखलिया के साथ इस भव्य कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया है। दीपिका चिखलिया ने धारावाहिक में माता सीता की भूमिका निभाई थी। पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में अरुण गोविल ने कहा किं भगवान राम हमारे देश के गौरव, संस्कृति की पहचान और स्वाभिमान हैं। भगवान राम के चरित्र में साहस, गंभीरता, विचारशीलता, बड़ों को दिया जाने वाला सम्मान ... सब कुछ है। अभिनेता ने कहा कि वह मशहूर धारावाहिक में भगवान राम की भूमिका निभाने के लिए पहली पसंद नही थे। उन्होने कहा,मैंने शुरुआत में ही रामानंद सागर जी से कहा था कि मै केवल भगवान राम का किरदार निभाना चाहता हूं... मुझे रिजेक्ट कर दिया गया और यह भूमिका किसी और को ऑफर की गई। लेकिन बाद मे मुझे इस भूमिका के लिए वापस बुलाया गया। रामायण ने गोविल को प्यार और पहचान दी, लेकिन इसके बाद उन्हें भूमिकाएं मिलनी कम हो गईं क्योंकि फिल्म निर्माताओं के लिए उन्हे किसी अलग भूमिका मे कल्पना करना मुश्किल था। हालांकि, अभिनेता ने कहा कि किसी अन्य किरदार ने उन्हे इस स्तर का सम्मान नही दिलाया होता। रामायण मे अपनी भूमिका के बारे में गोविल ने कहा किंप्रोफेशनल लाइफ मे इसके (रामायण) कई फायदे और नुकसान थे। उस वक्त मै फिल्मो मे अच्छा काम कर रहा था, लेकिन इसके बाद मै फिल्मो मे काम नही कर पाया। उस वक्त मुझे लगा कि यह मेरे लिए घाटा हो गया है लेकिन अब अहसास होता है कि अगर मैने 500 फिल्में भी की होती, तब भी मुझे जो प्यार और सम्मान मिलता है वह नही मिल पाता। रामानंद सागर के बेटे प्रेम सागर ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह कौ ऐतिहासिकै बताया।

सीतारमण ने तमिलनाडु सरकार पर मंदिरों में भगवान राम की पूजा पर रोक लगाने का आरोप लगाया

चेन्नई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक तमिल दैनिक की खबर का हवाला देते हुए रविवार को आरोप लगाया कि तमिलनाडु सरकार द्वारा प्रबंधित मंदिरो ने अयोध्या मे राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन भगवान राम की पूजा निषिद्ध कर दी है। वही, राज्य सरकार ने इस दावे को छिपे हुए इरादो वाली झूठी खबर करार देते हुए खारिज कर दिया है। सीतारमण ने एक्स पर एक पोस्ट मे आरोप लगाया, तमिलनाडु सरकार ने 22 जनवरी 2024 के अयोध्या राम मंदिर कार्यक्रमो का सीधा प्रसारण देखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। तमिलनाडु मे श्री राम के 200 से अधिक मंदिर है। हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ धर्मादा (एचआर एंड सीई) प्रबंधित मंदिरो मे श्री राम के नाम पर कोई भी पूजाभजनाप्रसादमाअन्नदानम की अनुमति नहीं है। उन्होने कहा, निजी रूप से प्रबंधित मंदिरो को भी कार्यक्रम आयोजित करने से पुलिस रोक रही है। वे आयोजको को पंडाल तोड़ने की धमकी दे रहे है। हिंदू विरोधी, इस घृणित कार्रवाई की कड़ी निंदा करती हूं। केंद्रीय मंत्री ने इस बारे मे तमिल समाचार पत्र की एक खबर अपने पोस्ट मे संलग्न की है। सीतारमण के आरोप पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए तमिलनाडु के धार्मिक एवं धर्मार्थ धर्मादा मंत्री पी.के. शेखर बाबू ने कहा कि ऐसा कोई प्रतिबंध नही लगाया गया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के मंदिरो, एचआर एंड सीई विभाग ने भगवान राम की पूजा करने पर किसी तरह का प्रतिबंध नही लगाया है। उन्होने साथ ही कहा कि अन्नदानम और प्रसादम वितरित करने पर कोई प्रतिबंध नही है। तमिलनाडु के मंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट मे कहा, अभी सलेम मे हो रहे द्रमुक की युवा शाखा के सम्मेलन से लोगो का ध्यान भटकाने के लिए यह अफवाह फैलाई जा रही है। उन्होने खबर को पूरी तरह से फर्जी और छिपे हुए इरादो वाला बताया। उन्होंने कहा कि यह अफसोसजनक है कि एक उच्च पद पर आसीन सीतारमण इस तरह की फर्जी खबरो का प्रसार कर रही है।

अयोध्या में प्लास्टिक को उपयोग में न लाने का संकल्प

अयोध्या। अयोध्या की प्राचीन भूमि से प्रयास के बारे में बात करते हुए के गणेश वरिष्ठ महाप्रबंधक कॉर्पोरेट अफेयर्स एवं सीएसआर बिसलेरी लिमिटेड ने कहा कि इस सहयोग का उद्देश्य प्लास्टिक को जिम्मेदारी के साथ डिस्पोज़ करने के बारे में जागरूकता पैदा करना है। साथ ही हमारी कोशिश है कि इस मामले में सामुदायिक भागीदारी को भी बढ़ावा दिया जाए। हम इस धार्मिक स्थल के पवित्र वातावरण को सुरक्षित बनाने में अयोध्या नगर निगम के प्रयासों में अपनी ओर से योगदान देंगे। हम इसके साथ ही ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर भी उपलब्ध कराएंगेए जिससे कि प्लास्टिक कचरे को सीधे रीसाइक्लिंग के लिए भेजा जा सके। भक्त आसानी से कचरे को सही तरीके से डिस्पोज़ कर सकें, इसके लिए राम मंदिर के करीब कुछ बड़े डिब्बे भी रखे जाएंगे। हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करेगाए कि पवित्र स्थल के आसपास का क्षेत्र पूरी तरह से साफ रहेए ताकि अयोध्या को स्वच्छ रखा जा सके और यहां के पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सके। प्रशिक्षित कर्मचारियों की एक समर्पित टीम इन स्थानों पर सक्रिय रूप से कचरे का प्रबंधन करेगीए जिससे प्लास्टिक कचरे को सही तरीके से छांटा जा सके और डिस्पोज़ किया जा सके। इस टीम की उपस्थिति से भक्तों के बीच जागरूकता बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। भक्तों के इस प्रयास से हमारी यह पहल और भी प्रभावी बन सकेगी।

राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को ऐतिहासिक दिन बनाने की मुख्यमंत्री यादव की अपील

उज्जैन (मप्र)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को लोगो से रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को ऐतिहासिक दिन बनाने की अपील की। मुख्यमंत्री ने सोमवार को अयोध्या में होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा समारोह से पहले लोगो मे व्याप्त उत्साह और जुनून के बीच यहां पत्रकारो से बात की। यादव ने कहा, दो हजार साल पहले, उज्जैन से सम्राट विक्रमादित्य अयोध्या गए और उस स्थान का कायाकल्प किया तथा एक राम मंदिर बनवाया, जिसे बाद मे (मुगल सम्राट) बाबर ने ध्वस्त कर दिया था। उच्चतम न्यायालय के आदेश से मंदिर का पुनरुद्धार किया जा रहा है। दूसरे शब्दो मे इसे नए सिरे से बनाया जा रहा है। उन्होने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य नेता अयोध्या मे होंगे। हम सभी को इसे एक अविस्मरणीय, ऐतिहासिक घटना बनाना चाहिए। यादव ने कहा कि जब भगवान राम गर्भगृह मे प्रतिस्थापित हो जाएंगे वह क्षण सबसे पवित्र होगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार एवं राज्य के लोग 16 जनवरी से इस महान आयोजन की तैयारी कर रहे है। उज्जैन मे रविवार सुबह उत्सव मनाया गया और इस दौरान शहर के मुख्य मार्गो से भगवान राम तथा सीता के वेश मे सजे बच्चो के साथ एक बड़ा जुलूस निकाला गया। बारह ज्योतिर्लिंगो (भगवान शिव के प्रमुख पूजा स्थल) मे से एक, महाकालेश्वर मंदिर वाले इस शहर मे लोगो को ढोल की थाप पर थिरकते और खुशी मनाते देखा गया। पूरे शहर मे जय श्रीराम के नारे गूंजते रहे और अखाड़ो मे उत्सव का माहौल नजर आया। इन अखाड़ो मे धार्मिक कार्यक्रमो का आयोजन भी किया गया।

ओडिशा के शहरों में भगवान राम की छवि वाले ध्वज और टी-शर्ट बेचने के लिए सजीं अस्थाई दुकानें

बेहरामपुर। अयोध्या मे 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर और रेशम शहर बेहरामपुर सहित राज्य के विभिन्न शहरो मे भगवान राम और हनुमान की छवि से अंकित भगवा ध्वज, टी-शर्ट और अन्य सामग्री बेचने के लिए अस्थाई दुकाने खोली गई है। भुवनेश्वर के यूनिट-। बाजार और खलीकोट विश्वविद्यालय और शहर के कुछ अन्य इलाको मे सड़को के किनारे अस्थाई दुकानो के अलावा पूजा सामग्री व किराना की दुकानो मे भी भगवा झंडे और भगवान हनुमान की छवि वाली टी-शर्ट की बिक्री हो रही है। लगभग 10 दिन पहले यहां खलीकोट कॉलेज स्टेडियम के पास सड़क किनारे एक अस्थाई दुकान खोलने वाले सचिन पाणिग्रही ग्राहको को भगवान राम, हनुमान आदि की छवि से अंकित विभिन्न आकार के भगवा झंडे दिखाने मे व्यस्त है।उन्होने कहा, हमारे पास कई तरह के ध्वज है जिन पर जय श्री राम और जय हनुमान लिखा है। इनकी कीमत 10 रुपए से लेकर 500 रुपए तक है। हालांकि, अधिकांश खरीदार 100 से 200 रुपए के मध्यम आकार के झंडे और बाइक पर ध्वज लगाने के होल्डर खरीदना पसंद करते है। वह भगवा झंडो के साथ-साथ तिरंगा, टोपियां और 26 जनवरी गणतंत्र दिवस से जुड़ी कुछ अन्य सामग्रियां भी बेच रहे है। यहां खलीकोट कॉलेज के पास एक अन्य दुकानदार ने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या मे राम मंदिर मे रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद भी भगवा झंडे और राष्ट्रीय ध्वज और कुछ अन्य सामग्री बेचने के लिए अस्थाई दुकाने गणतंत्र दिवस तक खुली रहेगी। अयोध्या के राम मंदिर मे प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले भगवान राम से संबंधित धार्मिक पुस्तको जैसी अन्य सामग्रियो की भी मांग बढ़ गई है। भुवनेश्वर के पुराना बस अड्डा क्षेत्र मे पुस्तक विक्रेता सुधेश पात्रा ने कहा कि पिछले कुछ दिनो मे रामायण, हनुमान चालीसा, सुंदरकांड और राम चरित मानस जैसी धार्मिक पुस्तको की बिक्री बढ़ गई है।

भारत में कोविड के 290 नए मामले, छह लोगों की मौत

नई दिल्ली। भारत मे एक दिन मे कोविड-19 के 290 नए मामले दर्ज किए गए। देश मे कोरोना वायरस से संक्रमण के उपचाराधीन मरीजो की संख्या अब 2,059 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए आंकड़ो के अनुसार, 24 घंटे मे कोविड-19 के छह मरीजो की मौत हुई, जिनमे केरल के चार, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के एक-एक मरीज थे। पिछले साल पांच दिसंबर तक कोविड-19 के दैनिक मामलो की संख्या घटकर दोहरे अंक तक आ गई थी, लेकिन वायरस के नए उपस्वरूप जेएन.1 तथा सर्दी के मौसम के कारण मामलो मे बढ़ोतरी होनी शुरू हुई। आधिकारिक सूत्रो ने बताया कि पांच दिसंबर 2023 के बाद एक दिन मे कोरोना संक्रमण के सर्वाधिक 841 नए मामले 31 दिसंबर को दर्ज किए गए, जो मई 2021 मे दर्ज सर्वाधिक मामलो का 0.2 प्रतिशत था। वायरस के उपचाराधीन मरीजो मे से तकरीबन 92 प्रतिशत मरीज घर पर ही पृथक-वास मे है। सूत्रो ने कहा, इस समय उपलब्ध आंकड़ो से पता चलता है कि जेएन.1 उपस्वरूप की वजह से न तो नए मामलो मे तेजी से वृद्धि हो रही है, न अस्पताल मे भर्ती होने वालो संक्रमितो की संख्या मे बढ़ोतरी हो रही है और न ही मृत्यु दर मे वृद्धि हो रही है। देश मे कोरोना वायरस के डेल्टा स्वरूप के कारण अप्रैल-जून 2021 मे महामारी की स्थिति बेहद भयावह हो गई थी और उस दौरान सात मई 2021 को देश मे एक दिन मे संक्रमण के 4,14,188 नए मामले सामने आए थे और 3,915 मरीजो की मौत हुई थी।

रूस के कब्जे वाले यूक्रेन में एक बाजार पर गोलाबारी में 25 की मौत

भाषा। कीव

रूस के कब्जे वाले यूक्रेन में एक बाजार पर की गई गोलाबारी में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमला रविवार सुबह दोनेत्स्क शहर के उपनगर तेकस्तिलशचिक में किया गया। दोनेत्स्क में रूस द्वारा नियुक्त शीर्ष अधिकारी डेनिस पुशिलिन ने बताया कि हमले में दो बच्चों समेत 20 लोग घायल भी हुए हैं। उन्होंने कहा कि गोलाबारी यूक्रेनी सेना द्वारा की गई। यूक्रेन ने घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है और दावों को एसोसिएटेड प्रेस द्वारा स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं किया जा सका है। पुशिलिन ने बताया कि आपातकालीन सेवा के कर्मचारी घटनास्थल पर बचाव अभियान चला रहे हैं। वहीं, स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि रविवार को रूस के उस्त-लुगा बंदरगाह पर एक रासायनिक परिवहन टर्मिनल में दो विस्फोटों के बाद आग लग गई। स्थानीय मीडिया ने बताया कि बंदरगाह पर यूक्रेनी ड्रोन द्वारा हमला किया गया था, जिससे एक गैस टैंक में विस्फोट हो गया और आग फैल गई। रूस स्थित किंगिसेप क्षेत्र में बंदरगाह के प्रमुख यूरी जापलात्स्की ने एक बयान में कहा कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन जिले को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

रूस का निजी विमान अफगानिस्तान में दुर्घटनाग्रस्त हुआ : अधिकारी

इस्लामाबाद। रूस का एक निजी विमान अफगानिस्तान के दूरदराज के एक ग्रामीण इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि विमान में छह लोग सवार थे। विमान एक एंबुलेंस उड़ान के तौर पर भारत के गया से ताशकंद के रास्ते मॉस्को तक परिचालित किया जा रहा था। क्षेत्रीय प्रवक्ता जबीउल्ला अमीरी ने बताया कि दुर्घटना शनिवार को बदख्शां प्रांत के जेबक जिले के पास एक पर्वतीय इलाके में हुई। उन्होंने बताया कि एक बचाव दल दुर्घटना स्थल के लिए रवाना किया गया है। जेबक अफगानिस्तान की राजधानी काबुल से करीब 250 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है। यह एक ग्रामीण और पर्वतीय इलाका है। बदख्शां पुलिस प्रमुख के कार्यालय ने भी एक बयान में दुर्घटना की पुष्टि की है। मास्को में, रूसी नागरिक उड्डयन अधिकारियों ने कहा कि एक दसॉल्ट फाल्कन 10 लापता हो गया। अधिकारियों ने बताया कि विमान में चालक दल के चार सदस्य और दो यात्री सवार थे। उन्होंने बताया कि रूस के पंजीकरण वाले विमान से संपर्क टूट गया और यह रडार के स्क्रीन से ओझल हो गया। रूसी अधिकारियों ने कहा कि विमान एथलेटिक ग्रुप एलएलसी और एक निजी व्यक्ति से संबद्ध है। बाद में, रूस की जांच समिति ने कहा कि इसने वायु सुरक्षा नियमों के संभावित उल्लंघन या लापरवाही के आरोपों की एक आपराधिक जांच शुरू की है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने यह भी कहा कि अफगानिस्तान में रूसी दूतावास घटना को लेकर स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। वहीं, तालिबान के सूचना एवं संस्कृति मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल वाहिद रेयान की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, विमान मोरक्को की एक कंपनी का था। भारतीय नागर विमानन अधिकारियों ने भी बताया कि विमान मोरक्को में पंजीकृत था। रेयान ने दुर्घटना के लिए इंजन के काम करना बंद कर देने को जिम्मेदार ठहराया। इससे पहले, अफगानिस्तान में 2020 में भीषण विमान दुर्घटना हुई थी। इस दौरान अमेरिकी वायुसेना का बम्बार्डियर ई-11ए गजनी प्रांत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई थी।

क्विक न्यूज

इजराइल-हमास युद्ध में 25,000 से अधिक फलस्तीनियों की मौत हुई है : गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय

रफाह (गाजा पट्टी)। इजराइल और हमास के बीच तीन महीने से अधिक समय से जारी युद्ध में 25,000 से अधिक फलस्तीनियों की मौत हुई है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-किद्रा के अनुसार, पिछले 24 घंटे में गाजा के अस्पतालों में कम से कम 178 शव और लगभग 300 घायल लाए गए। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इजराइल-हमास युद्ध में महिलाएं और बच्चे सबसे अधिक पीड़ित हैं। सात अक्टूबर को हमास ने इजराइल पर अचानक हमला कर करीब 1200 लोगों को मार डाला था, इनमें से अधिकतर आम नागरिक थे। हमलावरों ने पुरुषों, महिलाओं और बच्चों सहित लगभग 250 को बंधक बना लिया। इजराइल ने हवाई अभियान के साथ जवाबी हमले शुरू किए और फिर उत्तरी गाजा में जमीनी आक्रमण किया, जिससे पूरा इलाका लगभग तबाह हो गया। इजराइली बलों की जमीनी कार्वाई अब दक्षिणी शहर खान यूनिस और मध्य गाजा में निर्मित शरणार्थी शिविरों पर केंद्रित है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि सात अक्टूबर से अब तक क्षेत्र में कुल 25,105 फलस्तीनी मारे गए हैं जबकि 62,681 अन्य घायल हुए हैं। प्रवक्ता ने कहा कि कई लोग इजराइली हमलों के कारण मलबे के नीचे दबे हुए हैं, जहां चिकित्सक उन तक नहीं पहुंच सके हैं। मंत्रालय ने मरने वालों में नागरिकों और लड़ाकों की संख्या के बीच अंतर के बारे में कोई सटीक जानकारी नहीं दी है। हालांकि, कहा है कि मारे गए लोगों में से लगभग दो-तिहाई महिलाएं और नाबालिग शामिल हैं। इजराइली सेना ने बिना कोई सबूत दिए दावा किया कि लगभग 9,000 उग्रवादियों को मार गिराया गया है।

निष्पक्ष चुनाव नहीं होने से पाकिस्तान में और अस्थिरता होगी : इमरान खान

इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव के लिए उनकी पार्टी को समान अवसर देने की मांग करते हुए कहा कि चुनाव में निष्पक्षता की कमी से अस्थिरता और अनिश्चितता का माहौल बढ़ेगा।पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक 71 वर्षीय खान ने शनिवार को अदियाला जेल में संवाददाताओं को अनौपचारिक रूप से संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। क्रिकेटर से राजनीतिज्ञ बने खान ने दावा किया कि उनकी पार्टी को चुनाव प्रचार करने में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि प्रतिबंधों की वजह से पार्टी को जनसभाएं करने में मुश्किलें हो रही है। डॉन अखबार की खबर के अनुसार उन्होंने कहा कि अधिकारी उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने से रोकने के लिए प्रताड़ित कर रहे है और उन्हे हिरासत मे लिया जा रहा है। खान ने चेतावनी दी कि अगर निष्पक्ष चुनाव नही कराए गए तो इससे देश में अस्थिरता और अनिश्चितता बढ़ जाएगी। द एक्सप्रेस ट्रब्यिून की खबर में खान के हवाले से कहा गया है, चुनाव से सिर्फ तीन दिन पहले मुझे रिहा कर दो और केवल एक जनसभा करने की अनुमति दे दो और हर कोई देखेगा कि हम क्या हासिल कर सकते है। खान ने दावा किया कि देश में किसी तरह का कानून या नियम नही है लेकिन फिर भी वह कानून अपने हाथों में नही लेंगे क्योंकि वह एक राजनीतिज्ञ हैं और आखिरी बॉल तक खेलेंगे।

उ.कोरिया ने रूस के साथ रणनीतिक और सामरिक सहयोग मजबूत करने पर जोर दिया

सियोल। उत्तर कोरिया ने रविवार को कहा कि वह एक नई बहु-ध्रुवीय अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था स्थापित करने के लिए रूस के साथ रणनीतिक और सामरिक सहयोग मजबूत करने पर सहमत हो गया है। उसका यह बयान तब आया है जब दोनों देश अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच एक संयुक्त मोर्चा बनाने पर काम कर रहे है। उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री चोइ सोन हुई की पिछले सप्ताह मॉस्को में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और विदेश मंत्री सर्गेइ लावरोव के साथ बैठकों का हवाला देते हुए उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि पुतिन ने प्योंगयांग की यात्रा करने की इच्छा दोहराई और कहा कि वह जल्द ही उत्तर कोरिया आ सकते हैं। उत्तर कोरिया, रूस के साथ अपने संबंध मजबूत करने पर सक्रियता से काम कर रहा है जो उसके नेता किम जोंग उन की पुतिन के साथ एक शिखर वार्ता में सितंबर में रूस की यात्रा से यह स्पष्ट होता है। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक अलग बयान में देश के हालिया बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण को लेकर एक आपात बैठक बुलाने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की निंदा की। सरकारी मीडिया द्वारा प्रकाशित टिप्पणियों में उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि चोइ और रूसी अधिकारियों ने अपनी बैठकों में दोनों देशों के हितों की रक्षा में रणनीतिक और सामरिक सहयोग मजबूत करने और एक नई बहु-ध्रुवीय अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था स्थापित करने की दृढ़ इच्छाशक्ति जताई।

अमेरिका: कैलिफोर्निया में बे एरिया के लोगों ने भगवान राम को समर्पित कार रैली निकाली

ह्यूस्टन (अमेरिका)। अयोध्या स्थित राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले अमेरिका में कैलिफोर्निया के बे एरिया में।,100 से अधिक लोगों ने राम मंदिर के चित्र वाले भगवा झंडे थामकर विशाल कार रैली निकाली। इस रैली का आयोजन बे एरिया के छह स्वयंसेवी हिंदुओं ने किया। रैली सनीवेल से वार्म स्प्रिंग बीएआरटी स्टेशन, गोल्डन गेट तक निकाली गई। इसके अलावा शनिवार शाम को एक भव्य टेस्ला कार लाइट शो का आयोजन किया गया। विशाल राम रथ के साथ निकाली गई इस रैली ने लगभग 100 मील की दूरी तय की और इस दौरान सुरक्षा के लिए पुलिस की दो कार भी तैनात रही। इस रैली के छह आयोजकों में से एक रोहित शर्मा ने फोन पर पीटीआई-भाषा से कहा, राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में आयोजित इस कार्यक्रम को उम्मीद से बढ़कर प्रतिक्रिया मिली। मुख्य आयोजक दीप्ति महाजन ने कहा, अप्रत्याशित बारिश के कारण समापन स्थल बदलकर वार्म स्प्रिंग बीएआरटी स्टेशन किया गया। बारिश के बावजूद दो हजार से अधिक राम भक्तों का उत्साह कम नही हुआ। केसरिया झंडे लिए राम भक्तों ने ढोल नगाड़े बजाकर और राम भजन गाकर पूरे क्षेत्र को छोटे-अयोध्या में बदल दिया। आयोजकों में से एक दीपक बजाज ने कहा, यह अमेरिका में हिंदुओं द्वारा आयोजित अपनी तरह की पहली रैली थी और इस रैली में हिस्सा लेने वाले लोग काफी उत्साहित और खुश नजर आए।

श्रीलंका की मुख्य तमिल पार्टी ने चुना नया नेता

कोलंबो। श्रीलंका की मुख्य तमिल अल्पसंख्यक पार्टी इलंकाई थमिल अरासु काच्छी (आईटीएके) ने रविवार को त्रिंकोमाली के पूर्वी बंदरगाह जिले में आयोजित गुप्त मतदान के जरिए शिवगणनम श्रीधरन को अपना नया नेता चुना।जाफना संसदीय क्षेत्र से सांसद श्रीधरन ने अपने प्रतिद्वंद्वी अब्राहम सुमंथिरन को 137 के मुकाबले 184 वोटों से हराया। पूर्व शिक्षक व कट्टर तमिल श्रीधरन ने पेशे से वकील और तमिल नेशनल अलायंस (टीएनए) के सुमंथिरन को हराया।वर्ष 2004 में टीएनए पांच दलों वाले आईटीएके में शामिल हुआ था। टीएनए ने वर्ष 2020 में पिछला संसदीय चुनाव आईटीएके के चिह्न पर लड़ा था और 225 सदस्ईय राष्ट्रीय संसद में 10 सीटों पर जीत हासिल की थी।

युगांडा के राष्ट्रपति मुसेवेनी ने भारतीय प्रवासियों के योगदान की सराहना की

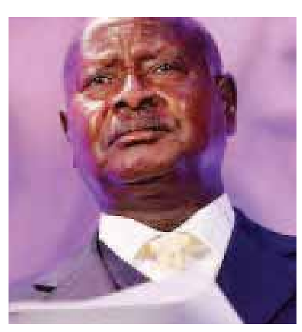

कंपाला। युगांडा के राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी ने 1972 में बड़े पैमाने पर निष्कासन और संघर्षों के बावजूद देश की अर्थव्यवस्था में दक्षिण एशियाई समुदाय, विशेष रूप से भारतीय प्रवासियों के योगदान की सराहना की है। युगांडा ने 15 से 20 जनवरी तक गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) के 19वें शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। मुसेवेनी ने पूर्व सैन्य शासक ईदी अमीन द्वारा की गई गलतियों के बारे में बात की, जिन्होंने युगांडा में बसे एशियाई मूल के लोगों को देश छोड़ने के लिए मजबूर किया जिनमें से अधिकांश भारतीय मूल के थे। युगांडा को 1964 में काहिरा में आयोजित गुटनिरपेक्ष आंदोलन के दूसरे शिखर सम्मेलन में संगठन का सदस्य बनाया गया था और देश पर 1971 से 1979 तक युगांडा के तीसरे राष्ट्रपति के रूप में अमीन का शासन था। एनएएम सम्मेलन में मुसेवेनी ने कहा, एनएएम देशों ने भी युगांडा की तरह गलतियां कीं। तब हमारे पास ईदी अमीन नाम का एक व्यक्ति था। मुसेवेनी ने कहा, "बहुत ही कम समय में, उन्होंने हमारे एशियाई लोगों विशेषकर भारत और पाकिस्तान मूल के लोगों को निष्कासित कर दिया" उन्होंने कहा, आपके पास एक एनएएम देश का नेता था जो अपनी ही अर्थव्यवस्था को कमजोर कर रहा था। मुसेवेनी ने कहा कि भारतीय मूल के लोगों ने चीनी, होटल और इस्पात उत्पादन में निवेश किया था। राष्ट्रपति ने कहा कि युगांडा छोड़ने के लिए मजबूर होने के बाद देश में रह रहे एशियाई लोगों का एक बड़ा और समृद्ध समुदाय दुनिया भर में खुद को बिखरा हुआ पाया व कई लोगों ने अपना वह व्यवसाय खो दिया जिसके लिए उन्होंने सालों तक मेहनत की थी। राष्ट्रपति ने उस अवधि के दौरान आर्थिक वृद्धि और विकास के अवसर से चूक जाने को लेकर खेद व्यक्त किया। उन्होंने अमीन द्वारा पैदा की गई समस्याओं को दूर करने के लिए युगांडा सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, जब हम सरकार में आए, तो हमने अपने एशियाई नागरिकों और गैर-नागरिकों की संपत्तियां वापस कर दीं जो अमीन ने उनसे ले ली थीं। राष्ट्रपति ने कहा कि 1980 और 1990 के दशक में देश लौटने के बाद से भारतीय उपमहाद्वीप के एशियाई लोग एक बार फिर देश की अर्थव्यवस्था का आधार बन गए हैं। मुसेवनी कहा, मैं लोगों से पूछ रहा था कि हमारे लौटे भारतीयों ने कितनी फैक्टरी बनाई हैं। उन्होंने मुझे उन 900 फैक्टरी के बारे में बताया जो उन्होंने वापस आने के बाद बनाई थीं। शिखर सम्मेलन के दौरान उन्होंने एनएएम के गठन में भारत की भूमिका को स्वीकार किया।

गुटनिरपेक्ष अंदोलन शिखर सम्मेलन में गाजा पर इजराइल के हमले को गैरकानूनी करार दिया गया

भाषा। कंपाला (युगांडा)

गुटनिरपेक्ष आंदोलन शिखर सम्मेलन में शामिल हुए राष्ट्राध्यक्षों ने गाजा पट्टी में इजराइल के सैन्य अभियान को शनिवार को अवैध करार दिया और साथ ही फलस्तीन के नागरिकों और बुनियादी ढांचों पर हमलों की कड़ी निंदा की। गुटनिरपेक्ष आंदोलन शिखर सम्मेलन की समाप्ति पर एक बयान जारी कर गाजा पट्टी तक मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए युद्धविराम की मांग की गई और 1967 से पहले की सीमाओं के आधार पर द्वि-राष्ट्र समाधान का आह्वान किया गया। तब इजराइल और पड़ोसी अरब देशों के बीच हुए युद्ध के बाद इजराइल ने गाजा, वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलम पर कब्जा कर लिया था। इस समूह ने फलस्तीन को संयुक्त राष्ट्र में शामिल करने की भी मांग की। युगांडा की राजधानी कंपाला में सप्ताह भर चले गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) शिखर सम्मेलन में 120 देशों के 30 राष्ट्राध्यक्षों सहित नब्बे प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसका समापन शुक्रवार और शनिवार को राष्ट्राध्यक्षों के शिखर सम्मेलन के साथ हुआ।

भारत-अमेरिका संबंध न केवल दोनों देशों बल्कि पूरी दुनिया की भलाई के लिए महत्वपूर्ण : राजदूत संधू

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में भारत के निवर्तमान राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने प्रवासी समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंध न केवल दोनों देशों के लिए अहम हैं बल्कि पूरी दुनिया की भलाई के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। संधू ने प्रवासी भारतीय समुदाय से कहा कि इस साझेदारी को और मजबूत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। अमेरिका के प्रतिष्ठित भारतीय-अमेरिकियों के एक समूह को शनिवार को संबोधित करते हुए संधू ने उनसे यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि अगली पीढ़ी भारत से जुड़ी रहे और वे नियमित आधार पर भारत की यात्रा करते रहें। उन्होंने शनिवार को डिजिटल विदाई समारोह के दौरान करीब 200 भारतीय-अमेरिकियों से कहा, यह संबंध न केवल हमारे दोनों देशों के लिए बल्कि वैश्विक हित के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। संधू 35 साल के शानदार करियर के बाद इस महीने के अंत में भारतीय विदेश सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा, आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आपके बच्चे भारत से जुड़े रहें, वे भारत की यात्रा करें। अमेरिका में यहां कई अन्य समुदायों की तरह आप अपने जुड़ाव, अपने समूहों के जरिए यह सुनिश्चित कर सकते हैं क्योंकि आप सभी उनके भारत जाने का खर्च वहन कर सकते हैं। संधू ने कहा, अगर बच्चों की सुरक्षा के संबंध में कोई दिक्कत आती है तो मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि दूतावास और वाणिज्य दूतावास आपकी मदद करेगा। हम इस तरह से व्यवस्था करेंगे कि यह फुलप्रूफ हो। जब वे जाए तो उनके पास मदद हो। लेकिन उन्हें भेजिए क्योंकि कल वे अलग स्थिति में होंगे। अगर वे भारत को अच्छी तरह जानते होंगे तो भविष्य में भारत की ओर रुख करने वाली ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय कंपनियों उनकी भर्तियां करेंगी। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत होना तय है। संधू की न्यूयॉर्क, शिकागो, ह्यूस्टन, अटलांटा और सैन फ्रांसिस्को के बाद सिएटल में छठा भारतीय वाणिज्य दूतावास खोलने में अहम भूमिका रही है। उन्होंने समुदाय से कहा कि अमेरिका में जल्द ही दो और भारतीय वाणिज्य दूतावास खुलेंगे। उन्होंने कहा कि राजदूत के तौर पर अपने कार्यकाल में उन्होंने अमेरिका के विभिन्न राज्यों के कम से कम 44 गवर्नर से बात की है।

बच्चे को जेब खर्च कब और कितना दें

क्या यह बच्चों को वित्तीय हुनर सिखाता है?

भाषा। गोल्ड कोस्ट (ऑस्ट्रेलिया)

बच्चों को जेब खर्च (पॉकेट मनी) देना परिवारों के लिए वास्तव में एक चुनौतीपूर्ण निर्णय हो सकता है। यह सवाल उठाता है कि बच्चों को जेब खर्च देना कब शुरू करना चाहिए और कितना देना चाहिए। एक अहम सवाल यह भी है कि क्या बच्चों को घरेलू कामकाज करने के ऐवज में जेब खर्च देना चाहिए। एक वित्त शोधकर्ता और अभिभावक के रूप में, जेब खर्च को एक शैक्षिक अवसर के रूप में देखना भी महत्वपूर्ण है। आप इसका उपयोग बच्चों को सोच-समझकर वित्तीय निर्णय लेने, सार्थक लक्ष्य निर्धारित करने और खर्च के दौरान जिम्मेदारी भरा रवैया अपनाने की आदतें विकसित करने के लिए कर सकते हैं। यहां बताया गया है कि आप इस संबंध में कैसे उचित निर्णय ले सकते हैं। आपको कब शुरू करना चाहिए? जेब खर्च के लिए कोई सही उम्र नहीं है, लेकिन जब बच्चे स्कूल जाना शुरू करते हैं और जोड़ना व घटाना सीखना शुरू करते हैं, तो आप उन्हें जेब खर्च के रूप में थोड़े पैसे देने पर विचार कर सकते हैं। इसका मतलब है कि आपका बच्चा इतना बड़ा हो जाएगा कि वह बचत और खर्च जैसी अवधारणाओं को समझना शुरू कर देगा। जैसे-जैसे आपका बच्चा बड़ा होता है, आप बुनियादी अंकगणित से आगे बढ़ सकते हैं और पता लगा सकते हैं कि आपका बच्चा गणित में क्या सीख रहा है। जेब खर्च कितना होना चाहिए? आप बच्चे को कितना जेब खर्च देते हैं यह आपकी पारिवारिक और वित्तीय स्थिति पर निर्भर करेगा। एक उपयोगी प्रारंभिक बिंदु यह पता लगाना है कि जेब खर्च का उपयोग किस लिए किया जाएगा। क्या यह बस आपके बच्चे को खर्च करने में थोड़ी स्वायत्तता देने के लिए है (उदाहरण के लिए, कैंटीन से मनपसंद आइसक्रीम खरीदना)? क्या यह किसी विशेष चीज के लिए बचत करने का प्रयास है? या क्या इसका उपयोग मनोरंजन, कपड़ों या गैजेट खरीदने के लिए किया जाना है? एक लंबे समय से चला आ रहा नियम यह है कि आपके बच्चे की उम्र के आधार पर प्रति सप्ताह एक डॉलर दिया जाता है (इसलिए पांच साल के बच्चे के लिए पांच अमेरिकी डॉलर), लेकिन निश्चित रूप से जेब खर्च को बच्चे की उम्र से जोड़ना आज की आर्थिक परिस्थितियों से मेल नहीं खा सकता है। तीन साल पहले की तुलना में आज 10 अमेरिकी डॉलर में बहुत कम खरीदारी होती है। जेब खर्च तय करते समय नि:संदेह आपको अपने घरेलू बजट को भी ध्यान में रखना चाहिए।

जेब खर्च नकद दें या ऑनलाइन? जब आपका बच्चा छोटा होता है, तो उसे नकद में जेब खर्च देना उसे पैसे को समझने मे मदद करने का एक अच्छा तरीका है। यह कुछ ऐसा है जिसे वे देख सकते है और अपने हाथो मे पकड़ सकते है। जैसे-जैसे उनकी उम्र बढ़ती है और रकम बड़ी हो जाती है, ऑनलाइन माध्यम से अधिक सुविधाजनक होगा और यह उनमें पैसे का ऑनलाइन लेखा-जोखा रखने की समझ विकसित करने मे मददगार होगा। जेबखर्च को कामकाज से जोड़ने के बारे मे क्या ख्याल है? कई माता-पिता काम के बदले जेब खर्च देना पसंद करते है क्योंकि उन्हे लगता है कि इससे उनके बच्चो मे काम करने की आदत विकसित होगी और उनमे यह विचार पनप सकता है कि बिना कुछ किए पैसे नही मिलते। यदि आप जेब खर्च को काम के बदले दे रहे है, तो इस बारे मे बहुत स्पष्ट रहे कि किस काम के लिए कितने पैसे दिए जाएंगे और कब कामों की समीक्षा करने की आवश्यकता है।

जलवायु परिवर्तन पर निगरानी रखने में कमी से एक अरब भीषण गर्मी की चपेट में

भाषा। मेलबर्न

वर्ष 2023 अब तक का सबसे गर्म वर्ष रहा है और आर्द्रता भी बढ़ रही है। गर्मी और आर्द्रता एक तरीके का बेहद खतरनाक संयोजन है, जो हमारे जीवन और आजीविका के सभी पहलुओं को खतरे में डालता है। जलवायु परिवर्तन ने गर्मी और आर्द्रता के इस संयोजन को लोगों के बर्दाश्त करने की खतरनाक सीमा के करीब धकेल दिया है। दुनिया के कुछ हिस्से मानवीय सहनशीलता की सीमा से परे स्थितियों की राह पर हैं।हमारे नए शोध में यह सामने आया है कि उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में मौसम विज्ञान केंद्रों के सिमटते दायरे के कारण ही शहरों में बढ़ती गर्मी से होने वाले नुकसान का अनुमान कम है। इसका मतलब यह है कि जलवायु परिवर्तन को लेकर लगाए जाने वाले वैश्विक आकलनों में संभवत: लोगों पर स्थानीय प्रभावों की अनदेखी की जाती है। उष्णकटिबंधीय क्षेत्र, मुख्यतौर पर एशिया और अफ्रीका में स्थित मलिन बस्तियां जलवायु परिवर्तन के इस खतरे की अग्रिम पंक्ति में हैं। जलवायु निगरानी के अभाव के कारण ए समुदाय बढ़ती उमस भरी गर्मी से सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। बहुत कम विकल्प मौजूद होने की वजह से इन लाखों लोगों को उष्णकटिबंधीय क्षेत्र के सबसे गर्म हिस्सों से दूर शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।
इन जगहों पर क्यों गर्मी बन रही खतरा? तेजी से शहरों में बढ़ती आबादी, जिसने योजनाबद्ध और औपचारिक विकास को हिला कर रख दिया है, इन बस्तियों के बढ़ने की सबसे बड़ी वजह है। यहां रहने वाले लोगों के पास आमतौर पर बिजली और पानी की आपूर्ति जैसी बुनियादी सुविधाओं व सेवाओं का अभाव होता है, जिसे शहरों में रहने वाले लोग अक्सर नजरअंदाज करते हैं। करीब एक अरब से अधिक लोग इन बस्तियों में रहते हैं और संयुक्त राष्ट्र (संरा) का अनुमान है कि अगले 30 वर्षों में यह संख्या बढ़कर तीन अरब हो जाएगी। केन्या या बांग्लादेश जैसे देशों में लगभग आधी शहरी आबादी इस तरह की बस्तियों में रहती है। इस तरह की अधिकांश बस्तियां उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में स्थित हैं। यहां साल भर गर्मी और उमस रहती है लेकिन यहां रहने वाले लोगों के पास इस गर्मी से निपटने के लिए बहुत कम विकल्प मौजूद हैं। इन बस्तियों में रहने वाले अधिकांश परिवार कम आय वाले हैं। कई लोगों को आजीविका के लिए बाहर काम करना पड़ता है, जिसके कारण उन्हें गर्मी और उमस का सामना करना पड़ता है। चूंकि इन बस्तियों को आधिकारिक प्रणालियों और विनियमों से बाहर रखा जाता है, यही कारण है कि हमारे पास वह डेटा ही नहीं होता, जिसका अक्सर वहां रह रहे लोग सामने करने के लिए मजबूर होते हैं।
जलवायु परिवर्तन से जुड़े आंकड़ों में क्या चीज छूट रही है? विश्व की अधिकांश आबादी मौसम विभाग केंद्र से करीब 25 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर रहती है। इसका मतलब यह है कि मौसम केंद्र उन शहरों में तापमान और आर्द्रता के आंकड़ों का शायद ही कभी अंदाजा लगा पाते हैं, जो आमतौर पर गांव-देहात परिवेश की तुलना में अधिक गर्म होते हैं और इसे ही शहरी ताप द्वीप प्रभाव कहा जाता है। आंकड़ों की निगरानी में ए अंतर उन उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में सबसे अधिक होता है, जहां इस तरह की अधिकांश बस्तियां हैं।बढ़ती गर्मी की चेतावनी भले मिल जाए लेकिन विकल्प सीमित :ऑस्ट्रेलिया में लू के दौरान आमतौर पर हमें घर के अंदर रहने और ढेर सारा पानी पीने के लिए कहा जाता है।

लोगों को बचाने के लिए क्या किया जा सकता है?: मौजूदा वक्त मे जलवायु निगरानी प्रयासो ने कमजोर वर्ग के लाखो लोगो को बढ़ती गर्मी से होने वाली परेशानियो के खतरे मे डाल दिया है। इसका उनके स्वास्थ्य और कल्याण पर सीधा प्रभाव पड़ता है, साथ ही समाज और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था भी बड़े पैमाने पर प्रभावित होती है। विकासशील देशो मे मौसम विज्ञान संस्थानो को जलवायु निगरानी को मजबूत करने और पूर्व चेतावनी प्रणालियो मे सुधार के लिए तत्काल समर्थन की आवश्यकता है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के नए प्रमुख ने ऐसा ही करने का वादा किया है। हमे यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि सरकारे और एजेंसियां इस अवसर का लाभ उठाएं और नए निगरानी नेटवर्क मे बस्तियो को भी शामिल करे। लोग बिना उचित कारण के अपना घर नही छोड़ते और न ही अपना जीवन बर्बाद करते है। प्राथमिकता ऐसे समाधान ढूंढने की होनी चाहिए, जो उन्हे जलवायु परिवर्तन के अनुकूल ढलने में मदद करे।

चेहरे की पहचान की तकनीकी के लिए शारीरिक विशेषताओं का उपयोग

फिलाडेल्फिया (अमेरिका)। अमेरिकी नागरिक अमारा मजीद पर 2019 में श्रीलंका की पुलिस ने आतंकवाद का आरोप लगाया गया था। रॉबर्ट विलियम्स को 2020 में घड़ियां चुराने के आरोप में डेट्रॉइट में उनके घर के बाहर गिरफ्तार किया गया था और 18 घंटे तक जेल में रखा गया था। रैंडल रीड ने कथित तौर पर चोरी के क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने के लिए 2022 में छह दिन जेल में बिताए थे। इन तीनों मामलों में, अधिकारियों ने उन लोगों को पकड़ा था जो इनमें संलिप्त नहीं थे। इन तीनों मामलों में, चेहरे की पहचान तकनीक से ही यह पता चला था वे दोषी नहीं थे। कई अमेरिकी राज्यों में कानून प्रवर्तन अधिकारियों को यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि उन्होंने संदिग्धों की पहचान करने के लिए चेहरे की पहचान संबंधी तकनीक का इस्तेमाल किया है। चेहरे की पहचान संबंधी तकनीक बायोमेट्रिक निगरानी का नवीनतम संस्करण है जिसके तहत व्यक्तियों की पहचान करने के लिए शारीरिक विशेषताओं का इस्तेमाल किया जाता है। मेरी किताब डू आई नो यू? फ्रॉम फेस ब्लाइंडनेस टू सुपर रिकॉग्निशन में मैंने बताया है कि चेहरे की निगरानी की कहानी न केवल कंप्यूटिंग के इतिहास में बल्कि चिकित्सा, नस्ल, मनोविज्ञान, तंत्रिका विज्ञान और स्वास्थ्य मानविकी के इतिहास में निहित है। बेहतर निर्णय लें - पता करें कि विशेषज्ञ क्या सोचते हैं। जैसे-जैसे चेहरे की पहचान संबंधी तकनीक की सटीकता और गति में सुधार होता है, निगरानी के साधन के रूप में इसकी प्रभावशीलता और भी अधिक स्पष्ट हो जाती है। सटीकता में सुधार होता है, लेकिन पूर्वाग्रह बने रहते हैं। निगरानी तंत्र इस विचार पर आधारित है कि लोगों पर नजर रखने और उनकी गतिविधियों को गोपनीयता और सुरक्षा के बीच सीमित और नियंत्रित करने की आवश्यकता है। निगरानी तंत्र को हमेशा उन लोगों की पहचान करने के लिए तैयार किया गया है जिन पर सत्ता में मौजूद लोग करीबी नजर रखना चाहते हैं। इसके अलावा, अमारा मजीद, रॉबर्ट विलियम्स और रैंडल रीड के मामले विसंगतियां नहीं हैं। वर्ष 2019 तक, चेहरे की पहचान तकनीक ने श्वेत लोगों की तुलना में 100 गुना अधिक दर से अश्वेत और एशियाई लोगों की गलत पहचान की।लंबे इतिहास में नवीनतम तकनीक-फेस रिकग्निशन सॉफ्टवेयर ट्रैकिंग की वैश्विक प्रणालियों की सबसे नवीनतम अभिव्यक्ति है।

इंडिया ओपन फाइनल में हारे सात्विक-चिराग

कैंग-सियो बने चैंपियन

भाषा। नई दिल्ली

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी को कैंग मिन ह्युक और सियो सेयुंग जेइ की दक्षिण कोरिया की विश्व चैंपियन जोड़ी के खिलाफ रविवार को यहां पुरुष युगल फाइनल में पहला गेम जीतने के बावजूद हार के साथ इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा। सात्विक और चिराग की एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी को फाइनल में कैंग और सियो की दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी के खिलाफ एक घंटा और पांच मिनट में 21-15, 11-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा जिससे यह जोड़ी दूसरी बार इंडिया ओपन का खिताब जीतने में विफल रही। सात्विक और चिराग ने 2022 में इंडिया ओपन का खिताब जीता था। भारतीय जोड़ी की फाइनल में यह लगातार दूसरी हार है। पिछले रविवार को सात्विक और चिराग को मलेशिया ओपन के फाइनल में भी लियांग वेई कैंग और वैंग चैंग की चीन की जोड़ी के खिलाफ भी पहला गेम जीतने के बाद 21-9, 18-21, 17-21 से हार झेलनी पड़ी थी। विश्व चैंपियन कैंग और सियो के खिलाफ अच्छी शुरुआत करने के बाद भारतीय जोड़ी ने लय गंवा दी और लगातार सहज गलतियां की जिसका खामियाजा मेजबान देश की जोड़ी को खिताब गंवाकर चुकाना पड़ा। भारत और कोरिया की जोड़ी के बीच शुरुआत से ही कड़ी टक्कर देखने को मिली। सात्विक और चिराग ने पहले तीन अंक शटल को नेट के पार कराने में नाकाम रहने के कारण गंवाए। सात्विक में शुरुआत में काफी गलतियां की जिससे कैंग और सियो को कुछ आसान अंक मिले। खेल की गति काफी तेज थी इसलिए गलती की गुंजाइश भी काफी कम थी। सात्विक और चिराग ब्रेक तक 11-9 से आगे रहे। ब्रेक के बाद भारतीय जोड़ी ने स्कोर 13-9 किया और फिर बढ़त बरकरार रखते हुए इसे 18-13 किया। चिराग के स्मैश से भारतीय जोड़ी ने छह गेम प्वाइंट हासिल किए। कोरिया की जोड़ी ने एक अंक बचाया लेकिन फिर चिराग के शॉट को वापस भेजने में नाकाम रही जिससे सात्विक-चिराग ने पहला गेम 18 मिनट में 21-15 से जीत लिया। दूसरे गेम में कोरिया की जोड़ी ने बेहतर शुरुआत करते हुए 5-1 की बढ़त बनाई। चिराग ने अपने तूफानी स्मैश से दो अंक जुटाकर स्कोर 4-6 किया। सात्विक और चिराग ने इस बीच कुछ शॉट बाहर और नेट पर मारे जिससे कैंग और सियो ब्रेक तक 11-5 की मजबूत बढ़त बनाने में सफल रहे।

हमने गलतियां की लेकिन कभी-कभी हारना भी अच्छा होता हैः सात्विक-चिराग

नई दिल्ली। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी ने इंडिया ओपन के पुरुष युगल फाइनल मे हार के बाद रविवार को स्वीकार किया कि उन्होने काफी गलतियां की लेकिन साथ ही कहा कि कभी-कभी हारना अच्छा होता है और इससे बड़े टूर्नामेंट मे अच्छा प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। सात्विक और चिराग ने 2022 में इंडिया ओपन का खिताब जीता था। चिराग ने मैच के बाद कहा, पहले गेम मे हमने काफी अच्छी शुरुआत की लेकिन दूसरे गेम मे अच्छी शुरुआत नही कर पाए। हम दूसरे गेम मे1-5 से पीछे थे। हमने कुछ गलतियां की और 5-11 से पिछड़ गए। इसके बाद वापसी करना काफी मुश्किल था। उनकी जोड़ी का डिफेंस काफी मजबूत है। हमने तीसरे गेम मे अच्छी शुरुआत की लेकिन फिर उन्हे बढ़त बनाने का मौका दे दिया। उनका डिफेंस काफी मजबूत था। तीसरे गेम मे आखिरी समय मे हमने कुछ हद तक वापसी की। हमें मौके भी मिले। हम एक अंक से पीछे थे और अगर हम बराबरी कर लेते तो उन पर और दबाव आ जाता लेकिन उन्होने काफी ठोस डिफेंस दिखाया।

इंग्लैंड की बैजबॉल का सामना करने के लिए हमारे पास विराटबॉल है : गावस्कर

नई दिल्ली। महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने कहा कि 25 जनवरी से हैदराबाद में शुरू होने वाली पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड की बैजबॉल का सामना करने के लिए भारत के पास विराटबॉल मौजूद है। इंग्लैंड के बल्लेबाज अब बहुत ही आक्रामक शैली में खेलते हैं जो उनके मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम के खेलने के तरीके से जुड़ा है। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, विराट कोहली जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं, उनका मूवमेंट अच्छा है। वह जिस फॉर्म में हैं, उसे देखते हुए बैजबॉल का सामना करने के लिए हमारे पास विराटबॉल मौजूद है। कोहली टेस्ट क्रिकेट में 9000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों के क्लब में जुड़ने से महज 152 रन दूर हैं। वह इस आगामी श्रृंखला में भारत की मुख्य कड़ी होंगे। उनके नाम 113 मैच में 29 अर्धशतक और 30 शतक हैं। हां, पारी को बढ़ाने का मतलब अर्धशतक से ज्यादा शतक होना है। कोहली के पास शतक और अर्धशतक समान ही हैं, इसका मतलब है कि उनकी अर्धशतक को शतक में तब्दील करने की गति काफी अच्छी है। इंग्लैंड ने पिछले एक दो साल में टेस्ट क्रिकेट में नया रवैया (बैजबॉल) अपनाया है। यह काफी आक्रामक रवैया है जिसमें बल्लेबाज हमेशा तेजी से रन जुटाने की कोशिश करता है। परिस्थितियां भले ही कैसी भी हों, वे हमेशा आक्रामक क्रिकेट खेलना पसंद करते हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय स्पिनरों के खिलाफ यह रवैया कारगर होता है या नहीं।

भारत के स्पिनर दिलाएंगे जीत : एथरटन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन का मानना है कि भारत का शानदार स्पिन आक्रमण बेन स्टोक्स एंड कंपनी के खिलाफ पांच मैच की घरेलू श्रृंखला में उन्हें जीत दिलाएगा। पहला टेस्ट गुरुवार से हैदराबाद में शुरू होगा। इंग्लैंड ने भारत में अभ्यास मैच खेलने के बजाय अबुधाबी में तैयारी करने का फैसला किया। इंग्लैंड की टीम में सिर्फ जैक लीच ही अनुभवी स्पिनर है जबकि टॉम हार्टले, शोएब बशीर और रेहान अहमद कम अनुभवी है। भारतीय टीम में आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसे स्पिनर शामिल हैं। एथरटन ने स्काईस्पोर्ट्स से कहा, मुझे लगता है कि भारत जीत जाएगा। उनके स्पिनर इंग्लैंड से बेहतर है और अंत में यही निर्णायक चीज रहेगी। इंग्लैंड ने भारत में अंतिम श्रृंखला 2012 में जीती थी जब ग्रीम स्वान और मोंटी पनेसर ने भारतीय स्पिनरों से बेहतर प्रदर्शन किया था। अगर आप भारत जाओ तो स्पिन बड़ी भूमिका निभाता है।

आईटीएफ महिला ओपनः सेमिनिस्टाजा बनी चैंपियन

बेंगलुरु। लातविया की शीर्ष वरीयता प्राप्त दार्जा सेमेनिस्टाजा ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए रविवार को यहां आईटीएफ महिला ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त फ्रांस की कैप्टेन मोनेट को हराकर खिताब जीता। लातविया की खिलाड़ी ने पहला सेट 6-1 से जीता और दूसरे सेट में जब वह 3-0 से आगे चल रही थी तब फ्रांसीसी खिलाड़ी ने पीठ की चोट के कारण मैच से हटने का फैसला किया। यह 21 वर्षीय दार्जा का 15वां आईटीएफ खिताब है। उन्होंने शनिवार को युगल खिताब भी जीता था।

इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम की अगुवाई करेंगे विक्रांत केनी

मुंबई। ऑलराउंडर विक्रांत केनी इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद में 28 जनवरी से 6 फरवरी तक होने वाली पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में 16 सदस्यीय भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम की कप्तानी करेंगे। इस श्रृंखला का आयोजन भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद कर रही है जिसे भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का समर्थन हासिल है। जम्मू कश्मीर के बल्लेबाज वसीम इकबाल को टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है।

एमबापे ने दो गोल दागे और दो गोल करने में मदद की, पीएसजी 4-1 से जीता

पेरिस। किलियान एमबापे ने दो गोल करने में मदद की और दो गोल दागे जिससे पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने शनिवार को यहां ओरलियांस को 4-1 से हराकर फ्रेंच कप के राउंड 16 मे प्रवेश किया। एमबापे ने 16वें और 62वें मिनट मे दो गोल दागे जिससे इस सत्र के 26 मैच मे उनके गोल की संख्या 28 हो गई। फिर एमबापे ने 71वें मिनट मे क्रास से गोंकालो रामोस को और 88वें मिनट स्थानापन्न मिडफील्डर सेनी मायुलु को गोल करने मे मदद की। अनुभवी स्ट्राइकर विसाम बेन एडर की हैट्रिक की बदौलत मोनाको ने रेडेज पर 3-1 की जीत से पीएसजी के साथ अगले दौर मे प्रवेश किया।

पाकिस्तान पांचवें टी20 में 42 रन से जीता

क्राइस्टचर्च (न्यूजीलैंड)। पाकिस्तान रविवार को यहां पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले मे न्यूजीलैंड को 42 रन से हराकर श्रृंखला मे क्लीन स्वीप होने से बच गया। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 134 रन बनाए। यह श्रृंखला मे मेहमान टीम का न्यूनतम स्कोर था, इससे पहले टीम ने पिछले चार टी20 मे 180, 173, सात विकेट पर 179 और पांच विकेट पर 158 रन बनाए थे।

सानिया ने तलाक की पुष्टि की

नई दिल्ली। सानिया मिर्जा के परिवार ने रविवार को भारतीय टेनिस स्टार और शोएब मलिक के अलग होने की पुष्टि की। मलिक ने एकदिन पहले अभिनेत्री सना जावेद से दूसरे निकाह की घोषणा की थी। दोनो देशो के खेल प्रेमियो के बीच इस हाई प्रोफाइल जोड़ी को लेकर काफी दिलचस्पी रहती थी लेकिन उनके तलाक से इसका अंत हो गया।

गुकेश ने वार्मरडैम को हराया, संयुक्त बढ़त पर

विज्क आन ज़ी (नीदरलैंड)। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को यहां टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर मे नीदरलैंड के मैक्स वार्मरडैम को हराकर लगातार तीसरी जीत हासिल की, जिससे वह संयुक्त बढ़त पर पहुंच गए। इस जीत से गुकेश ने संभावित सात मे से 4.5 अंक हासिल कर लिए है।

जोकोविच क्वार्टरफाइनल में, कोको जीती

फेडरर के ग्रैंडस्लैम रिकॉर्ड की बराबरी की

भाषा। मेलबर्न (आस्ट्रेलिया)

सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच ने रविवार को यहां एड्रियन मानारिनो पर 6-0, 6-0, 6-3 की जीत से आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया और रोजर फेडरर के सर्वकालिक ग्रैंडस्लैम रिकॉर्ड की बराबरी की। 10 बार के आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन जोकोविच ने एक घंटे 44 मिनट में मिली जीत के दौरान 31 विनर जमाए और मेजर में 58वीं बार अंतिम आठ में प्रवेश कर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की। जोकोविच 14वीं दफा आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे और उनकी निगाहें 25वें ग्रैंडस्लैम एकल खिताब पर लगी हैं। अब उनका सामना 12वें नंबर के खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज से होगा। फ्रिट्ज पिछले साल यहां उप विजेता रहे स्टेफानोस सिटसिपास पर 7-6 (3), 5-7, 6-3, 6-3 की जीत से पहली बार आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे। महिलाओं के वर्ग में गत चैम्पियन आर्यना सबालेंका और अमेरिकी ओपन विजेता कोको गॉफ ने शानदार जीत से क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। दूसरी रैंकिंग की खिलाड़ी सबालेंका ने पिछले साल यहां अपना पहला ग्रैंडस्लैम जीता था। उन्होंने अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 6-2 से हराया। उनका सामना 16 वर्षीय मीरा एंड्रीवा और नौवें नंबर की खिलाड़ी बारबोरा क्रेजसिकोवा के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। सितंबर में अमेरिकी ओपन में पहला मेजर जीतने वाली गॉफ ने मागडालेना फ्रेच को 6-1, 6-2 से शिकस्त दी और अब उनकी भिड़ंत सामना यूक्रेन की मार्टा कोस्तयुक से होगी जिन्होंने मारिया टोमाफीवा को 6-2, 6-1 से हराकर पहली बार मेजर के अंतिम आठ में जगह बनाई।

भारत के खिलाफ श्रृंखला के लिए लॉरेंस इंग्लैंड टीम में ब्रुक निजी कारणों से स्वदेश लौटे

लंदन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने रविवार को घोषणा की कि हैरी ब्रुक भारत के खिलाफ पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेलेंगे और उनकी जगह मध्यक्रम बल्लेबाज डैन लॉरेंस को शामिल किया गया है। ब्रुक निजी कारणों से तुरंत स्वदेश लौट जाएंगे। ईसीबी ने कहा कि गुरुवार से हैदराबाद में शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए ब्रुक की जगह सें के 26 वर्षीय लॉरेंस सोमवार को टीम से जुड़ेंगे और भारत जाएंगे। श्रृंखला से पहले अभ्यास शिविर के लिए ब्रुक टीम के साथ अबुधाबी पहुंचे थे। ईसीबी के बयान के अनुसार, हैरी ब्रुक व्यक्तिगत कारणों से तुरंत स्वदेश लौटने को तैयार है। वह श्रृंखला के लिए भारत नहीं लौटेंगे। इसमें कहा गया, ब्रुक का परिवार इस दौरान निजता का सम्मान करने का अनुरोध करता है। ईसीबी और परिवार मीडिया और जनता से अनुरोध करते हैं कि वे उनकी इस इच्छा का सम्मान करें और उनकी निजता में हस्तक्षेप करने से बचें। ब्रुक ने अपना टेस्ट पदार्पण 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किया था।

यूपी के खिलाफ बिहार के शरमन ने बनाया अर्धशतक,मुंबई की निगाहें तीसरी जीत पर

मेरठ। मेरठ में बिहार ने शरमन निगरोध के 87 रन और सकीबुल गनी के 41 रन की बदौलत उत्तर प्रदेश के खिलाफ सात विकेट पर 187 रन बनाए। मुंबई ने सलामी बल्लेबाज जय बिष्टा (73 रन) और भूपेन लालवानी (88 रन) के अर्धशतकों की बदौलत रविवार को यहां ग्रुप बी रणजी ट्राफी मैच के तीसरे दिन केरल पर शिकंजा मजबूत किया। पहली पारी मे महज सात रन की बढ़त बनाने वाली मुंबई ने दूसरी पारी मे 319 रन का स्कोर बनाकर घरेलू टीम को जीत के लिए 327 रन का बड़ा लक्ष्य दिया। स्टंप तक केरल ने बिना विकेट गंवाए 24 रन बना लिए थे। अब उसे अंतिम दिन मैच बचाने या असंभव जीत के लिए बेहतरीन बल्लेबाजी प्रदर्शन दिखाना होगा। मुंबई इस तरह सत्र की लगातार तीसरी जीत दर्ज करने की उम्मीद लगाए है। उसने बिना विकेट गंवाए 105 रन से खेलना शुरू किया। लालवानी और बिस्टा ने बीती रात की साझेदारी को कायम रखते हुए अपने अर्धशतक पूरे किए। पर एमडी निधीश (59 रन देकर दो विकेट) ने पहले विकेट की इस 148 रन की भागीदारी को तोड़ा। इससे लालवानी ने भारत के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे के साथ छोटी सी भागीदारी बनाई। मुंबई के कप्तान ने सतर्क और संयमित बल्लेबाजी की लेकिन वह शुरूआत को बड़े स्कोर में नही बदल सके और 65 गेंद में केवल 16 रन बनाकर जलज सक्सेना (80 रन देकर चार विकेट) का शिकार हुए। केरल के गेंदबाजों में से श्रेयस गोपाल ने चार विकेट झटके प्रसाद पवार (35), शम्स मुलानी (30) और नौवें नंबर के बल्लेबाज मोहित अवस्थी (32) ने भी उपयोगी योगदान दिए जिससे मुंबई ने दूसरी पारी में 319 रन बनाए। वही डिब्रूगढ़ में आंध्र ने रिकी भुई की 125 रन की कप्तानी पारी की बदौलत मेजबान असम पर शिकंजा कसा और सत्र की पहली जीत के करीब पहुंच गया।

बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन से दिल्ली की एक और हार

इंदौर। बल्लेबाजो के लचर प्रदर्शन के कारण दिल्ली को रविवार को यहां रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी में मध्य प्रदेश से 86 रन से हार का सामना करना पड़ा जो इस सत्र मे उसकी दूसरी पराजय है। मध्य प्रदेश से पराजय दिल्ली को इसलिए भी ज्यादा आहत करेगी क्योंकि उसने मैच के पहले दिन मेजबान टीम को 171 रन पर आउट करके अपनी स्थिति मजबूत कर ली थी। इसके जवाब मे दिल्ली ने 205 रन बनाकर पहली पारी मे 34 रन की बढ़त हासिल की थी। मध्य प्रदेश ने खेल के तीसरे दिन सुबह अपनी दूसरी पारी 5 विकेट पर 157 रन से आगे बढ़ाई और 251 रन बना कर दिल्ली के सामने 218 रन का लक्ष्य रखा। मध्य प्रदेश की तरफ से कप्तान शुभम शर्मा ने 73 रन बनाए। दिल्ली के बल्लेबाजो ने फिर से निराश किया और उसकी पूरी टीम 131 रन पर आउट हो गई। केवल वैभव कांडपाल (125 गेंद पर नाबाद 49) ही गेंदबाजों का डटकर सामना कर पाए। दिल्ली को अपने पहले मैच मे पुडुचेरी से हार का सामना करना पड़ा था जबकि जम्मू कश्मीर के खिलाफ उसका मैच खराब मौसम से प्रभावित रहा था। इस ड्रॉ मैच मे दोनो टीम ने अंक बांटे। पुडुचेरी से हार के बाद दिल्ली ने कप्तानी मे बदलाव किया था तथा यश ढुल की जगह हिम्मत सिंह को कप्तान बनाया था, लेकिन इससे भी टीम का भाग्य नही बदला।

सौराष्ट्र और राजस्थान ने सत्र की पहली जीत दर्ज की

नागपुर। चिराग जानी के पांच विकेट की बदौलत गत चैम्पियन सौराष्ट्र ने रविवार को यहां रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप ए मैच के तीसरे दिन विदर्भ को 238 रन से रौंदकर सत्र की पहली जीत दर्ज की। सौराष्ट्र के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने 66 रन की पारी के दौरान यादगार उपलब्धि हासिल की। वह सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ के बाद 20,000 प्रथम श्रेणी रन जुटाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बने। सौराष्ट्र के लिए नॉकआउट दौर की उम्मीद बरकरार रखने के लिए यह जीत राहत भरी रही क्योंकि उसे पिछले लीग मैच मे हरियाणा से करीबी हार झेलनी पड़ी थी और झारखंड के खिलाफ उसका सत्र का शुरूआती मुकाबला ड्रा पर छूटा था। विदर्भ की टीम 373 रन के असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए जरा भी चुनौती पेश नही कर सकी और दूसरी पारी मे महज 134 रन पर सिमट गई जिसमे जानी ने 51 रन देकर पांच विकेट झटके। अर्थव तायडे ने विदर्भ के लिए 54 रन बनाए लेकिन मैच मे दूसरी बार उनका बल्लेबाजी क्रम चरमरा गया। पहली पारी मे टीम 78 रन पर सिमट गई थी। सौराष्ट्र की टीम का भी बल्लेबाजी क्रम चरमरा गया जो पुजारा के अर्धशतक के बावजूद रात के तीन विकेट पर 205 रन के स्कोर से दूसरी पारी मे 244 रन पर सिमट गई। टीम ने महज 39 रन पर सात विकेट गंवा दिए लेकिन तब तक उसकी कुल बढ़त 372 रन हो गई थी। जोधपुर मे राजस्थान ने भी महाराष्ट्र को 10 विकेट से हराकर सत्र की पहली जीत दर्ज की।

साई किशोर के गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन से तमिलनाडु की रेलवे पर बड़ी जीत

कोयंबटूर। कप्तान आर साई किशोर ने गेंदबाजी मे शानदार प्रदर्शन करते हुए रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मैच मे सात विकेट लिए जिससे तमिलनाडु ने रविवार को यहां तीसरे दिन ही रेलवे को पारी और 129 रन से करारी शिकस्त दी। तमिलनाडु के पहली पारी के 489 रन के जवाब मे रेलवे ने सुबह अपनी पहली पारी दो विकेट पर 126 रन से आगे बढ़ाई लेकिन उसकी पूरी टीम 246 रन पर आउट हो गई। तमिलनाडु की तरफ से संदीप वारियर और बाएं हाथ के स्पिनर साई किशोर ने तीन-तीन विकेट लिए। रेलवे के लिए प्रथम सिंह ने 92 रन बनाए। रेलवे की टीम इसके बाद फॉलोआन करते हुए अपनी दूसरी पारी मे केवल 114 रन ही बना पाई। प्रथम ने फिर से उसकी तरफ से सर्वाधिक 29 रन बनाए। तमिलनाडु के लिए साई किशोर और बाएं हाथ के स्पिनर अजीत राम ने चार-चार विकेट लिए। ग्रुप सी के मैसूर मे खेले जा रहे मैच मे मयंक अग्रवाल (114), देवदत्त पडिक्कल (103) और निकिन जोस (107) के शतकों की मदद से कर्नाटक ने गोवा के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

19वें एशियन गेम्स, पैरा एशियन गेम्स व 37वें राष्ट्रीय खेलों में यूपी के पदक विजेताओं का होगा सम्मान

यूपी सरकार खेलों को लगातार दे रही बढ़ावा : आनन्देश्वर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार लगातार खेलों को बढ़ावा दे रही है। इसी क्रम में 19वें एशियन गेम्स एवं पैरा एशियन गेम्स में यूपी के पदक विजेताओं व प्रशिक्षकों के साथ गोवा में हुए 37वें राष्ट्रीय खेलों के पदक विजेताओ का जनवरी के अंतिम सप्ताह में सम्मान किया जा रहा है। इस अवसर पर इन खेलों में यूपी के प्रतिभागी खिलाड़ियों व उनके प्रशिक्षकों को भी सम्मानित किया जाएगा और सभी को नगद पुरस्कार व ट्रैक सूट प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। इस फैसले की उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव डाणआनन्देश्वर पाण्डेय ने जमकर सराहना की है। योगी सरकार खेलों को लगातार बढ़ावा दे रही है और गांव.गांव में खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में भी काम कर रही है। आनन्देश्वर पाण्डेय ने कहा कि योगी सरकार खिलाड़ियों को हर वो सुविधा दे रही जिसकी उन्हें दरकार है। इसका फायदा आने वाले समय में देखने को मिलेगा। इस विषय में समस्त जिलों के क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारियो द्वारा इन सभी खिलाड़ियों के रहने व आने जाने की व्यवस्था की जाएगी। ये सम्मान समारोह आगामी 27 जनवरी 2024 को लखनऊ में आयोजित किया जाएगा।

लेमी और मिनेसेवो ने जीती मुंबई मैराथन

मुंबई। गत चैम्पियन हेले लेमी बेरहानू और अबराश मिनसेवो ने रविवार को यहां क्रमशः पुरुष और महिला स्पर्धा खिताब अपने नाम किए जिससे टाटा मुंबई मैराथन में उम्मीद के अनुरूप इथियोपिया के धावकों का दबदबा रहा। भारतीय पुरुष धावकों में श्रीनू बुगाथा ने 2:17:29 सेकेंड के समय से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उनके बाद गोपी थोनाकल (2:18:37) दूसरे और शेर सिंह तंवर (2:19:37) तीसरे स्थान पर रहे। शीर्ष 10 एलीट पुरुष धावकों में दो भारतीय शामिल रहे जिसमें श्रीनू आठवें और गोपी 10वें स्थान पर रहे। भारतीय सेना के श्रीनू ने जीत के बाद कहा, मैं कोर्स रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य बनाए था लेकिन अंतिम पांच किलोमीटर ठीक नहीं रहे। गोपी और श्रीनू 27 किलोमीटर तक साथ ही चल रहे थे लेकिन फिटनेस संबंधित परेशानी के कारण गोपी को कुछ ब्रेक लेने पड़े। मुझे मांसपेशियों में खिंचाव हो रहा था, मुझे स्ट्रेचिंग के लिए थोड़ा रूकना पड़ा। सभी वर्गों की एलीट रेस में इथियोपियाई एथलीट ने बाजी मारी। पुरुष एलीट वर्ग में लेमी ने गोल्ड लेबल रोड रेस में 2:07:50 सेकेंड के समय से लगातार दूसरी जीत दर्ज की। हेमैनोट अलेव (2:09:03) दूसरे स्थान और मितकू टाफा (2:09:58) तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं में मिनसेवो ने 2:26:06 सेकेंड के समय से स्वर्ण पदक जीता जबकि हमवतन मुलुहाबत तसेगा (2:26:51) दूसरे और मेधिन बेजेने (2:27:34) तीसरे स्थान पर रहीं।

ब्रेन ट्यूमर से जूझने के बाद मुंबई मैराथन में कांस्य पदक जीता श्यामली सिंह ने

मुंबई। पश्चिम बंगाल की श्यामली सिंह ने सभी बाधाओ को पार करते हुए रविवार को टाटा मुंबई मैराथन मे कांस्य पदक जीता जबकि कुछ साल पहले उनके ब्रेन ट्यूमर का ऑपरेशन हुआ था। चार साल पहले इसी प्रतियोगिता मे श्यामली ने 42 किलोमीटर की दूरी के आधे रास्ते मे उल्टी की शिकायत की थी। उनके पति संतोष सिंह और उन्होने पाया कि ऐसा लगातार हो रहा था। अलग अलग अस्पतालो कई जांच के बाद उन्हे समस्या का कारण पता चला जो ब्रेन ट्यूमर था। संतोष ने गोल्ड लेबल रेस के 19वें चरण के बाद मीडिया को बताया, उसने टीसीएस रेस मे भाग लिया और रजत पदक जीता।

मान सिंह एशियाई मैराथन चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बने

भाषा। हांगकांग

मान सिंह रविवार को यहां एशियाई मैराथन चैम्पियनशिप में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से स्वर्ण पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय एथलीट बने। मान सिंह (34 साल) ने दो घंटे 14 मिनट और 19 सेकेंड का समय निकाला, इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले साल मुंबई मैराथन में दो घंटे 16 मिनट 58 सेकेंड का था जिससे वह 11वें स्थान पर रहे थे। चीन के हुआंग योंगझेंग ने दो घंटे 15 मिनट 24 सेकेंड से रजत पदक जबकि किर्गिस्तान के टियापकिन इलिया ने दो घंटे 18 मिनट 18 सेकेंड से तीसरा स्थान हासिल किया। एक अन्य भारतीय एपी बेलियाप्पा दो घंटे 20 मिनट 20 सेकेंड के समय से छठे स्थान पर रहे। महिलाओं की मैराथन रेस में अश्विनी मदान जाधव (2:56:42) आठवें और ज्योति गवाटे (3:06:20) 11वें स्थान पर रहीं। गोपी थोकानल पहले भारतीय एथलीट हैं जिन्होंने 2017 में एशियाई मैराथन चैम्पियनशिप खिताब जीता था। उन्होंने चीन के डोंगगुआन में दो घंटे 15 मिनट 48 सेकेंड से पहला स्थान हासिल किया था। मान सिंह का समय हालांकि पेरिस ओलंपिक के क्वालीफाइंग मार्क से नीचे रहा जो दो घंटे आठ मिनट 10 सेकेंड का है। वह पिछले साल 2:16:59 के समय से हांगझोउ एशियाई खेलों में आठवें स्थान पर रहे थे।

रेजा और गुरजोत की जोड़ी को स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य

भाषा। कुवैत सिटी

भारत के लिए पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली युवा निशानेबाज रेजा ढिल्लों ने रविवार को यहां गुरजोत खंगुरा के साथ मिलकर स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता जो उनका एशिया ओलंपिक क्वालीफिकेशन शॉटगन प्रतियोगिता में तीसरा पदक है। भारतीय जोड़ी ने कांस्य पदक मैच में अब्दुल्ला अलराशिदी और इमान अल शमा की स्थानीय जोड़ी को 41-39 से हराया। शनिवार को 19 वर्षीय रेजा ने महिलाओं के स्कीट व्यक्तिगत वर्ग में रजत पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल किया था। पुरुष स्कीट में यही कारनामा अनंतजीत सिंह नरूका ने किया था। रेजा ने इसके अलावा महिला स्कीट टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता था। भारत ने इस तरह से एक स्वर्ण पदक, तीन रजत पदक और चार कांस्य पदक जीतकर तालिका में चौथे स्थान पर रहते हुए अपने अभियान का अंत किया। स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा को पहली बार ओलंपिक में शामिल किया गया है और भारतीयों ने इससे पहले इस स्पर्धा में अच्छा प्रदर्शन किया। रेजा और गुरजोत ने क्वालिफिकेशन में 150 में से 138 अंक बनाए और आखिर में कांस्य पदक के मुकाबले में अपनी जगह बनाई। भारतीय जोड़ी ने इस मुकाबले में अच्छी शुरुआत की और पहली दो सीरीज के बाद वह बढ़त पर थी। कुवैत की टीम ने इसके बाद अच्छी वापसी की लेकिन पांचवी सीरीज में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा जबकि भारतीय जोड़ी ने अपने चारों निशाने सही लगाए। छठी सीरीज में दोनों जोड़ियां बराबरी पर रही और इस तरह से भारतीय जोड़ी ने दो अंक से जीत हासिल की।

लखनऊ के नवाबों के सामने पहले मैच में होगी बेंगलुरु निन्जा चुनौती

हैदराबाद में हुई ताइक्कांडो प्रीमियर लीग दूसरे चरण की शुरुआत

हैदराबाद। कोरियन मार्शल आर्ट को नया आयाम दे रही ताइक्कांडो प्रीमियर लीग सीजन वन के दूसरे चरण की शुरुआत हैदराबाद के सरुर नगर इंडोर स्टेडियम में हो गई। इस लीग के दिल्ली में हुए पहले चरण में पांचवें स्थान पर रही उत्तर प्रदेश की टीम लखनऊ नवाब इस बार भी अपनी छाप छोड़ने को तैयार है। लखनऊ नवाब की अपने पहले मैच में बेंगलुरु निन्जा से टक्कर होगी। पहले मुकाबले में लखनऊ की चुनौती कुणाल भाटी, नीरज मेहरा, भारती राठौर पेश करेंगे जबकि स्टैंडबाई में अभिषेक शर्माए भावना गौतम रहेंगे। इन खिलाड़ियों में किसान पिता की संतान एटा की भारती राठौर को सपने पूरे करने के लिए परिवार का पूरा साथ मिला और उसके पिता फूल सिंह राठौर बेटी के सपनों को उड़ान देने के लिए हरदम आगे रहे। छह साल से ताइक्कांडो सीख रही ताइक्कांडो में तृतीय डान ब्लैक बेल्ट भारती ने राज्य ताइक्कांडो चैंपियनशिप में क्योरगी में स्वर्ण पदक जीता था। भारती को शुरू में बहुत दिक्कत हुई लेकिन ग्रैंड मास्टर अभय सिंह राठौर ,आठवीं डान ब्लैक बेल्ट, के साथ के चलत वह आने वाले समय में देश के लिए पदक जीतने का सपना देख रही है। हालांकि टीम बदले भार वर्ग में चुनौती पेश कर रही है लेकिन सभी सीनियर वर्ग के उम्दा बेहतरीन खिलाड़ी है। इन प्रतिभाओं के चयन के लिए सीईओ ड. आनन्द किशोर पाण्डेय ने प्रदेश से चुनिंदा बेहतरीन खिलाड़ी चयनित किए है। इससे पूर्व लीग का उद्घाटन मुख्य अतिथि हैदराबाद में रिपब्लिक ऑफ कोरिया के कौंसुलेट जनरल सुरेश चुक्कापल्ली ने टीपीएल के चीफ कमिश्नर ग्रैंड मास्टर जून ली नौंवी डान ग्लोबल स्पोकसपर्सन कुक्कीवानद्ध सह कमिश्नर ग्रैंड मास्टर अभय सिंह राठौर आठवीं डान की गरिमामयी मौजूदगी में किया।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।
पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।